

रंग-बिरंगे खिलते फूल



लाल-लाल और पीले फूल
खिलते रंग-रंगीले फूल
इन्द्रधनुष से सतरंगे
दिखते प्यारे-प्यारे फूल।

इनकी महक हमको मोहे
गंध इनकी सबको सोहे
भीनी-भीनी खुशबू वाले
मस्ती में भर देते फूल।

बाग-बगीचे या तालाब में
कभी दिन में, कभी रात में
सर्दी, गर्मी या बरसात में
खिल जाते हैं सुन्दर फूल।

मीठा-मीठा शहद बनाते,
बन इत्र खुशबू फैलाते,
रंगरेजों के मन को भाते,
मालाओं में गुँथ जाते फूल।

1. आपने भी कई तरह के फूल देखे होंगे। इनके नाम लिखिए।

2. फूलों का उपयोग किन-किन कार्यों में होता है? लिखिए।

कुछ फूल दिन में खिलते हैं तो कुछ रात में। कुछ धरती पर खिलते हैं तो कुछ पानी में। कुछ फूल वर्षभर खिलते हैं तो कुछ फूल सर्दी, गर्मी या सिर्फ बरसात में ही खिलते हैं।

2. किन्हीं दो फूलों के नाम बताइए—

- (i) जो लाल रंग के हैं _____
- (ii) जो सफेद रंग के हैं _____
- (iii) जिनका रंग पीला है _____
- (iv) जो पानी में खिलते हैं _____
- (v) जिनको आँख बंद करके
खुशबू से भी पहचान सकते हैं _____

3. क्या आप बता सकते हैं कि कौन से फूल दिन में खिलते हैं और कौन से फूल रात में खिलते हैं?

दिन में खिलनेवाले	रात में खिलनेवाले
	
	
	
	
	

4. किस मौसम में कौन से फूल खिलते हैं? सारणी में भरिए।

क्र.सं.	सर्दी	गर्मी	बरसात	सालभर
1.				
2.				
3.				
4.				

5 (i) आपने फूलों को भिन्न-भिन्न प्रकार के पेड़-पौधों पर खिलते हुए देखा होगा। कुछ फूल झाड़ीदार पौधों पर खिलते हैं, कुछ बड़े-बड़े पेड़ों पर और कुछ लंबी-लंबी लताओं पर। इनके नाम सारणी में लिखिए।

क्र.सं.	पेड़ों पर खिलनेवाले फूल	झाड़ीदार पौधों पर खिलनेवाले फूल	लताओं पर खिलनेवाले फूल
1.			
2.			
3.			
4.			

(ii) क्या कोई ऐसे पेड़-पौधे हैं जिन पर फूल नहीं खिलते हैं? लिखिए।

6. (i) आप अपने साथियों के साथ आस-पास के पौधों पर खिले किसी फूल को जाकर देखिए तथा उसका चित्र बनाइए।

(ii) अब बताइए—

- आपने किस फूल को देखा? _____
- फूल का रंग कौन सा है? _____
- क्या फूल में गंध है? _____
- फूल का पौधा ज़मीन पर है या पानी में? _____
- फूल का आकार कैसा है? _____
(वृत्ताकार / गोल / घंटीनुमा / कटोरीनुमा या उन सबसे अलग)
- अकेले खिलता है या गुच्छों में? _____
- फूलों में कितनी पंखुड़ियाँ हैं? _____
- पंखुड़ियाँ आपस में जुड़ी हैं या अलग-अलग हैं? _____
- पंखुड़ियों के निचले हिस्से को ढँकनेवाली अंखुड़ियाँ _____
किस रंग की हैं?
- इन अंखुड़ियों की संख्या कितनी है? _____
- अंखुड़ियाँ आपस में जुड़ी हैं या अलग-अलग हैं? _____
(इस गतिविधि को 4-5 फूलों के साथ कीजिए।)

7. अपने आस-पास की किन्हीं तीन पौधों की कलियों और फूलों का चयन कीजिए। आप इन पौधों पर खिली हुई एक-दो कलियों पर धागा बाँधकर निशान लगाइए। अब कुछ दिनों तक इन कलियों को ध्यान से देखिए और बताइए कि कलियाँ कितने दिनों में खिलकर फूल बन गईं।

फूल का नाम	पहली बार किस तिथि को कली देखा	किस तिथि को कली फूल बन गई

फूल कई लोगों की रोजी-रोटी के साधन हैं। कुछ लोग फूलों की खेती करते हैं, तो कुछ लोग फूल या उससे बनी चीजों की खरीद-बिक्री करते हैं।

8. क्या आपके गाँव या शहर में कोई फूल बेचनेवाला/वाली है? उनके पास जाकर पता कीजिए—

(i) वह कौन-कौन से फूल बेच रहा/रही है? प्रत्येक फूल का मूल्य क्या है?

क्र.सं.	फूल का नाम	मूल्य
1.		
2.		
3.		
4.		

(ii) वह फूल कहाँ से लाता/लाती है?

(iii) वह फूलों से बनी किन-किन चीजों की बिक्री करता/करती है? फूलों से बनी विभिन्न चीजों के मूल्य क्या है?

क्र.सं.	फूलों से बनी सामग्री	मूल्य
1.	गेंदे का हार	
2.		
3.		
4.		
5.		

9. (i) क्या आपके गाँव में फूलों की खेती होती है? _____

(ii) इससे क्या लाभ होता है?

पाठ 2

कोई देता अंडे, कोई देता बच्चे



नीतू और नीशू की परीक्षा हो चुकी थी। दोनों बहनें छुट्टियों का मज़ा ले रही थीं। एक दिन दोपहर में दोनों अपने कमरे में लेटी हुई थीं।

नीशू बोली— दीदी, देखो न, वे दो गौरैया तिनके चुन रही हैं और इन्हें डाली पर इकट्ठा कर रही हैं।

नीतू— हाँ, ये अपना घोंसला बना रही हैं। फिर ये घोंसले में अंडे देंगी। अंडों से उनके बच्चे निकलेंगे।

नीशू अंडे देखने को बहुत उत्सुक थी। गर्मी बढ़ने लगी। उन्होंने झरोखे पर पानी रख दिया। कुछ दिनों बाद गौरैया ने तीन छोटे और उजले अंडे दिए। नीशू ज़ोर से चिल्लाई—दीदी! दीदी! घोंसले में अंडे आ गए।

नीतू बोली— गलती से भी अंडों को छूना नहीं। नहीं तो अंडों से बच्चे नहीं निकलेंगे।

कुछ दिनों बाद उस घोंसले से चीं—चीं की आवाज़ आने लगी। नीशू ने घोंसले में झाँका तो खुशी के मारे झूम उठी। अंडों से तीन छोटी—छोटी गौरैया जो निकली थीं।



बताइए—

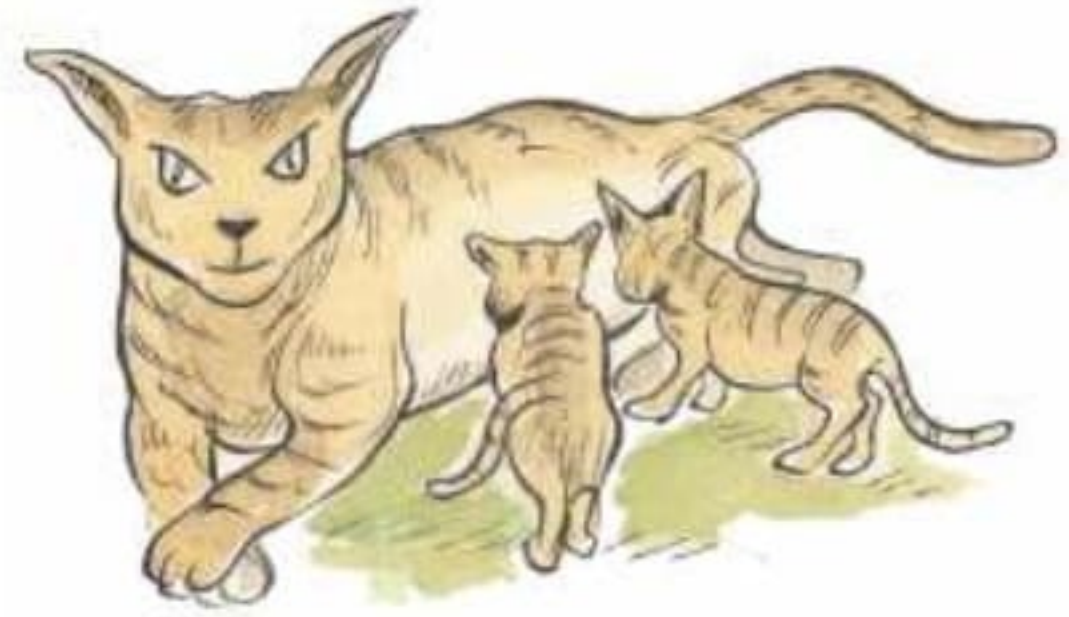
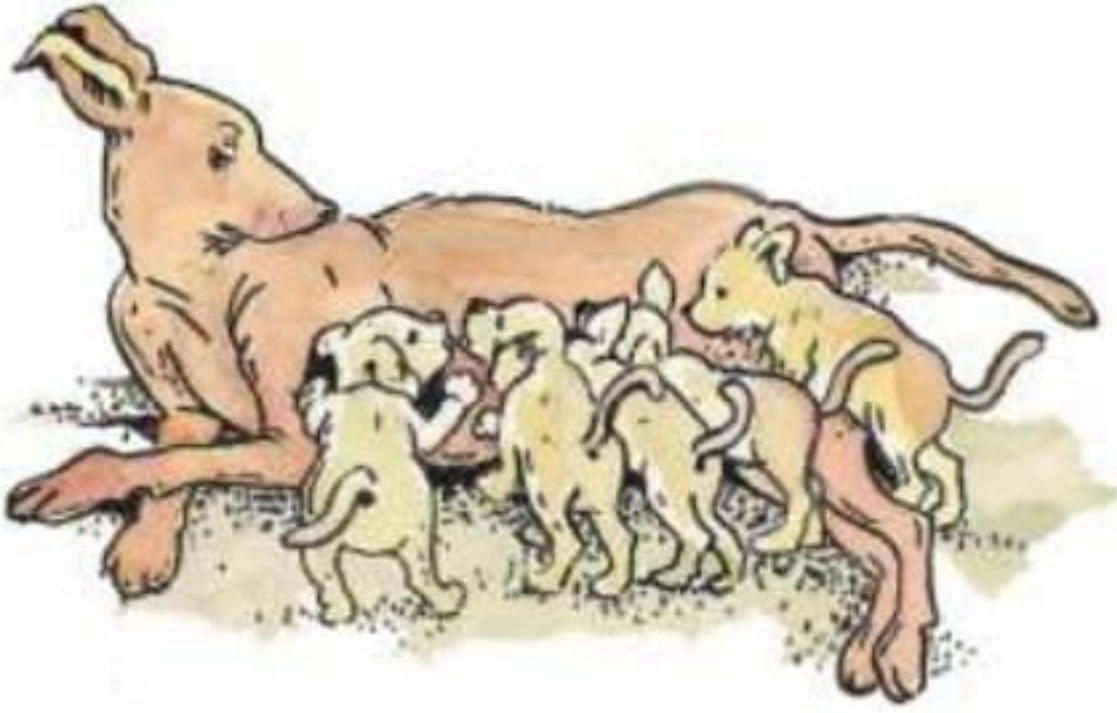
- (i) कौन-कौन से जीव-जन्तु अंडे देते हैं?

(ii) क्या अंडों से बच्चे तुरंत निकल आते हैं? यदि कुछ दिनों के बाद निकलते हैं तो इस बीच अंडों के साथ उनकी माँ क्या करती है?

(iii) कुछ जीव-जन्तु एक बार में एक और कुछ एक बार में एक से अधिक अंडे देते हैं। इनके बारे में पता करके नीचे की सारणी में लिखिए।

क्र. सं.	एक बार में एक अंडा देनेवाले जीव	एक बार में अनेक अंडे देनेवाले जीव
1.		
2.		
3.		
4.		

नीचे बने चित्र देखकर बताइए कि क्या ये जीव भी अंडे देते हैं ?



2. (i) पिछले पृष्ठ पर बने चित्रों में क्या समानता है?

(ii) कुछ जीव अंडे न देकर सीधे बच्चों को जन्म देते हैं। आपने अपने आस-पास ऐसे बहुत से जीव-जन्तु और उनके बच्चों को देखा होगा। उनके नाम लिखिए।

(iii) अलग-अलग जीव-जन्तुओं के बच्चों को हम अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। नीचे कुछ जीव-जन्तुओं के नाम दिए गए हैं। उनके सामने उनके बच्चों के नाम लिखिए।

जीव-जंतु का नाम	बच्चे का नाम	जीव-जंतु का नाम	बच्चे का नाम
गाय	बछड़ा	बकरी	
भैंस		मनुष्य	
कुत्ता		सुअर	
भेंड़		शेर	

(iv) इन जीवों में से कुछ एक बार में एक बच्चे को ही जन्म देते हैं और कुछ एक से अधिक। अब इस सारणी को पूरा कीजिए।

क्र.सं.	एक बार में एक बच्चे देनेवाले जीव	एक बार में एक से अधिक बच्चे देनेवाले जीव
1.		
2.		
3.		

3. आपने अपने घर में या आस-पास बहुत से जीवों के नवजात बच्चों को देखा होगा। ऐसे जीवों के नाम लिखिए जो पैदा होते ही—
- (i) चलने लगते हैं _____
- (ii) नहीं चलते हैं _____
- (iii) जिनके मुँह में शुरु से दाँत होते हैं _____
- (iv) जिनके मुँह में शुरु से दाँत नहीं होते हैं _____
4. क्या जानवर अपने बच्चों की देखभाल करते हैं? किन्हीं दो जानवरों को ध्यान से देखिए। वे अपने बच्चों की देखभाल कैसे करते हैं? लिखिए।
- _____
- _____
- _____
5. इस वर्ग में कुछ अंडे और कुछ बच्चे देनेवाले जीवों के नाम छिपे हैं। उन्हें खोजिए और लिखिए।

शु	तु	र	मु	र्ग	ऊँ	क
च	म	गा	द	ड	ट	छु
छि	बं	गि	ल	ह	री	आ
प	द	डा	य	ना	सो	र
कि	र	डॉ	कं	म	च्छ	र
ली	हा	ल्फि	गा	ति	ब	म
जूँ	थी	न	रु	त	क	छ
अ	ज	ग	र	ली	री	ली

बच्चे देनेवाले जीव

अंडे देनेवाले जीव

(शिक्षक बच्चे देनेवाले जीवों को लाल एवं अंडे देनेवाले जीवों को हरे रंग से रँगने की गतिविधि भी करवा सकते हैं।)

कभी—कभी कुछ इंसानों के बच्चे नहीं होते हैं। जब इंसानों के बच्चे नहीं होते हैं, तो वे बच्चों को गोद ले सकते हैं। कुछ संस्थाएँ कानूनी तौर पर यह मदद करती हैं।

6. नीचे लिखी कविता को पढ़िए। कविता के आधार पर पृष्ठ पर दी गई खाली जगह में चित्र बनाइए।

हँसते—खेलते बच्चे

मुर्गी—बत्तख अंडा देते,
गाय—बकरी देते बच्चे,
ये बच्चे परिवार में,
देखो लगते कितने अच्छे।
कुतिया हमको पिल्ले देती,
सुअर देता छौना,
साँप छिपकली अंडे देते,
बिल हो चाहे कोना।
व्हेल—डॉल्फिन के बच्चे,
पानी में हैं दौड़ लगाते,
चमगादड़ के बच्चे उड़कर
अंधेरे में भी धूम मचाते।
मगर—घड़ियाल अपने अंडे,
गड्ढे खोद छिपाते हैं,
कछुए जब देते हैं अंडे
बालू का घर बनाते हैं।

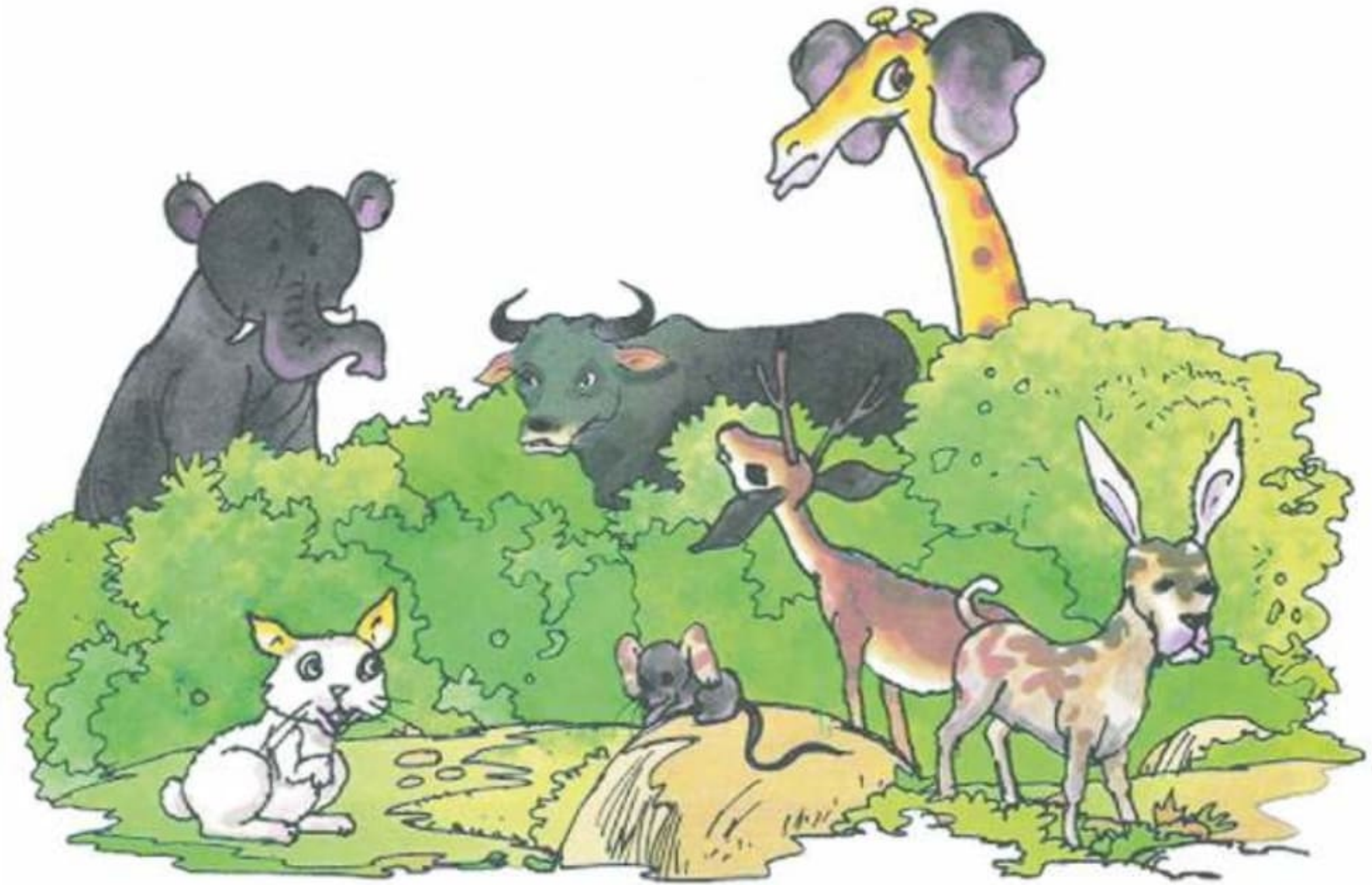
पाठ 3

हड़बड़ में गड़बड़

जंगल में सभा हुई। सभी जानवर एक जगह एकत्रित हुए। जानवरों के बच्चे भी वहीं आपस में खेल रहे थे। बच्चों ने सोचा— सभी बड़े केवल अपने बारे में सोचते हैं। हम पर बहुत कम ध्यान देते हैं। चलो, हम भी अपनी बात रखेंगे।

बच्चों ने अपनी तस्वीर बनवाने की जिद पकड़ ली। राजा शेर ने चित्रकार गोलू खरगोश को चित्र बनाने की आज्ञा दी।

बच्चों ने 'पहले मेरा, पहले मेरा' की रट लगा दी। गोलू खरगोश तंग आ गया और हड़बड़ में गड़बड़ कर बैठा। एक का कान दूसरे पर बना दिया।



1. गोलू खरगोश द्वारा बनाया गया चित्र देखिए और लिखिए कि किस जानवर के सिर पर किसके कान हैं?

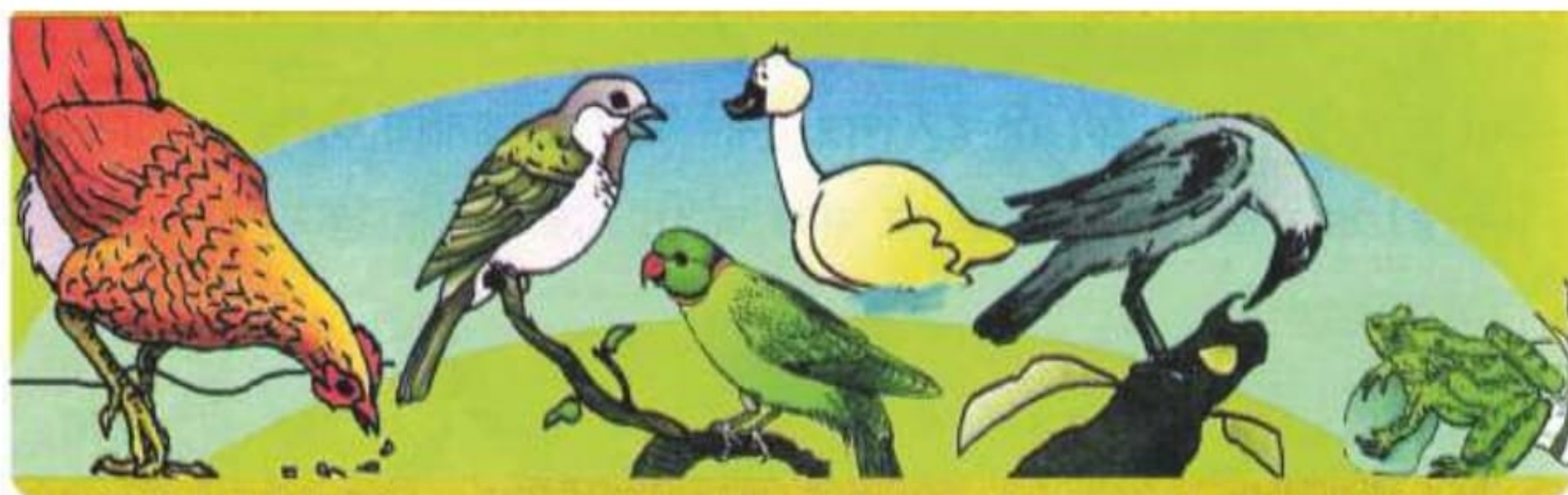
जानवर	कान	जानवर	कान
हिरण	भैंस	हाथी	
भैंस		जिराफ	
कुत्ता		चूहा	

आप अपने आस-पास बहुत सारे बड़े-छोटे जीव-जन्तुओं को देखते होंगे। इनमें से कुछ के कान दिखाई देते हैं और कुछ के नहीं।

2. (i) नीचे कुछ जीव-जन्तुओं के नाम दिए गए हैं। उनको सारणी में भरिए।
हिरण, चीता, सुअर, मछली, भैंस, जिराफ़, मेंढक, चिड़िया, छिपकली, चींटी, कौआ, साँप, छिपकली, हाथी, बिल्ली।

क्र. सं.	जिनके कान बाहर दिखाई देते हैं	जिनके कान बाहर दिखाई नहीं देते हैं
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

- (ii) जिनके कान बाहर नहीं दिखते हैं, उनके कान होते हैं या नहीं? —————



3. (i) पूर्व पृष्ठ के चित्रों को पहचानिए और इनके नाम लिखिए।

(ii) क्या आपको इनके कान दिखाई दे रहे हैं? _____

इन सभी पक्षियों के कान होते हैं, तभी ये सुन पाते हैं। हाँ, हमें दिखाई नहीं पड़ते। इन सभी के कान छिद्रों के रूप में होते हैं। छिपकली और मगरमच्छ के कान की जगह भी सिर्फ दो छोटे छेद होते हैं। ध्यान से देखिए, आपको भी दिखेंगे।

4. आइए, अपनी नज़र घुमाइए और पता कीजिए कि और कौन-कौन से जीव हैं, जिनके कान बाहर दिखाई नहीं देते हैं?

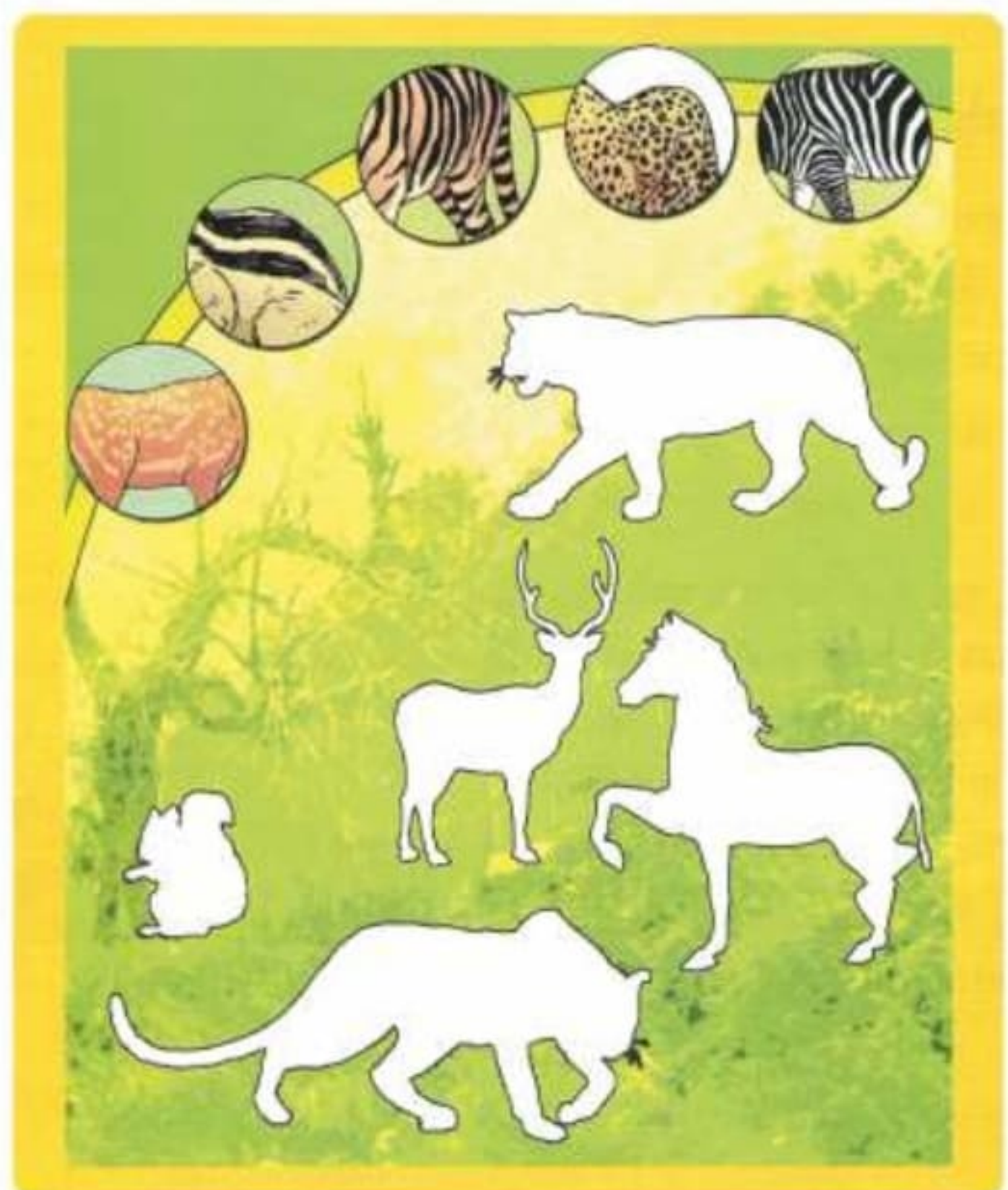
5. ऐसे जानवरों के नाम लिखिए, जिनके कान होते हैं—

- पत्ते की तरह _____
- सिर के ऊपर _____
- सिर के दोनों तरफ _____

जंगल के जानवर चित्रों को देखकर ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगे। चित्रकार गोलू खरगोश ने अपनी कूची उठाई और लगा चित्रों में रंग भरने। इसी समय चुलबुली गिलहरी बोली—‘खरगोश दादा! जरा ठहरिए। रंग भरने के पहले सभी खाल का डिज़ाइन तो बना लीजिए’।

गोलू खरगोश ने सभी जानवरों का डिज़ाइन बना दिया। जानवर के बच्चे उन्हें अपने अनुरूप सजाने लगे।

आप भी डिज़ाइन पहचानकर चित्र में दिए जानवरों के शरीर पर खाल बनाइए।



जानवरों के शरीर पर ऐसे डिज़ाइन उनके बाल से बनते हैं। ज़रा सोचिए, उनके शरीर पर से बाल हटा दिए जायें, तो ये जानवर कैसे दिखाई देंगे?

6. नीचे कुछ जानवरों के नाम लिखे हैं। इन नामों से नीचे बनी तालिकाओं को पूरा कीजिए—
गाय, चूहा, कौआ, सुअर, लोमड़ी, मुर्गी, ऊँट, बत्तख, मेंढ़क, हाथी, भैंस, गौरैया, कबूतर, बिल्ली, मोर, छिपकिली

क्र. सं.	कान बाहर दिखाई देते हैं	खाल पर बाल हैं	कान बाहर दिखाई नहीं देते हैं	खाल पर बाल नहीं हैं / खाल पर पंख हैं
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				

(i) क्या जिन जानवरों के कान बाहर दिखाई देते हैं उनकी खाल पर बाल होते हैं?

(ii) क्या जिन जानवरों के कान बाहर नहीं दिखाई देते हैं उनकी खाल पर बाल होते हैं?

क्र.सं.	बच्चे देनेवाले	अंडे देनेवाले
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

(iii) क्या जो जानवर अंडे देते हैं उन सभी के कान बाहर दिखाई देते हैं?

(iv) क्या जो जानवर बच्चे देते हैं, उन सभी के कान बाहर नहीं दिखाई देते हैं?

**जो जीव बच्चे देते हैं, उनके शरीर पर बाल होते हैं और कान भी बाहर दिखाई देते हैं।
अंडे देनेवाले जानवरों के शरीर पर बाल नहीं होते और उनके कान बाहर नहीं दिखते हैं।**

7. अपने घर या आस-पास पाले जानेवाले किसी एक जानवर के बारे में निम्नलिखित बातें पता कीजिए—

(i) जीव का क्या नाम है?

(ii) वह क्या-क्या खाना पसंद करता है?

(iii) उसे दिन में कितनी बार खाना दिया जाता है?

(iv) उसके सोने का समय क्या है? वह कितने देर के लिए सोता है?

(v) उसका ध्यान कैसे रखा जाता है?

(vi) क्या उसे गुस्सा आता है? कैसे पता चलता है कि वह गुस्से में है?

(vii) उसकी खाल पर बाल हैं या पंख?

(viii) उसके कान दिखाई देते हैं या नहीं?

(ix) वह बच्चा है या बड़ा?

(x) वह बच्चे देता है या अंडे?

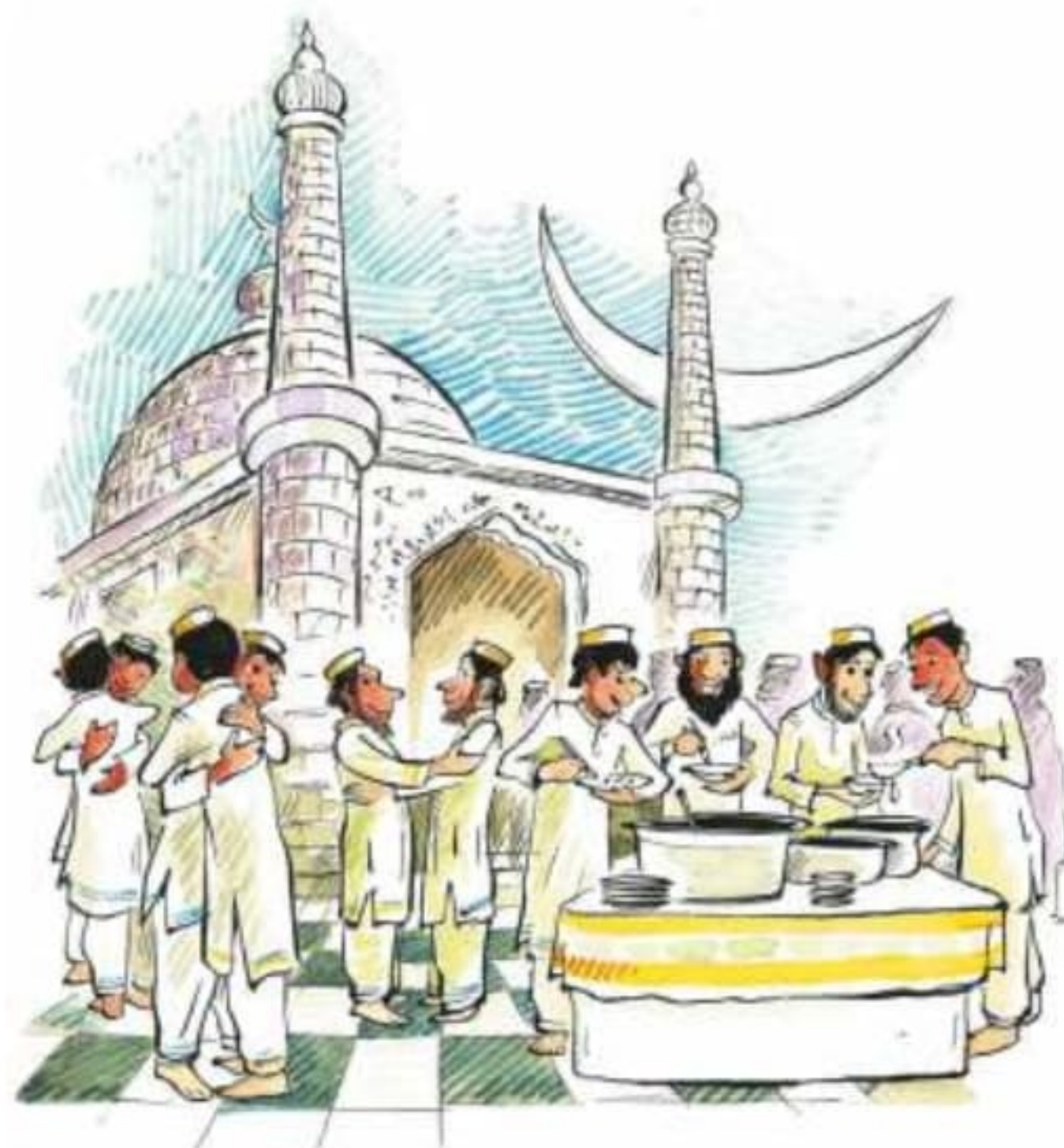
(xi) क्या उसके बच्चे हैं?

(xii) आप अपने पालतू जीव का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए। उसका एक बढ़िया—सा नाम रखिए।

पाठ 4

त्योहार और भोजन

1. नीचे कुछ त्योहारों के चित्र बने हैं। प्रत्येक के नीचे उनका नाम लिखिए।



2. इन त्योहारों के अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रीय पर्व और त्योहार होते हैं, जिनको लोग मिल-जुलकर मनाते हैं। आपके यहाँ और कौन-कौन से त्योहार मनाए जाते हैं?

तरह-तरह के पकवान

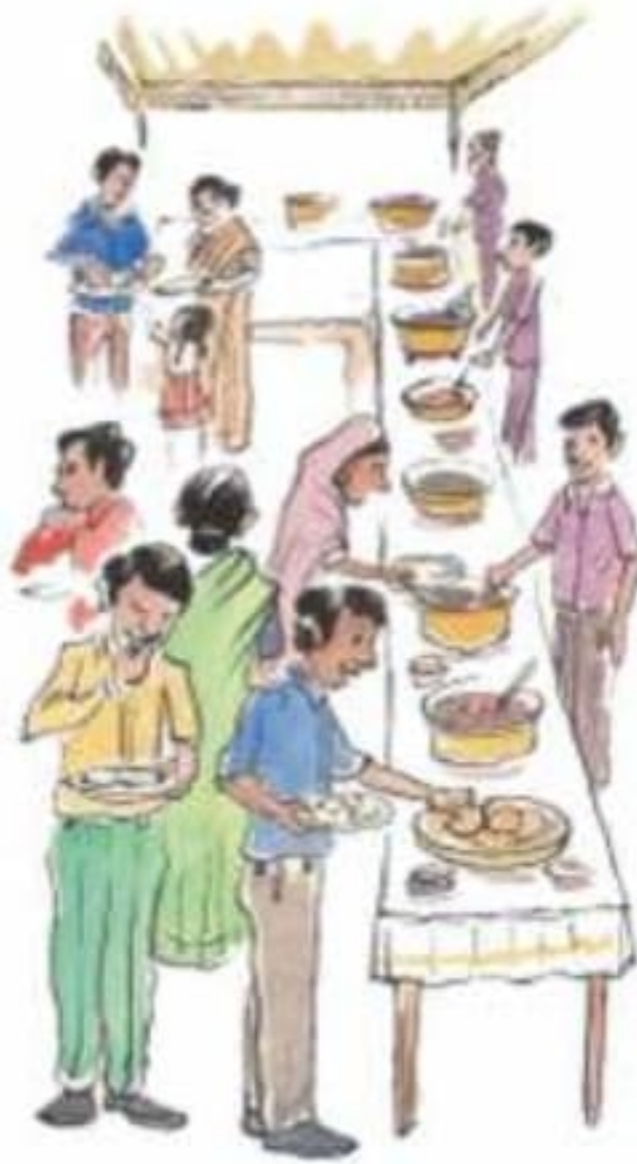
प्रत्येक पर्व त्योहार के मौके पर खास तरह के पकवान बनाए जाते हैं। सब मिलकर साथ में खाना खाते हैं। नए-नए कपड़े व तरह-तरह के पकवानों का पूरा मज़ा तो आप लोग उठाते हैं।

3. आपको कौन सा त्योहार सबसे अच्छा लगता है? इस दिन घर में कौन-कौन से पकवान बनाए जाते हैं?

4. नीचे सारणी में कुछ पकवानों के नाम दिए गए हैं। आपको बताना है कि ये पकवान किस त्योहार पर बनाए व खाए जाते हैं?

क्र.सं.	पकवान	त्योहार
1.	पुआ	
2.	सत्तू	
3.	लड्डू, धान का लावा	
4.	दही, चूड़ा, तिलकूट	
5.	रोट-मलीदा	
6.	केक	
7.	खिचड़ी	
8.	हलवा	
9.	मडुआ की रोटी	
10.	झिंगनी की तरकारी	

भोज-भात



5. शादी-विवाह में भी तरह-तरह के पकवान बनते हैं। आप भी किसी शादी-विवाह में गए होंगे। वहाँ आपने क्या-क्या खाया?

6. घर में, घर के सदस्य मिलकर खाना बनाते हैं। शादी-विवाह या भोज-भात में भोजन कौन-कौन बनाता है?

7. इतने लोगों को भोजन एक साथ कैसे खिलाया जाता है?

8. जूठे बर्तनों की साफ-सफाई कौन करता है?

विद्यालय में भोजन

9. क्या आपके विद्यालय में भी एक साथ भोजन कराया जाता है? अगर हाँ, तो बताइए—

(i) आप विद्यालय में किस समय भोजन करते हैं? _____

(ii) आपके विद्यालय में भोजन कौन बनाता है ? _____

(iii) आपके विद्यालय में भोजन कैसे परोसा जाता है ? _____

(iv) आपके विद्यालय में किस दिन कौन-कौन सा भोजन परोसा जाता है?

क्र.सं.	दिन	खाने की चीज
1.	सोमवार	
2.	मंगलवार	
3.	बुधवार	
4.	बृहस्पतिवार	
5.	शुक्रवार	
6.	शनिवार	

आपके विद्यालय में दोपहर का भोजन मिलता होगा। कुछ ऐसे भी आवासीय विद्यालय हैं, जहाँ बच्चे रहकर पढ़ते हैं। उनके सुबह-शाम, दोपहर, रात के भोजन की व्यवस्था वहीं रहती है।

10. (i) क्या आपके आस-पास कोई आवासीय विद्यालय है? _____

- (ii) आपस में चर्चा करके लिखिए कि आवासीय विद्यालयों में भोजन की व्यवस्था किस प्रकार की जाती है?



पटना साहिब हर मंदिर का चित्र



लंगर खाते भक्त

सिक्खों के पूजन स्थल को गुरुद्वारा कहा जाता है। पटना साहिब में जहाँ सिक्खों के दसवें गुरु “गुरु गोविन्द सिंह” का जन्म हुआ था, वहाँ एक बहुत बड़ा गुरुद्वारा है, जो तख्त हरमंदिर साहिब कहलाता है। यहाँ सभी श्रद्धालु भक्तों के लिए भोजन की व्यवस्था होती है, जिसे लंगर कहा जाता है। लंगर में सभी लोग एक-साथ बैठकर भोजन करते हैं। भोजन सामग्री लाने, धोने, काटने, पकाने एवं परोसने का काम सभी मिलकर करते हैं। बर्तनों की सफाई का कार्य भी लोग स्वयं ही करते हैं। लंगर की पूरी व्यवस्था लोगों के सहयोग पर आधारित होती है।

3. (i) जीभ को दाँत से सटाकर 'रसगुल्ला' शब्द बोलिए। क्या आप रसगुल्ला शब्द सही से बोल पाए?

- (ii) स्वाद की पहचान के अलावा जीभ हमारे और किस-किस काम में मदद करती है?

4. हम लोग भोजन चूसकर, चबाकर तथा निगलकर करते हैं, लेकिन पशु-पक्षी अपना भोजन किसी एक खास तरीके से ही करते हैं। नीचे कुछ जीवों के नाम दिए गए हैं। आप इन्हें सारणी के अनुसार छाँटिए।

हिरण, तितली, मेढ़क, बकरी, कुत्ता, मक्खी, शेर, घोड़ा, गधा, मच्छर, भैंस, मोर, खरगोश, मछली, साँप, खटमल, छिपकिली, मुर्गा

क्र.सं.	चबाकर भोजन करनेवाले	चूसकर भोजन करनेवाले	निगलकर भोजन करनेवाले
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			

पाठ 5

स्वाद अलग-अलग

खाने की चीजें कई प्रकार की होती हैं। इनके स्वाद भी अलग-अलग होते हैं। कुछ खाने की चीजें मीठी होती हैं तो कुछ तीखी।

1. नीचे कुछ चीजों के नाम दिए गए हैं, उनके स्वाद बताइए—

क्र.सं.	खाने की चीजें	स्वाद
1.	जलेबी	
2.	अचार	
3.	लड्डू	
4.	कचौड़ी	
5.	मिर्च	
6.	करैला	
7.	आँवला	
8.	इमली	

2. मुँह के किस अंग की वजह से हमें वस्तुओं का स्वाद पता चलता है? उस अंग का नाम लिखिए और उसका चित्र बनाइए।

दाँत बत्तीसी

कल मैं रोहित से बोली,
आँख मींच और मुँह खोल,
उसने सोचा मन-ही-मन,
आता है लड्डू मुँह में गोल
मैंने झटपट गिन डाले,
उसके मुँह के सारे दाँत ।
और बनावट देख के उनकी,
फिर बोली मैं अपनी बाता।



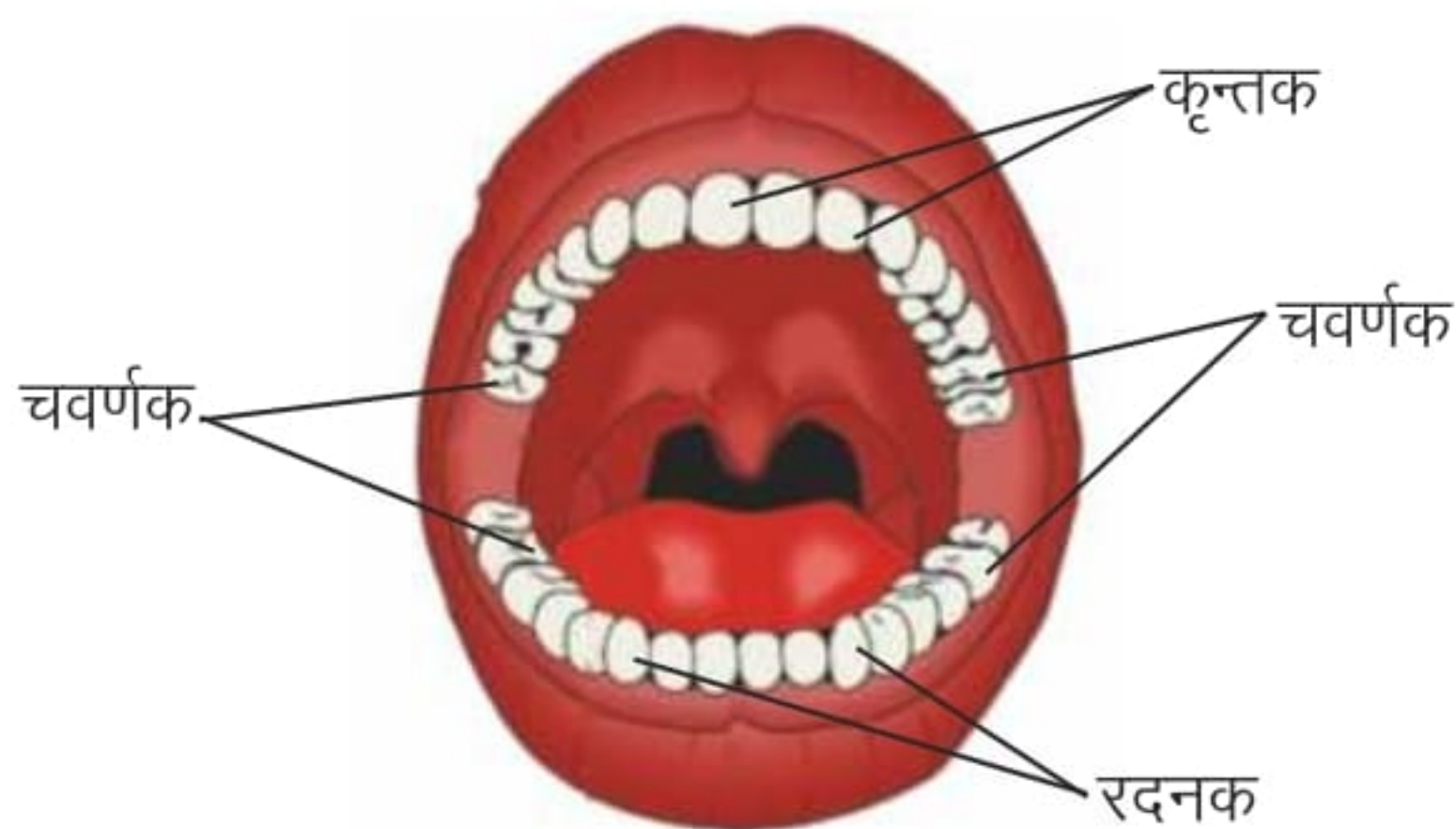
आइए ! कुछ कर के देखिए।

- बिना दाँतों को काम में लाए रोटी खाकर देखिए।
- सिर्फ पीछे के दाँतों से गाजर/मूली/सेब काटकर देखिए।
- बिल्कुल सामनेवाले दाँतों से गन्ने को छीलकर देखिए।

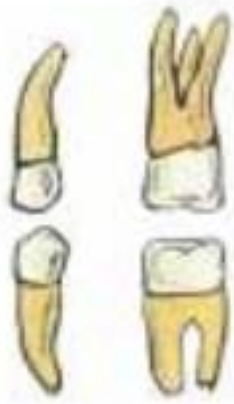
5. अगर आपके मुँह में दाँत न हों तो क्या होगा?

6. आप भी अपने साथी के दाँतों को देखिए और बताइए—

- (i) क्या सभी दाँत एक जैसे दिखाई दे रहे हैं? _____
- (ii) हमारे मुँह में कुछ दाँत हमें खाने की चीज़ों को काटने में मदद करते हैं, कुछ छीलने में और कुछ चबाने में। चित्र में तीनों तरह के दाँतों की पहचान कीजिए।



- (iii) पिछले पृष्ठ पर बने चित्र में अलग-अलग तरह के दाँतों की संख्या पता लगाइए और सारणी में भरिए ।

काटनेवाले दाँत	छीलनेवाले दाँत	चबानेवाले दाँत
		
_____	_____	_____

- (iv) क्या आपके चबानेवाले सभी दाँत एक जैसे हैं या अलग-अलग?

7. बताइए—

क्र.सं.	प्रकार	इनसे क्या-क्या खाते हैं?
1.	काटनेवाले दाँत	
2.	चबानेवाले दाँत	
3.	छीलनेवाले दाँत	

विभिन्न प्रकार के दाँतों के अलग-अलग नाम होते हैं।

काटनेवाले दाँत	कृन्तक (इनसाइजर)
छीलनेवाले दाँत	रदनक (केनाइन)
चबानेवाले दाँत	चवर्णक (मोलर)

8. कौन सा दाँत किस औज़ार की तरह काम करता है?

पिलास की तरह _____

खरल की तरह _____

कैंची की तरह _____

9. (i) दाँत हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। क्या इनकी संख्या बच्चे और बड़ों में एक समान रहती है या अंतर रहता है? _____

(ii) अलग-अलग उम्र में दाँतों की संख्या पता लगाइए।

उम्र	दाँतों की संख्या
6 माह का बच्चा / बच्ची	
2-3 वर्ष का बच्चा / बच्ची	
8-9 वर्ष का बच्चा / बच्ची	
21 साल से ऊपर	

10. जन्म के बाद आनेवाले दाँत को क्या कहा जाता है?

11. (i) क्या आपके दाँत गिरे हैं? क्या इनकी जगह नए दाँत आ गए?

(ii) अपने दादा-दादी से पता कीजिए कि अगर उनके दाँत टूटते हैं, तो क्या वे वापस आ जाते हैं?

12. भोजन चबाने में दाँत और उसका स्वाद लेने के लिए जीभ की आवश्यकता होती है। अगर दाँत गंदे हों तो कई तरह की बीमारियाँ हो सकती हैं। इन्हें नियमित रूप से साफ करना आवश्यक है। आप अपने दाँतों की सफाई कैसे करते हैं?

जिस तरह हमारे दाँत होते हैं, उसी तरह जानवरों के भी दाँत होते हैं। उनके दाँत भी गिरते हैं। कुछ जानवरों जैसे घोड़ा और शेर के भी दाँत मनुष्यों की तरह एक बार गिरते हैं और उनकी जगह फिर नए दाँत आते हैं। लेकिन साँप और मगरमच्छ अपने जीवन में कई बार दाँत बदलते हैं।

पाठ 6

हरियाली और हम



यह माला का गाँव है। चारों तरफ हरियाली ही हरियाली है। माला को अपना गाँव बहुत अच्छा लगता है। माला के गाँव में बहुत सारे बाग-बगीचे और पेड़-पौधे हैं।

1. आपने जिन-जिन पेड़-पौधों को देखा या सुना है, उनके नाम लिखिए।

2. इनमें से उन पेड़-पौधों के नाम छाँटिए जो आपके घर या आस-पास उगते हैं तथा वे जो जंगल में उगते हैं।

(i) घर या आस-पास उगनेवाले _____

(ii) जंगल में उगनेवाले _____

3. पेड़-पौधे चाहे घर के आस-पास हों या जंगल में, हमारे लिए बहुत उपयोगी होते हैं। आपके अनुसार पेड़-पौधों की हमारे लिए क्या उपयोगिता होती है?

4. पेड़-पौधों की उपयोगिता के अनुसार नीचे बनी सारणी भरिए।

क्र.सं.	उपयोग	पेड़-पौधों के नाम
1.	इमारती लकड़ी	
2.	साग-सब्जी	
3.	अनाज व दाल	
4.	तेल	
5.	औषधि	
6.	फल	
7.	फूल	

5. हमने समझा कि पेड़-पौधे हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। इनसे हमें अनेक दैनिक जरूरत की चीजें प्राप्त होती हैं। अब जरा सोचिए और बताइए—

(i) अगर पेड़-पौधे नहीं होते तो क्या-क्या होता?

(ii) क्या पेड़-पौधों के बिना हम रह सकते हैं?

(iii) क्या पेड़-पौधे हमारे बिना रह सकते हैं? यदि हाँ तो कैसे?

6. अपने घर या विद्यालय के आस-पास मिलनेवाले किसी एक पेड़ के बारे में पाँच वाक्य लिखिये उस पेड़ का चित्र बनाकर उसके विभिन्न हिस्सों के नाम दर्शाइए।

7. किन्हीं तीन पेड़-पौधों के नाम बताइए—

(i) जिनमें काँटे होते हैं _____

(ii) जो खूब छाया देते हैं _____

8. नीचे बने चित्रों में क्या हो रहा है?



9. ज़रूरत से ज़्यादा पेड़ काटने से क्या-क्या हानियाँ होती हैं?

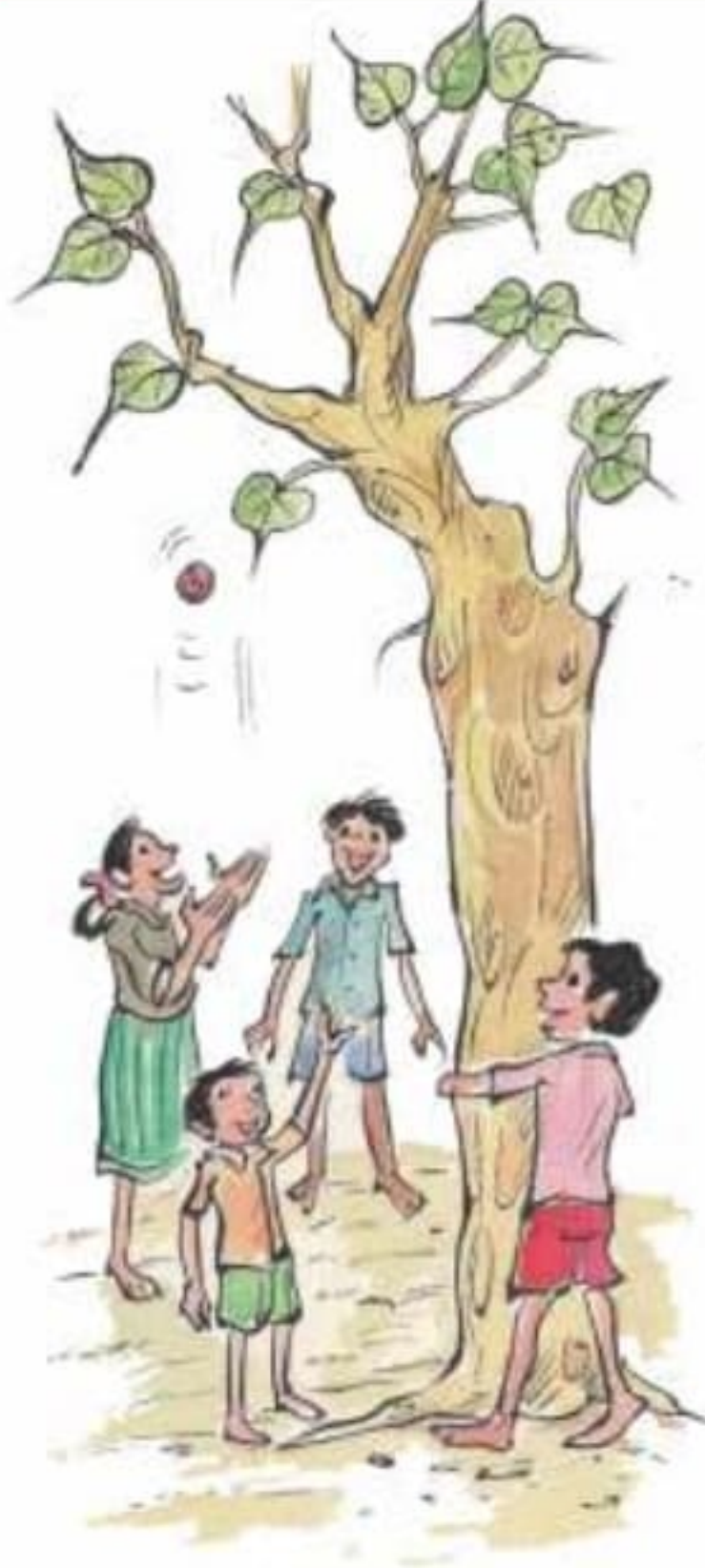
पेड़ों से दोस्ती

बात करीब तीन सौ साल पुरानी है। राजस्थान के खेजड़ली गाँव की एक लड़की थी, अमृता। उसके गाँव में खेजड़ी के बहुत पेड़ थे, जिसकी छाया में अमृता अपने साथियों के साथ खेलती थी। खेजड़ी की फलियों की सब्जी बनती है तथा इसकी छाल दवा के काम आती है।

समय बीतता गया, अमृता बड़ी हो गयी। एक दिन वह अपने पेड़ों के बीच खेल रही थी। तभी उसने देखा कि कुछ अनजान लोग कुल्हाड़ी लेकर चले आ रहे हैं। पता चला कि राजा का महल बन रहा है जिसके लिए लकड़ियों की जरूरत है। वे लोग राजा के आदमी हैं तथा लकड़ियाँ लेने आए हैं। उनलोगों ने लकड़ियाँ काटने का प्रयास किया तो अमृता ने इसका विरोध किया। वह पेड़ से लिपट गई। राजा के आदमियों ने क्रोधित होकर कुल्हाड़ी से अमृता पर वार कर दिया। अमृता के पैर कट गए लेकिन वह पेड़ को अपने हाथों से जकड़ी रही। पेड़ को बचाने के लिए अमृता द्वारा किये गए साहस पूर्ण प्रतिरोध ने गाँव वालों को झकझोर कर रख दिया। देखते-ही-देखते गाँव वाले पेड़ों को कटने से बचाने के लिए एकजुट हो गये। सभी लोग पेड़ों से लिपट गये। राजा के आदमियों ने आवेश में आकर पेड़ से लिपटे हुए गाँव वालों पर अंधाधुंध वार करना शुरू कर दिया। लगभग तीन सौ गाँव वाले मारे गए। पेड़ों के प्रति लोगों का प्यार और बलिदान को देख कर राजा पर गहरा असर हुआ। उसने आदेश दिया कि इस इलाके में कभी कोई पेड़ नहीं काटेगा और न ही कोई शिकार करेगा। यहाँ के लोग आज भी पेड़ों और जानवरों की रक्षा करते हैं। रेगिस्तान में होते हुए भी यह इलाका हरा-भरा है।

पाठ 7

जड़ों की पकड़



सलिल, समीर और पिंगी प्रतिदिन छुट्टी के बाद एक ठूँठ पीपल के पेड़ के नीचे खेलते थे। एक दिन वे उस ठूँठ पीपल के पेड़ को देखकर सोचने लगे— आखिर इस पेड़ की हालत ऐसी क्यों हो गयी? इसके बारे में उन्होंने गाँव के एक बुजुर्ग व्यक्ति रामू काका से पूछ-ताछ की।

रामू काका ने बताया— यह पेड़ करीब 60 वर्ष पुराना है। कभी यह बहुत हरा-भरा था। तेज आँधी में भी नहीं उखड़ा। बाद में लोगों द्वारा भिन्न-भिन्न कार्यों के लिए मिट्टी निकाल लेने के कारण इसकी जड़ें जमीन के ऊपर आ गई हैं। जिससे इस पेड़ को पानी ठीक से नहीं मिल रहा है। इसकी जड़ों को मिट्टी से ढँकने और पानी पटाने की जरूरत है।

रामू काका की बातें सुनकर सलिल और उसके साथियों ने पीपल की खुली जड़ों में मिट्टी डालकर उसे ढँक दिया और रोज पानी पटाने लगे। कुछ ही दिनों में पीपल में नई जिन्दगी आ गई। सभी मोटी-पतली ठूँठ शाखाओं में नई-नई कोपलें निकल आईं और बूढ़ा पीपल फिर से हरा-भरा होकर लहराने लगा।

1. आपके आस-पास ऐसे बहुत से पेड़ होंगे, उन्हें आप कैसे बचाएँगे?

2. आप अपने घर के आस-पास किन पौधों को नियमित रूप से पानी पटाते हैं?

3. क्या सभी पेड़ों की जड़ें होती हैं?

4. अगर पौधों की जड़ों में पानी न दें तो क्या होगा?

5. पौधों को पानी कहाँ से और कैसे मिलता है?

आइए, इसे जानने के लिए एक प्रयोग करें—

शीशे का दो गिलास लीजिए। एक गिलास के आधे भाग में लाल रंगीन पानी तथा दूसरे गिलास के आधे भाग में नीला रंगीन पानी डालिए।



अब दोनों पानी से भरे गिलासों में एक-एक मुलायम तनेवाले पौधे जड़ सहित उखाड़कर डाल दीजिए। तीन-चार घंटे के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दीजिए।

6. अब दोनों पौधों की पत्तियों को ध्यान से देखिए और बताइए क्या हुआ?



7. दोनों पौधों के तने को बीच में से काटकर देखिए।
बताइए कि इसमें पानी चढ़ा या नहीं? आपने कैसे पता लगाया?

8. पत्तियों की नसों में रंगीन पानी कैसे पहुँचा होगा? सोचकर बताइए।

9. इस प्रयोग को करने के बाद बताइए कि पेड़-पौधे पानी कैसे ग्रहण करते हैं?

अब आप समझ गए होंगे कि जड़ पौधों को पानी पहुँचाने का कार्य करती है। लेकिन क्या जड़ों का कोई और भी काम है। आइए, एक प्रयोग से हम समझने की कोशिश करते हैं।

वर्ग में तीन या चार बच्चों के समूह में बँट जाइए। इन चीज़ों को इकट्ठा कीजिए—
प्लास्टिक गिलास, कुछ दाने—मूँग, गेहूँ, धान, सरसों या चना।



एक ही तरह के (5–6) बीजों को एक कटोरी पानी में डालकर रात भर के लिए छोड़ दीजिए। दूसरे दिन प्लास्टिक के चौड़े मुँहवाले गिलास लीजिए। इसमें मिट्टी भरकर बीजों को डालिए और ऊपर से कुछ मिट्टी डाल दीजिए। फिर उस पर जल का छिड़काव कीजिए।

ध्यान रखिए कि मिट्टी गीली रहे। इसे पाँच छह दिनों तक रोज देखिए कि बीजों से क्या-क्या निकलता हुआ दिखाई दे रहा है? आप अपनी कॉपी पर इसके चित्र बनाइए इसके बारे में लिखिए और बताइए—

10. जड़ किस तरफ उगी और तना किस तरफ उगा? लिखिए।

11. अंतिम दिन इन पौधों को मिट्टी से अलग करने की कोशिश कीजिए। क्या अलग करने में कठिनाई हुई? जरा सोचिए ऐसा क्यों हुआ?

12. इनके जड़ों का जाल कैसा है, इसके चित्र बनाइए।

आपके घर या विद्यालय के बाग-बगीचे में अक्सर जंगली व घास के पौधे उग आते होंगे, जिनकी हमें निकौनी करनी पड़ती है। ऐसे किसी जंगली पौधे व घास के आस-पास की मिट्टी को गीला करके इन्हें उखाड़िए और बताइए—

13. क्या पौधा पूरे जड़ के साथ उखड़ गया या जड़ का कुछ हिस्सा जमीन में ही रह गया?

14. गीली मिट्टी से घास आसानी से उखड़ गया या कुछ जोर लगाना पड़ा?

15. क्या आपको घास की जड़ें निकालने के लिए खुरपी की आवश्यकता हुई?

16. जंगली पौधे को उखाड़ने में आपको कितना जोर लगाना पड़ा? क्यों।

17. आप मूली और गाजर की जड़ों को प्रायः उखाड़ते हैं? मूली की जड़ों को खींचकर उखाड़ने के दौरान भी आपको ऐसी ही कठनाई होती है क्या?



मूली का पौधा



घास

18. घास और मूली की जड़ों के चित्र देखिए। इनमें क्या अंतर है?
-
-
19. घास और मूली के पौधों को जमीन से उखाड़ने पर कौन आसानी से उखड़ेगा और क्यों?
-
-
20. पीपल, नीम, बरगद आदि के पुराने पेड़ आँधी के बावजूद आसानी से क्यों नहीं उखड़ते हैं?
-
-

क्या आप जानते हैं?

ऑस्ट्रेलिया में 'रेगिस्तानी ओक' नामक एक पेड़ पाया जाता है। इस पेड़ की ऊँचाई आपके कमरे की दीवार के लगभग होती है और पत्तियाँ बहुत ही कम। यह पेड़ ऊपर जितना दिखाई देता है, इससे तीस गुना इसकी जड़ें जमीन में गहराई तक जाती हैं। इसकी जड़ें जब तक पानी तक नहीं पहुँचती, तब तक बढ़ती रहती हैं। पानी जड़ से होकर पेड़ के तने में जमा होता है। जब कभी इस इलाके में पानी नहीं होता तो यहाँ के लोग इसके तने के अन्दर पाइप डालकर पानी निकाल लेते हैं।

आपने देखा कि बहुत सी जड़ें जमीन में गहराई तक बढ़ती चली जाती हैं, जिससे पेड़-पौधे सीधे खड़े रहते हैं और अपना पानी ग्रहण करते हैं।

क्या आप जानते हैं कि बहुत सी जड़ें खायी भी जाती हैं।

21. अपने शिक्षक के साथ चर्चा करके खायी जानेवाली जड़ों की सूची बनाइए।
-
-
-
-

अरे जड़ें ऐसी भी!



22. चित्र में बच्चे क्या कर रहे हैं?

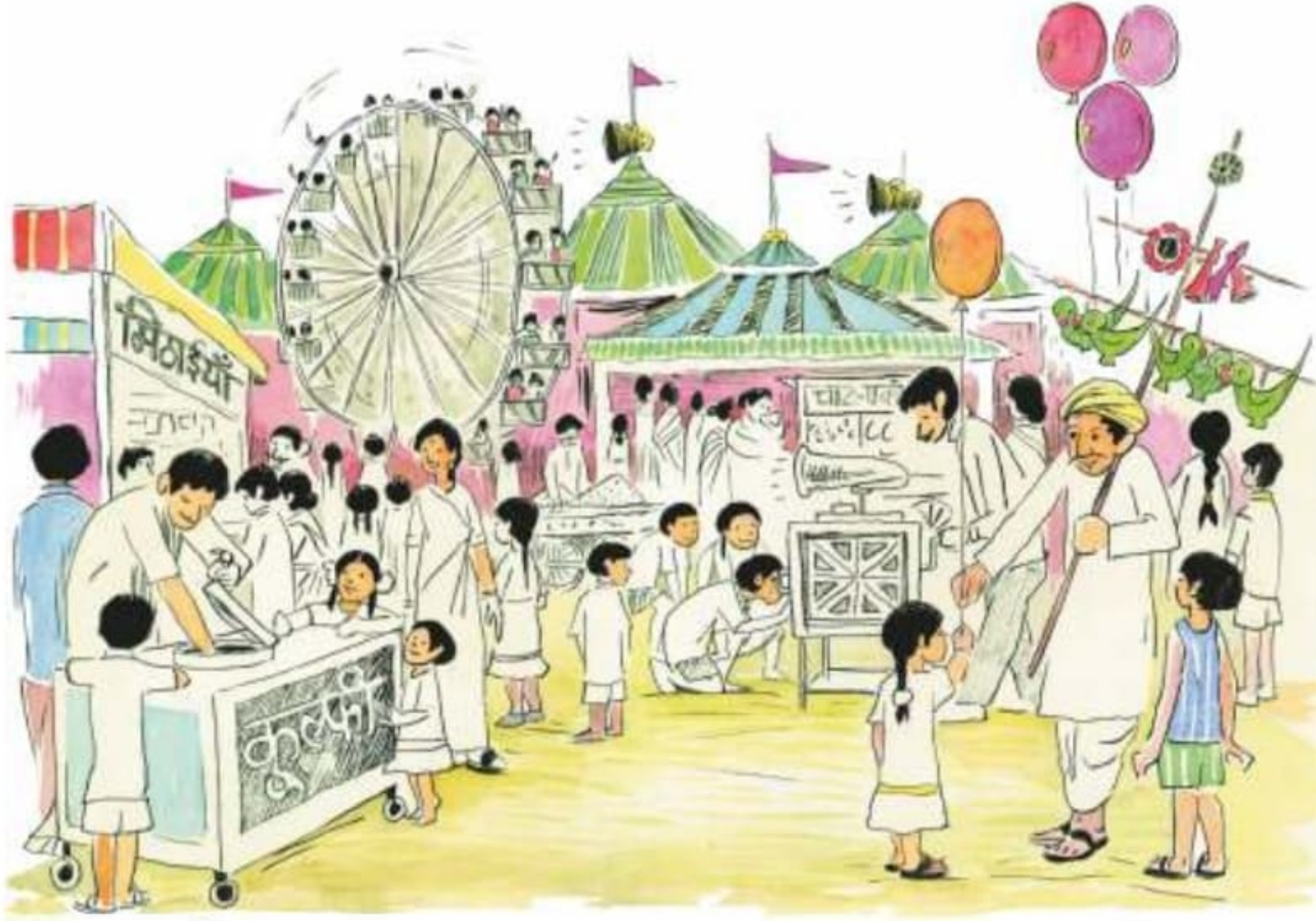
23. यह पेड़ कौन-सा है ?

24. क्या आप कभी ऐसा झूला झूले हैं?

25. अपने शिक्षक से पता कीजिए कि ये लटकने पेड़ का कौन-सा भाग हैं?

मिट्टी के भीतर हैं जकड़िं,
पादप की आधार जड़ें,
पानी हरदम चूसा करतीं,
पौधों की है जान, जड़ें,
गाजर, मूली, शलजम में,
भोजन का भंडार जड़ें,
रोज़ किया करती पेड़ों में,
जीवन का संचार जड़ें,
मिट्टी के भीतर है जकड़िं,
पौधों की है जान, जड़ें।

पाठ 8 देख तमाशा



चलो—चलो जी हम सब मिलकर
देखने जाएँ मेला
भीड़ बहुत है जहाँ भी देखो
है लोगों का रेला।
तरह—तरह के स्वादवाले
पकवानों के ढेर लगे
लार टपकने लगती है जी
भरे पेट भी भूख जगे।
झूला झूलो दस रुपए में
पाँच रुपए में गुब्बारे
पैसे देकर करतब देखो
जोकर लगते प्यारे।

1. क्या आप कभी मेले में गये हैं? वहाँ आपने क्या-क्या किया?

2. आपको सबसे अच्छा मेला कौन सा लगता है? और क्यों?

आज बच्चों के बीच काफी चहल-पहल है। मध्याह्न भोजन के बाद विद्यालय में एक फिल्म 'तारे जमीं पर' दिखाई गई। सभी बच्चों ने फिल्म का आनंद उठाया। आपने भी फिल्में देखी होंगी।

3. आपको किस तरह की फिल्में अच्छी लगती हैं? अपनी कुछ मनपसंद फिल्मों के नाम लिखिए।

हम कई तरह से अपना मन बहलाते हैं। कभी मेला देखने जाते हैं तो कभी फिल्म देखते हैं। इसी तरह कुछ लोग पतंग उड़ाकर भी अपना मन बहलाते हैं।

4. आप अपनी पसंद की पतंग का चित्र बनाइए। उसमें रंग भी भरिए।

5. पतंग उड़ाने के लिए किन-किन चीज़ों की ज़रूरत होती है?

6. पतंग पूरे भारत में विभिन्न अवसरों पर उड़ाई जाती है। आप कब-कब पतंग उड़ाते हैं?

7. भारत के अलग-अलग राज्यों में किन-किन अवसरों पर पतंग उड़ाई जाती है? पता लगाइए।

क्र.सं.	राज्यों के नाम	अवसर
1.	राजस्थान	मकर-संक्रान्ति
2.	बिहार	
3.	दिल्ली	

8. हम कई तरह से अपना मनोरंजन करते हैं। कभी हम दोस्तों के साथ खेल खेलते हैं तो कभी बड़ों के साथ कहीं बाहर जाते हैं। आप अपने मनोरंजन के लिए क्या-क्या करते हैं?
दोस्तों के साथ _____

बड़ों के साथ _____

9. खेल-तमाशे और मनोरंजन के विभिन्न साधनों से हमें क्या फायदे होते हैं?

परियोजना कार्य

रंगीन कागज़ और कमाची की सहायता से आप भी अपनी पतंग बनाकर उड़ाइए।

आपस में चर्चा कीजिए :

1. कुन्दन की माँ का बचपन कहाँ बीता होगा?

2. आपकी माँ बचपन में किन-किन लोगों के साथ रहती होगी?

3. आपकी माँ, आपके पिताजी के संग रहने के लिए किस प्रकार आई होगी?

सोचिए और लिखिए

4. कुन्दन के मामाजी गाँव में न रहकर बनारस में रहते हैं। क्यों?

5. आपके परिवार के कौन-कौन से सदस्य पहले आपके साथ रहते थे, जो आज नहीं रहते हैं? अब वे कहाँ रहते हैं और इसके क्या कारण हो सकते हैं?

क्र.सं.	सदस्य का नाम	अब कहाँ रहते हैं	कारण
1			
2			
3			
4			

पिताजी मामाजी से बातें करने लगे। मामाजी ने बताया—“अंजली दीदी की ननद मेघना के बी.ए. पास करते ही बड़े धूमधाम से शादी हो गई। लड़के वाले मुंगेर के रहने वाले हैं। दूल्हा—दुल्हन की जोड़ी बहुत सुन्दर लग रही थी। सभी लोग प्रसन्न थे। आप लोग नहीं आए। आप लोगों की कमी खल रही थी। सभी लोग आपको याद कर रहे थे।” माँ ने कहा— “ बच्चों की परीक्षाएँ चल रही थीं इस लिए नहीं आ पाई ”।

बताइए.....

6. शादी के बाद मेघना कहाँ रहेगी?

7. मेघना को वहाँ किन—किन रिश्तों से जाना जाएगा?

8. आप अपने परिवार के निम्न सदस्यों से पूछकर पता लगाइए कि वे अपनी शादी के पहले कहाँ और किनके साथ रहते थे?

क्र.सं.	रिश्तेदारों का नाम	शादी से पहले का निवास	किनके संग
1	माँ		
2	बुआ		
3	चाचा		
4	चाची		
5	पिताजी		

पाठ 9

जब मामाजी घर आए



आज रक्षाबंधन है। कुंदन और वंदना ने नये कपड़े पहने हैं। बनारस से उसके मामा आनेवाले हैं। माँ, उनको राखी बाँधेगी।

मामाजी आए। सभी बच्चे मामाजी को घेरकर बैठ गए। माँ, बहुत खुश थीं, बोलीं— “माँ और पिताजी कैसे हैं”?

मामाजी बोले—“माँ—पिताजी अभी बनारस में हैं और अच्छे हैं। फसल कटने के समय गाँव गए थे।”

तभी कुंदन बोल पड़ा—“पिछले वर्ष की गर्मी की छुट्टियों में जब मैं गाँव गया था तो बगीचे में बहुत सारे आम थे।”

मामाजी ने बताया—“इस बार आम नहीं के बराबर लगे थे। कुछ पेड़ आँधी में गिर भी गये”।

शिक्षक की सहायता से पता लगाइए

9. शादी के समय मेघना और उसके दूल्हे की उम्र कितनी रही होगी?
मेघना _____ वर्ष दुल्हा _____ वर्ष
10. जब आपके माता पिता की शादी हुई होगी तब उनकी उम्र कितनी रही होगी?
माँ _____ वर्ष पिता _____ वर्ष
11. आपकी दादी और नानी की शादी किस उम्र में हुई होगी?
दादी _____ वर्ष नानी _____ वर्ष
12. कानूनन लड़का और लड़की की शादी की उम्र कितनी है?
लड़का _____ वर्ष लड़की _____ वर्ष

मामाजी और पिताजी बात कर रहे थे तभी दादाजी आ गए । मामाजी ने उनका अभिवादन किया ।

आशीर्वाद देते हुए दादाजी ने पूछा—बताइए, नौकरी कैसी चल रही है?

मामाजी ने बताया—मेरी बदली हैदराबाद हो गई है ।

दादाजी आश्चर्य से बोल पड़े—इतनी दूर जाओगे ।

मामाजी बोले—जाना तो होगा ही, ऊँचे पद पर जाने का मामला है ।

मामाजी ने फिर बताया कि वे पहले नये शहर अकेले ही जाएँगे । मामी और नेहा बाद में जाएगी । नाना—नानीजी अपने गाँव से बहुत दूर नहीं जाना चाहते हैं । इसलिए वे गाँव में ही रहेंगे । नेहा थोड़ी उदास है, क्योंकि उसके सारे दोस्त बनारस में रह जाएँगे ।

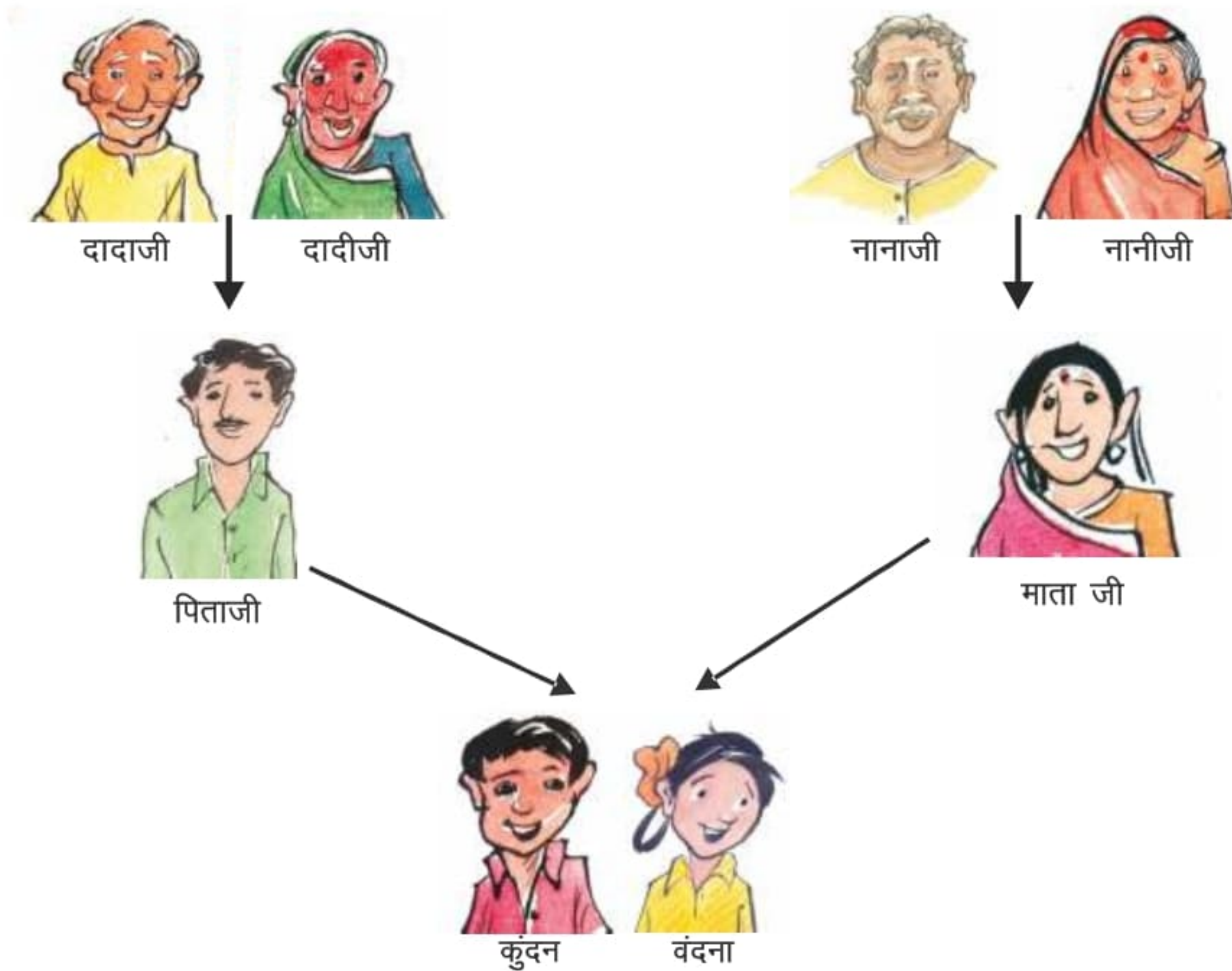
जरा सोचिए और बताइए ।

13. नेहा के घर में अब कौन—कौन लोग रह जाएँगे?

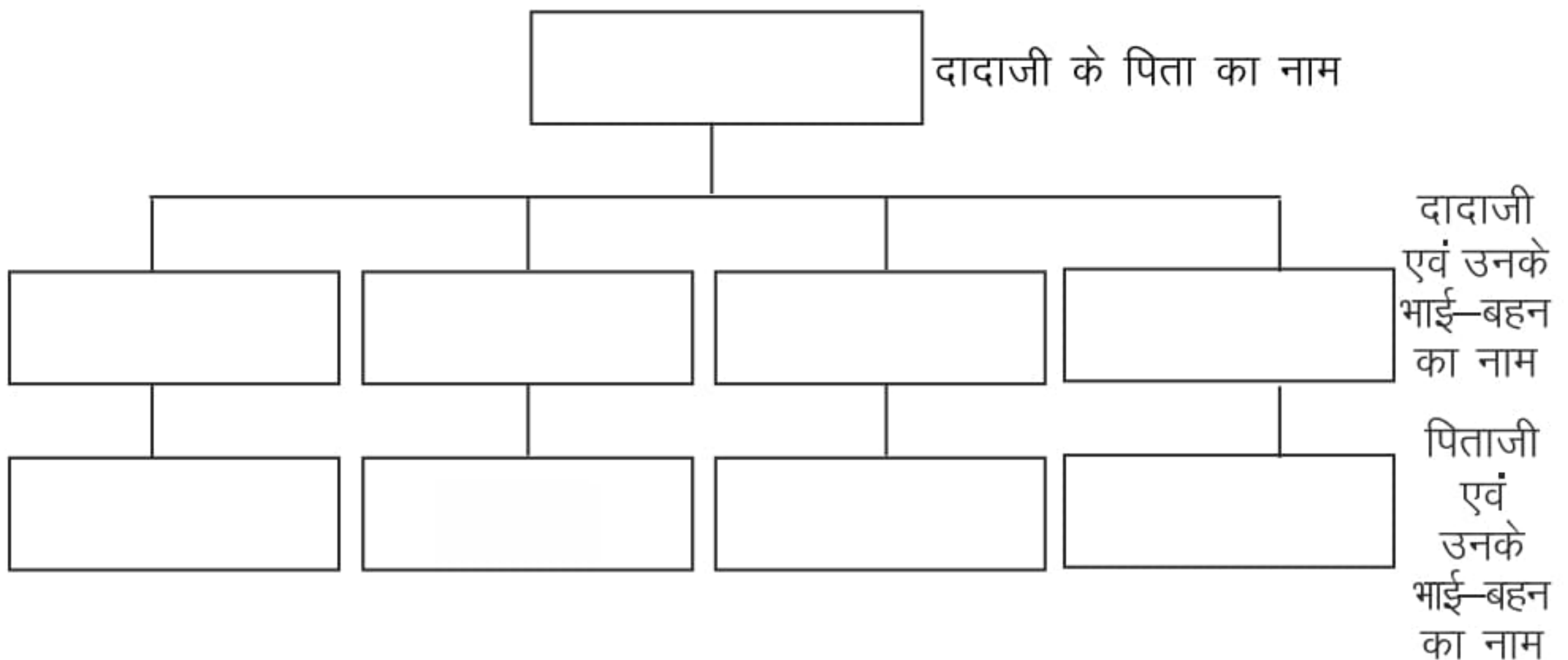
14. क्या नेहा के दोस्त बदल जाएँगे?

15. क्या नेहा का स्कूल भी बदल जाएगा?

16. आपके परिवार के सभी सदस्य बाहर जानेवाले सदस्यों के साथ रहने के लिए नहीं जाते हैं ।
इसके क्या—क्या कारण हो सकते हैं?



17. ऊपर कुंदन और वंदना के दादी एवं नानी के परिवार की छोटी सी वंशावली बनी है। आप भी अपने दादाजी के परिवार की वंशावली बनाइए।



इसी प्रकार आप कॉपी में अपने नानाजी के परिवार की वंशावली बनाइए। इस वंशावली में नानाजी, उनके संतानों और आप अपने भाई-बहनों के नाम को लिखिए।

18. आपके परिवार में कौन-कौन रहते हैं?

19. आपके दादा-दादी और नाना-नानी कहाँ रहते हैं?

20. आप अपने शिक्षक / गाँव के लोगों से पूछकर पता लगाइए कि लोग एक-जगह से दूसरी जगह (स्थान-परिवर्तन) क्यों चले जाते हैं? उन कारणों को लिखिए।

21. अपने पास-पड़ोस और दोस्त के परिवार से बात कीजिए और निम्न तालिका को भरिए

क्र.सं.	प्रश्न	आपका अपना परिवार	दोस्त का परिवार	पास-पड़ोस का एक परिवार
1.	अभी परिवार में कितने लोग हैं?			
2.	परिवार में दस साल पहले कितने लोग थे?			
3.	परिवार में दस सालों में जो बदलाव हुए हैं, उनके क्या कारण हैं?			
4.	इन बदलावों से कैसा लगता है?			

मामाजी सभी के लिए कुछ-न-कुछ उपहार लाए थे। कुंदन के लिए नई पैंट शर्ट और वंदना के लिए फ्रॉक तो माँ के लिए सुन्दर सी साड़ी। माँ ने भी नेहा के लिए पड़ुकियो और ठेकुआ दिया। मामाजी ने बड़ों को प्रणाम किया और लौट गए।

पाठ 10

छठ पर्व और बच्चे



1. ऊपर बने चित्र में कौन सा पर्व मनाया जा रहा है?

2. छठ पर्व कब मनाया जाता है एवं इसमें किनकी पूजा की जाती है?

3. आपके घर में यह पर्व कैसे मनाते हैं?

4. इस अवसर पर क्या बाहर में रहनेवाले परिवार के लोग भी आते हैं?

कक्षा के सभी बच्चे आपस में बातचीत कर रहे थे। शिवांगी बोली—“माँ के आग्रह पर इस बार मेरी बुआ छठ करने हमारे यहाँ आई है। माँ इस बार छठ नहीं की। दादी बीमार है। माँ को दादी की देखभाल करनी पड़ती है।”

तभी रमेश ने कहा—“क्या तुम अपनी माँ की मदद नहीं करती हो? मैं तो अपने माँ की कही हर बात मानता हूँ और उनके काम में मदद भी करता हूँ।”

शिवांगी बोली—“मैं भी माँ से पूछकर दादी को दवाई और पानी देती हूँ। उनके निकट बैठती हूँ और बातचीत कर उनका मन बहलाती हूँ।”

5. आप अपने से बड़ों की मदद कैसे करते हैं?

यह बातचीत विकास बड़े आनंद से सुन रहा था। “पर्व—त्योहार और अन्य उत्सव हमें उत्साहित तो करते ही है; साथ—ही—साथ बहुत कुछ सिखाते भी हैं”—विकास बोला।

सुषमा कहाँ चुप रहने वाली थी—“अरे! मैंने तो अपनी माँ को ठेकुआ बनाने में मदद की और इससे मुझे ठेकुआ बनाना आ गया है”।

विकास बोला—“हाँ, हाँ। मैं भी पापा के साथ बाजार गया और वहाँ हम ने सामानों की खरीददारी की”।

6. आप अपने परिवार के सदस्यों से कुछ—न—कुछ जरूर सीखते होंगे। आपने कौन—कौन सा कार्य किनसे सीखा है? उसकी एक सूची बनाइए।

क्र.सं.	कार्य जो बड़ों के साथ करने हैं या जिनमें बड़ों की मदद करते हैं	किन से सीखा
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

शिवांगी और रमेश की यह बातचीत कार्तिक चुपचाप सुन रहा था। शिवांगी बोली—“कार्तिक! तुम्हारे घर छठ में कौन-कौन आए?”

कार्तिक बोला—“यही तो एक पर्व ऐसा है जिसमें मेरे परिवार के सभी सदस्य चाचा-चाची, बुआ-फूफा एवं उनके बच्चे आते हैं। इस बार भी वे सभी लोग आए थे और हम सबलोगों ने खूब मजा किया। उनके चले जाने के कारण ही तो मन नहीं लग रहा है। मैं सोच रहा हूँ कि अब ऐसा कौन-सा उत्सव आएगा, जब हम सभी फिर से इकट्ठे होंगे”।

7. आपके यहाँ भी ऐसे अवसर आते होंगे, जब परिवार के सभी सदस्य एकत्रित होते होंगे। वैसे अवसरों का नाम लिखिए और इस तालिका को पूरा कीजिए।

पर्व-त्योहार	अन्य उत्सव
दुर्गा पूजा	विवाह

कार्तिक यह जानने के लिए बेचैन हो रहा था—“आखिर परिवार के सदस्य बाहर जाते ही क्यों हैं?”

रमेश बोला—“रुपया-पैसा कमाने के लिए और किसलिए? रुपये ही से घर बनता है, कमीज-पैट आती है, इलाज होता है, भोजन मिलता है”।

शिवांगी जोर से हँसी और बोली—“भला, रुपया भी कोई खाता है”।

8. आपके परिवार में भी रुपये की आवश्यकता पड़ती होगी? यह रुपये आपके परिवार के लोग किस प्रकार कमाते हैं। पाँच से दस वाक्यों में लिखिए।

9. आपके परिवार में विभिन्न प्रकार के कार्य होते होंगे। कुछ कार्यों से आमदनी होती होगी और कुछ कार्यों से आमदनी नहीं होती होगी। आप अपने, अपने दोस्त और आस-पड़ोस के परिवार से बात कीजिए। पता लगाइए की किस कार्य से आमदनी होती है तथा किस कार्य से नहीं ? विभिन्न परिवारों में उसकार्य को करने का निर्णय कौन लेते हैं?

कार्य की सूची	आमदनी	निर्णय करनेवाले		
		अपना परिवार	दोस्त का परिवार	पड़ोस का परिवार
खेती/फसल लगाना	हाँ	दादाजी	पिताजी	भैयाजी
खाना बनाना	नहीं	माँ	माँ	दीदी
धान बेचना				
बच्चों को स्कूल भेजना				
मेला देखने जाना				
पशु खरीदना				
कपड़े खरीदना				
दाल-सब्जी खरीदना				

इस कार्य को करने में रशीद को बड़ा मजा आया। रशीद ने अपने दोस्तों को बताया कि मेरे पड़ोस के एक परिवार में सभी निर्णय एक व्यक्ति, जो घर के मुखिया हैं, वहीं लेते हैं। गाँव में खाद-बीज कीटनाशक की दुकान नहीं है। उस परिवार का एक सदस्य वशु अलग से आमदनी के लिए बैंक से कर्ज लेकर दुकान खोलना चाहते थे। सभी लोगों के मान जाने के बावजूद घर के मुखिया ने किसी की एक न सुनी। उन्होंने दुकान खोलने से मना कर दिया।

10. बताइए :

- (i) आप वशु की जगह होते तो क्या करते?

- (ii) क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि आप कुछ करना चाहते हैं, पर घर के बड़ों ने मना कर दिया हो?

(iii) आपके घर में जरूरी फैसले कौन लेता है? इस बारे में आप क्या सोचते हैं?

(iv) अगर आपके परिवार या रिश्तेदारी में हमेशा एक ही व्यक्ति अपनी बात मनवाता रहे, तो आपको कैसा लगेगा?

शिवांगी ने कहा – “मेरी दीदी पढ़ने के लिए भुवनेश्वर जाना चाहती थी। पिताजी ने कहा ऐसा नहीं हो सकता। वहाँ उसे हॉस्टल में रहना होगा। उसे वहाँ कोई देखनेवाला नहीं रहेगा। पिताजी ने दीदी से कहा पढ़ना है तो यहीं पढ़ो या पढ़ना बन्द करा। दीदी रुआंसी हो गयी। माँ ने समझाते हुए कहा लड़कियाँ अंतरिक्ष की सैर कर रही हैं और आप इसे भुवनेश्वर नहीं जाने देना चाहते हैं। चाचा ने भी कहा लड़कियाँ पढ़ेगी तभी तो आगे बढ़ेंगी। पिता जी को भी लगा ये लोग ठीक ही कह रहे हैं। अंत में सब लोगों ने तय किया कि दीदी भुवनेश्वर पढ़ने जाएगी।”

पाठ 11
आओ बनाएँ नक्शा

एक दिन प्रशान्त के पिताजी ने उसे चिट्ठी डालने डाकघर भेजा। नीचे इस रास्ते का एक नज़री नक्शा दिया गया है। इस नक्शे में रास्ते में आ रही अलग-अलग चीज़ों और जगहों को किसी-न-किसी संकेत से दर्शाया गया है।



1. दिए गए नज़री नक्शे को देखकर बताइए प्रशान्त को अपने घर से डाकघर जाने के रास्ते में क्या-क्या मिलेगा?

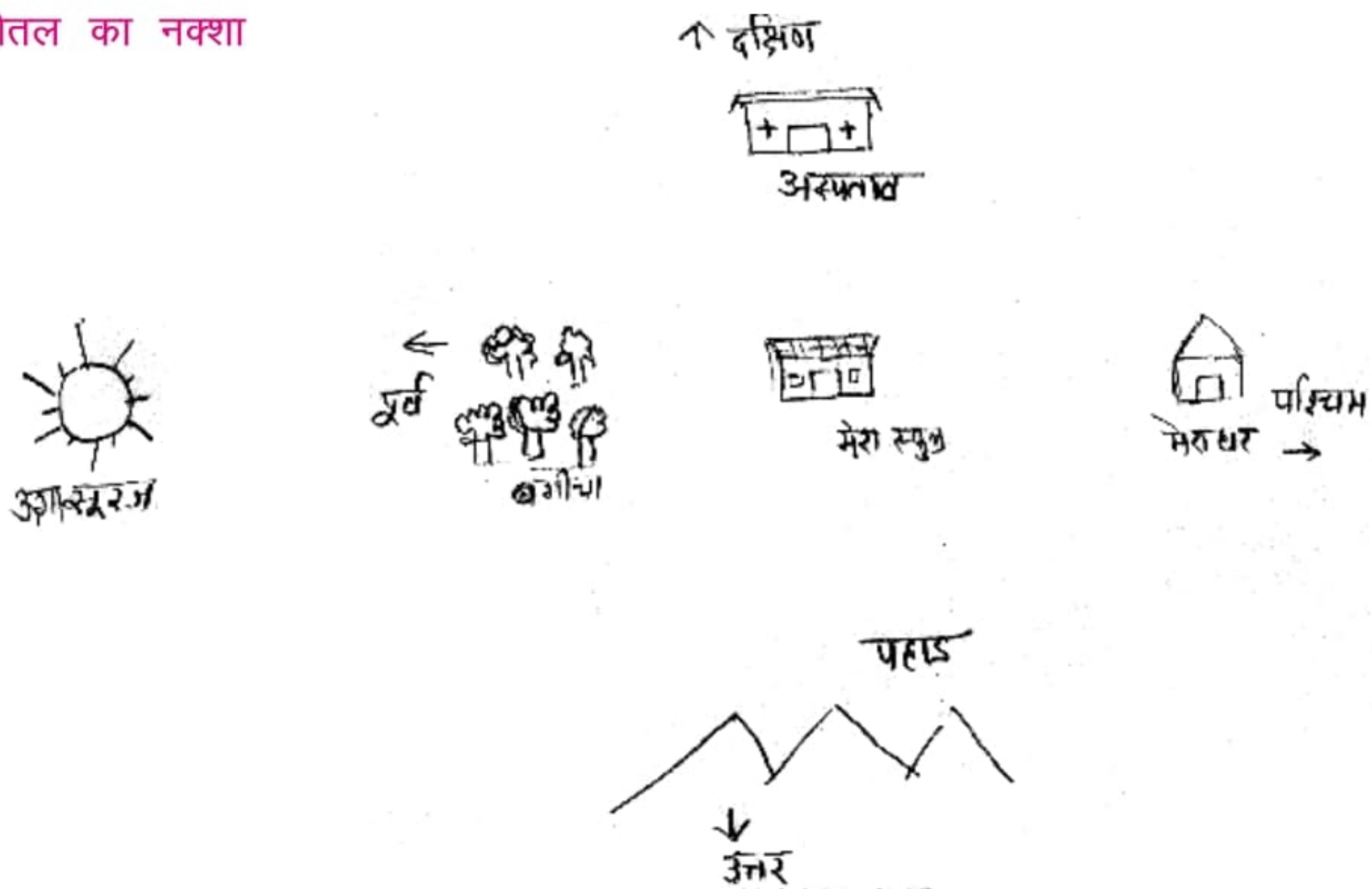
2. जब आप अपने घर से पाठशाला जाते हैं तो आपको भी रास्ते में पेड़, कुआँ, मन्दिर आदि मिलते होंगे। अपने घर से पाठशाला पहुँचने तक के रास्ते का नज़री नक्शा बनाइए। रास्ते में आ रही चीज़ों और जगहों को संकेतों से दर्शाइए। आप अपने मनचाहे संकेत बना सकते हैं, पर उन्हें नीचे बनाना मत भूलिएगा।

संकेत क्या बनाएँ?

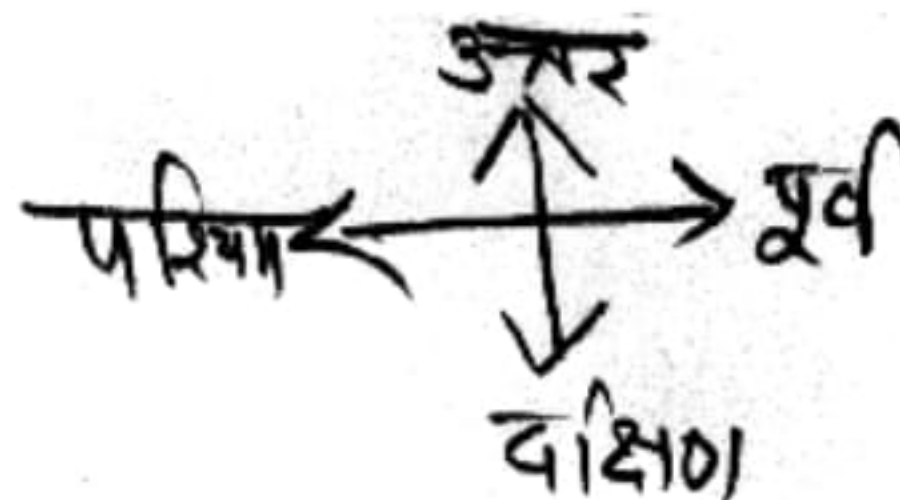
प्रशांत की बहन शीतल ने दिशाओं को पहचानना सीख लिया है। वह उगते सूरज को आधार बनाकर यह बता सकती है कि उसका घर, स्कूल या कोई और जगह, किस दिशा में है।

एक दिन उसने अपने स्कूल के आस-पास के स्थानों को उनकी दिशा के अनुसार कागज़ पर बनाया।

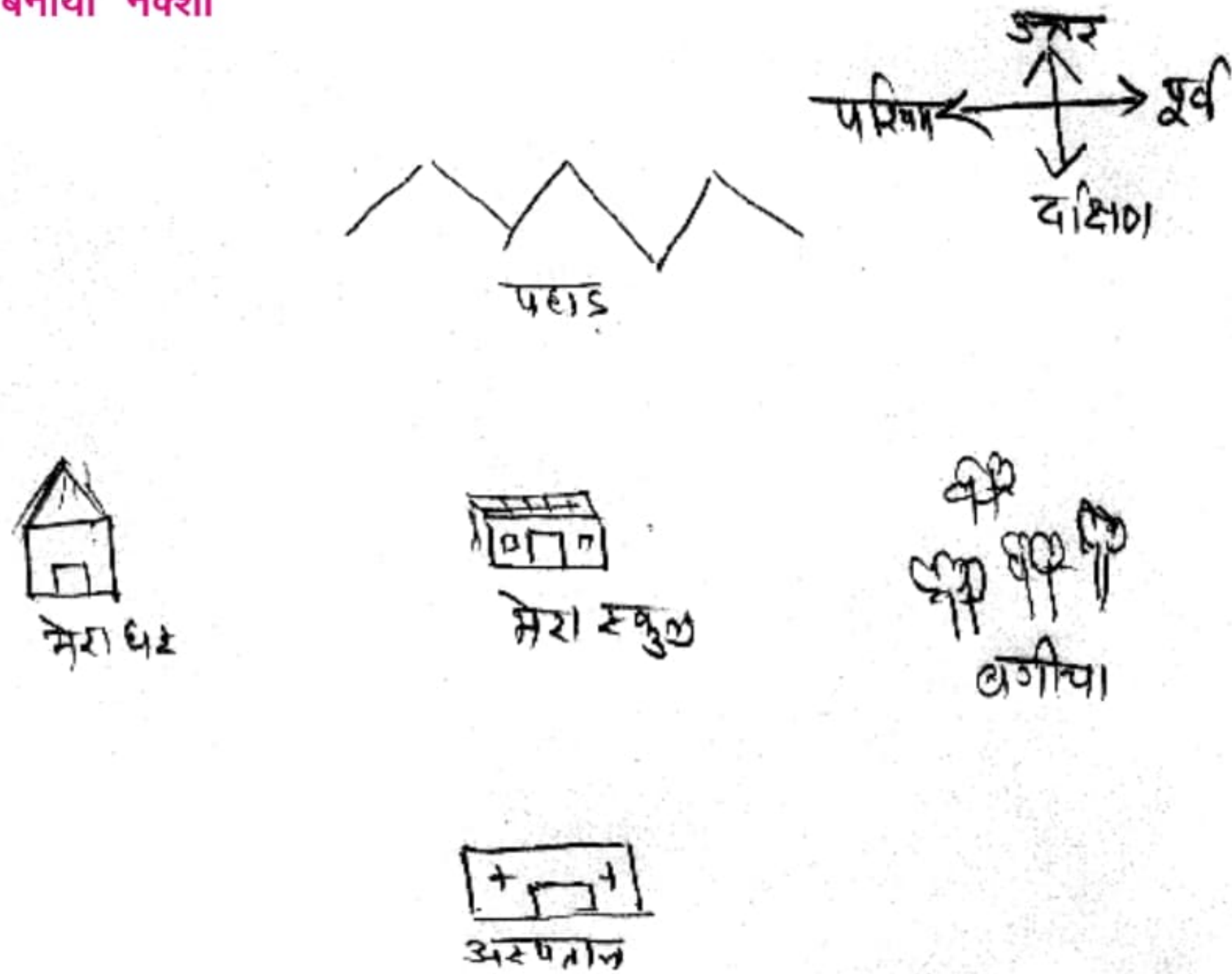
शीतल का नक्शा



प्रशांत ने जब शीतल का बनाया हुआ नक्शा देखा तो बोला—नक्शा तो तुम्हारा बिल्कुल सही है। लेकिन कागज़ पर जब नक्शा बनाते हैं तो उत्तर दिशा हमेशा ऊपर की ओर रखते हैं। मतलब किसी स्थान से उत्तर की ओर के स्थानों को ऊपर की ओर बनाया जाएगा। दक्षिण की ओर के स्थानों को नीचे की ओर। इसी प्रकार कागज़ की दाईं ओर पूर्व के स्थानों को और बाईं ओर पश्चिम के स्थानों को बनाया जाता है। इस बात को समझाने के लिए मैं अपने नक्शे पर यह चिह्न बनाता हूँ—



प्रशांत का बनाया नक्शा



3. शीतल के नक्शे और उसके भाई के नक्शे में क्या फर्क है? दोनों चित्रों को देखकर समझाइए।

4. आपके स्कूल के आस-पास के स्थानों का नक्शा इस प्रकार से बनेगा।

आज़ाद ने नक्शा बनाया

आपने कक्षा तीन में दिशा पहचानना सीख लिया था। इस कक्षा में आपने यह सीख लिया कि नक्शों में दिशाएँ कैसे दर्शायी जाती है और संकेत सूची किस प्रकार बनाई जाती है।



यह नक्शा आज़ाद ने बनाया है। यह उसकी पाठशाला के आस-पास का नक्शा है। नक्शे में खेत, घेरा आदि दर्शाए गए हैं। उसने नक्शे की संकेत सूची भी साथ बनाई है।

आज़ाद ने आपकी मदद के लिए दिशा तीर भी बनाए हैं।

नक्शा और संकेत सूची देखकर इन सवालों के उत्तर दीजिए—

5. (i) हैंडपंप आज़ाद की पाठशाला से किस दिशा में है? _____
- (ii) सड़क आज़ाद की पाठशाला से किस दिशा में है? (दोनों सड़कों के बारे में बताइए)

- (iii) रेल लाइन आज़ाद की पाठशाला से किस दिशा में है? _____
- (iv) नदी पाठशाला से किस दिशा में है? _____
- (iv) सड़क के पूर्व दिशा में क्या है? _____

6- अब आप बनाइए—

(जो भी बनाते हैं यदि उसके संकेत सूची में नहीं हों तो उन्हें सूची में तुरंत जोड़िए)

- (i) आज़ाद की पाठशाला के दक्षिण में एक पेड़ बनाइए ।
- (ii) पाठशाला के उत्तर में संतू का घर बनाइए ।
- (iii) सड़क के पश्चिम और रेलवे लाइन के दक्षिण में एक कुआँ बनाइए ।
- (iv) मंदिर और सड़क के पूर्व में एक घर बनाइए ।
- (v) घरे में एक और पेड़ बनाइए ।

7- अब बताइए—

- (i) रेलवे लाइन के दक्षिण में क्या—क्या है? _____
- (ii) खेतों के पश्चिम में क्या—क्या है? _____
- (iii) पाठशाला के पूर्व में क्या—क्या है? _____
- (iv) नदी आज़ाद की पाठशाला के दक्षिण में है । पर पाठशाला नदी की किस दिशा में है?

8. आप भी अपने स्कूल का नक्शा बनाइए । याद रखना, उत्तर की ओर मुँह करके बैठना, और

- (क) जो—जो सामने हो यानी उत्तर में, उसे ऊपर बनाना ।
- (ख) जो पीछे हो यानी _____ में, उसे नीचे की तरफ बनाना ।
- (ग) जो दाएँ हाथ की ओर हो यानी _____ में, उसे _____ ओर बनाना ।
- (घ) जो बाएँ हाथ पर हो यानी _____ में, उसे _____ ओर बनाना ।

पाठ 12

अपना प्यारा घर

नन्ही गौरैया को अंडे देने हैं। वह चाहती थी कि एक बढ़िया घोंसला बनायें। जहाँ वह सुकून से अंडे दे सके और अपने बच्चे की सुरक्षित देख-भाल कर सके। घोंसला बनाने के पहले उसने अन्य पक्षियों के घोंसलों को देखना ज़रूरी समझा। सबसे पहले वह गुट्कू कबूतर से मिली।



“गुट्कू दादा! एक बढ़िया घोंसला बनाने के लिए मुझे तुम्हारी सलाह चाहिए।”



“घोंसले को बढ़िया बनाने में मेहनत करना तो बेकार ही है क्योंकि ज़्यादा से ज़्यादा महीनेभर के लिए ही घोंसले की ज़रूरत रहती है। मेरी तरह कहीं भी चार तिनके जमाओ और काम चलाओ।”

“यह भी कोई बात हुई?” नन्ही ने सोचा और बिना कुछ कहे वहाँ से चली गई। रास्ते में मिट्ठू मामा से मुलाकात हुई।

“मिट्ठू मामा मुझे एक शानदार घर बनाना है। मेरी कुछ मदद करोगे?”

“बनाती क्यों हो? मेरी तरह कोई कोटर देख लो न?”

नन्ही ने कोटर में झाँककर देखा “बाप रे, यह घर है या अँधेरा कुआँ?”

इसके बाद नन्ही बया से मिली। बया बोली, “मेरा घोंसला बेशक शानदार है, लेकिन यह तो तुम्हारे लिए बड़ा मुश्किल होगा नन्ही।”

“वैसे भी इसमें खिड़कियाँ तो हैं ही नहीं” नन्ही ने मन-ही-मन में सोचा और दर्ज़िन के पास पहुँची।



दर्जिन उस समय घास के मज़बूत रेशों से पत्तों को सिलकर घोंसला बना रही थी। सूई का काम अपनी नुकीली चोंच से ले रही थी।

दर्जिन गर्व से नन्ही की ओर देखती हुई बोली, “तुम्हारे लिए मेरे जैसा घोंसला बनाना तो संभव ही नहीं है क्योंकि तुम्हारे पास मेरी जैसी चोंच नहीं है। तुम बुलबुल पंडुकी और कालू कौए का घोंसला देख लो। उन्हें आसानी से बनया जा सकता है।



बुलबुल का घोंसला देखकर नन्ही बोली, “यह तो कोई खास नहीं है।”



और कौए का घोंसला देखकर, “इतना बड़ा घोंसला? और ऐसा कँटीला और कठोर? मेरे नाजुक बच्चे भला ऐसे घर में कैसे रहेंगे?”

“लेकिन अब वह समय आ गया है जब मुझे घोंसला जल्दी बना लेना चाहिए।”

क्या करूँ? कैसा घोंसला बनाऊँ? नन्ही सोच रही थी।

तभी तारों पर बैठा एक नीलकण्ठ बोला, “तुम तो अपने तरीके से ही अपना घर बनाओ। वही सबसे अच्छा घर होगा।”

नन्ही ने वैसा ही किया और अपने घोंसले में चार अण्डे दिए। अण्डों को सेने के लिए बैठी नन्ही को लगा कि वह घोंसला ही उसका सबसे प्यारा और अनोखा घर है।

बताइए :-

1. क्या सभी पक्षियों के घोंसले एक जैसे हैं? _____
2. कहानी में किन-किन पक्षियों के घोंसलों के बारे में बात की गई है? आपको सबसे अच्छा घोंसला कौन सा लगा और क्यों?

3. सभी पक्षी अपने लिए अलग-अलग प्रकार से रहने और अंडे देने के स्थानों का चयन करते हैं। अपने मित्रों के साथ पक्षियों के रहने की जगह एवं उसे बनानेवाली सामग्री का पता लगाइए।

क्र.सं.	पक्षी का नाम	घोंसला कहाँ बना हुआ है	बनाने में लगी सामग्री का नाम
1.	कौआ		
2.	कबूतर		
3.	तोता		
4.	दर्जिन चिड़िया		
5.	उल्लू		
6.	गोरैया		
7.	कठफोड़वा		
8.	नीलकंठ		
9.	बया		

4. जो पक्षी आपके गाँव में रहते हैं उनके घोंसले को ढूँढ़ने की कोशिश कीजिए। उसे बिना छुए और नुकसान पहुँचाए प्रतिदिन देखिए। किसी एक घोंसले के बारे में बताइए—

(क) घोंसला किस पक्षी का है? _____

(ख) घोंसला किन-किन चीज़ों से बना है?

(ग) उसमें अंडे हैं या नहीं? हैं तो कितने हैं? _____

(घ) अंडों का रंग कौन सा है? _____

(च) अंडों से बच्चे कितने दिन बाद निकले? _____

(छ) बच्चे कैसी आवाज़ें निकालते हैं? _____

(ज) उनके पंख कितने दिन में निकले? _____

(झ) उन्होंने उड़ना कैसे सीखा?

(ट) चिड़िया अपने बच्चों को क्या-क्या खिलाती है, और कैसे खिलाती है?

5. हमारे आस-पास के जीव जन्तु विभिन्न जगहों पर रहते हैं। कुछ जीव जमीन पर तो कुछ पानी में या कुछ दोनों जगहों पर। जबकि कुछ जीव पेड़ों पर अपना निवास बनाते हैं। आप अपने आस-पास रहनेवाले जीवों की सूची इस तालिका के आधार पर बनाइए—

जमीन पर रहनेवाले	पेड़ों पर रहनेवाले	पानी में रहनेवाले	जमीन और पानी दोनों में रहनेवाले

जिस तरह विभिन्न जीव अलग-अलग जगह पर रहते हैं, उसी तरह उनके आवास भी अलग-अलग तरह के होते हैं। कुछ गुफाओं में रहते हैं कुछ बिल में। कुछ पक्षी घोंसलों में रहते हैं तो कुछ कोटर में। पता कीजिए, कौन से जीव कैसे आवास में रहते हैं?

जीव	आवास	जीव	आवास
चूहा		उल्लू	
चींटी		गीदड़	
मोर		साँप	
भालू		बंदर	

6. बहुत सारे जीव दिन में बाहर निकलते हैं और रात में अपने आवास में रहते हैं। पर कुछ जीव केवल रात में ही अपने आवास से बाहर निकलते हैं। कौन-कौन से जीव हैं जो रात में बाहर निकलते हैं? ये जीव दिन में कहाँ रहते हैं?

क्र.सं.	रात में दिखनेवाले जीव	दिन में वे कहाँ रहते हैं
1.		
2.		
3.		
4.		

परियोजना कार्य

बच्चो, आप घास-फूस एवं तिनकों की मदद से एक घोंसला बनाइए तथा उसमें रुई के दो-तीन अंडे बनाकर रखिए।

पाठ 13

खेत से घर तक

मेरा नाम बसंती है। मैं सुहावनपुर में रहती हूँ। मेरे पिताजी किसान हैं। हमारे खेत में धान, गेहूँ, दलहन, तिलहन, सब्जियाँ आदि बोयी जाती हैं। जब फसल बोने का समय आता है तो मुझे बड़ा अच्छा लगता है। मुझे भी खेतों में काम करना अच्छा लगता है।



1. आपके गाँव में कौन-कौन सी सब्जियाँ, दाल, फल तथा अनाज उगाए जाते हैं?

क्र.सं.	अनाज	दाल	फल	सब्जियाँ
1.				
2.				
3.				
4.				

पिताजी बताते हैं की फसल अच्छी हो इसके लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। सबसे पहले फसल बोने के लिए खेत की जुताई करनी पड़ती है, फिर बुवाई, निराई-गुड़ाई और हाँ समय-समय पर पानी भी देना ज़रूरी है। कुछ अनाज जाड़े में बोते हैं और गर्मी में काटे जाते हैं और कुछ गर्मी में बोए जाते हैं और सर्दी में काटे जाते हैं।

2. तालिका को भरिए—

क्र.सं.	गर्मी में बोया जानेवाला अनाज	जाड़े में बोया जानेवाला अनाज
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

धान, प्याज, मिर्च आदि बोने के पहले उसका बिचड़ा तैयार किया जाता है। तैयार बिचड़े को उखाड़कर फिर खेत में बराबर—बराबर दूरी पर रोपते हैं। जबकि गेहूँ, मक्का, सरसों आदि के बीज सीधे खेतों में लगा दिये जाते हैं।

3. तालिका में भरिए—

क्र.सं.	बिचड़ों से तैयार होने वाली फसल	बीज से तैयार होने वाली फसल
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		



4. धान की खेती कैसे होती है? क्रम में लिखिए।

कटनी, रोपनी, मैजनी, ओसौनी, निकाई, जुताई, पटवन, धान की बुनाई, बिचड़े तैयार करना।

(i) _____ (ii) _____ (iii) _____

(iv) _____ (v) _____ (vi) _____

(vii) _____ (viii) _____ (ix) _____

रामाधीन एक मेहनती किसान हैं। वह अक्सर अपने खेत पर ही दिखाई देते हैं— चिलचिलाती धूप हो या बरसात की बारिश, जाड़े का दिन हो या गर्मी की उमस। उन्हें खेत की हरियाली से बहुत प्यार है। वह सुबह-सबरे उठ जाते हैं। खेत से सब्जियों को तोड़ते हैं और टोकरियों में भरकर सड़क के किनारे रोजाना साढ़े पाँच बजे आ जाते हैं। टेम्पो पर लादकर सब्जियों को बाज़ार पहुँचाते हैं।

5. रामाधीन सब्जियों को बाज़ार क्यों ले जाते हैं?

रामाधीन के गाँव ही में करीम चाचा हैं, जो रोज़ाना सुबह-सबरे सब्जी मंडी जाते हैं। टेम्पो और ठेले पर लादकर तरह-तरह की सब्जियाँ तथा फल लाते हैं। सड़क किनारे एक दुकान में उसे शाम तक बेचते हैं।

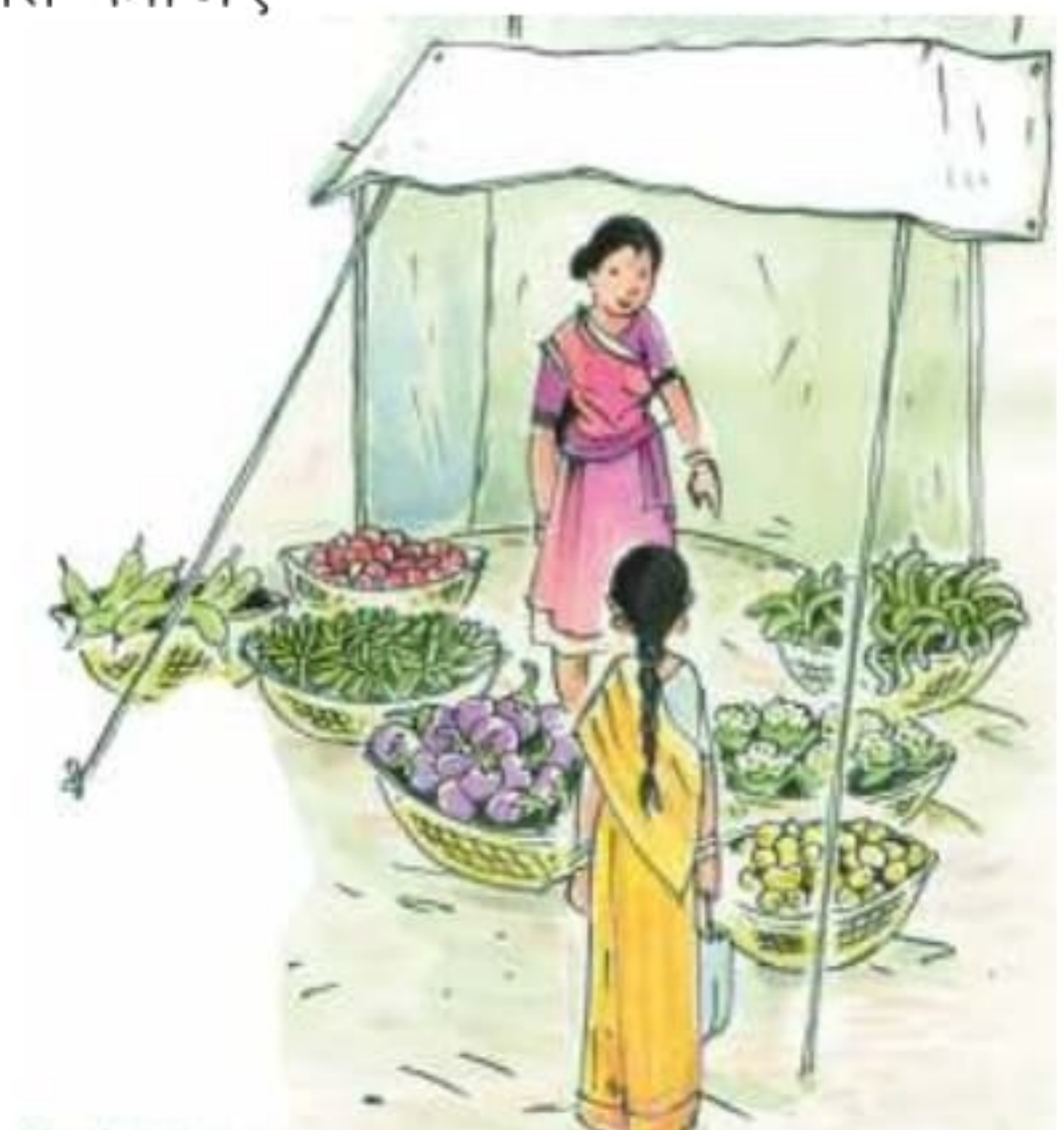
6. रामाधीन का सब्जियों को बाज़ार ले जाना और करीम चाचा का बाज़ार से सब्जियों का लाना दोनों में क्या अंतर है?

7. आप अपने इलाके में सब्जी बेचनेवाले/वाली से बात कीजिए और पता लगाइए—

(i) उनका नाम क्या है?

(ii) उनको सब्जी बेचने में कौन-कौन मदद करते हैं?

(iii) वे सब्जियाँ कहाँ से लाते हैं?



(iv) दिनभर में कितने घंटे सब्जी बेचने का काम करते हैं?

8. उनसे किन्हीं तीन सब्जियों के बारे में निम्नलिखित सवालों को कीजिए और लिखिए—

क्र. सं.	सब्जियों के नाम			
1.	सब्जी के दाम (प्रति किलोग्राम)			
2.	कहाँ से लाए गए			
3.	मंडी से एक बार में कितनी मात्रा में सब्जियाँ लाते हैं?			
4.	किस माह में इस सब्जी को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है?			

9. आपके गाँव में कौन-कौन सी सब्जियाँ उगाई जाती हैं? कौन-कौन सी सब्जियाँ बाहर से लाई जाती हैं?

क्र.सं.	गाँव में उगाई जानेवाली सब्जियाँ	बाहर से आनेवाली सब्जियाँ
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

10. हम खाने के लिए जितनी भी चीजों का उपयोग करते हैं, उसे उपजाने और हम तक पहुँचाने में कौन – कौन लोग सहायता करते हैं।

(i) अनाज के बोने में _____

(ii) बोने से तैयार होने तक _____

(iii) तैयार होने से बाज़ार पहुँचने तक _____

(iii) बाज़ार से आपके घर आने तक _____

11. भोजन बनाने में विभिन्न तरह के मसालों का उपयोग होता है। आपके घर के रसोई घर में कौन-कौन से मसाले हैं? उसकी एक सूची बनाइए।

12. इन मसालों में से कुछ आपके आस-पास उपजते होंगे और कुछ बाहर से लाए जाते होंगे। इनके नाम सारणी में भरिए।

क्र.सं.	आस-पास उपजनेवाले मसाले	बाहर से आनेवाले मसाले
1.		
2.		
3.		

13. शिक्षक की मदद से पता लगाइए कि बाहर से आनेवाले उन मसालों का उत्पादन किन राज्यों में होता है।

क्र.सं.	मसाले का नाम	राज्य का नाम
1.		
2.		
3.		

परियोजना कार्य

आपके घर में उपलब्ध मसालों, दलहन, तिलहन एवं अन्य अनाजों के थोड़े-थोड़े दाने लेकर गोंद की सहायता से चार्ट-पेपर पर अलग-अलग चिपकाइए। इनके नाम व

पाठ 14

बालमेला और खेल

अभ्यास मध्य विद्यालय शेखपुरा में आज बाल-मेले का आयोजन है। सभी छात्र-छात्राएँ बहुत खुश हैं। बाल-मेले में विभिन्न प्रकार की शैक्षिक एवं खेल-कूद प्रतियोगिताएँ होनेवाली है। मैदान की साफ-सफाई पूर्व में हो चुकी है। बाल-संसद के सदस्यगण अपने शिक्षकों के साथ बाल-मेला के आयोजन में व्यस्त हैं। प्रतियोगिताओं में भाग लेनेवाले विद्यार्थी अपना-अपना अभ्यास कर रहे हैं। कोई दौड़ लगा रहा है तो कोई कूद रहा है। कोई चित्र बनाने का अभ्यास कर रहा है तो कोई भाषण देने की तैयारी।



1. क्या आपके विद्यालय में भी बाल मेला का आयोजन होता है?

2. आप बाल-मेले में किस-किस प्रतियोगिता में भाग लेते हैं?

सोचिए-

3. खेलने से पूर्व मैदान की साफ-सफाई क्यों आवश्यक है?

4. बाल-मेले में आयोजित खेल-प्रतियोगिता की एक सूची बनाइए?

5. आप घर या विद्यालय में खेले जानेवाले खेलों के नाम तालिका में लिखिए।

घर पर खेले जानेवाले खेल	विद्यालय में खेले जानेवाले खेल	दोनों जगह खेले जानेवाले खेल

6. कोई ऐसा खेल जो आपको पसंद है, उसके बारे में नीचे दी गई तालिका में लिखिए।

खेल का नाम	खेल के दौरान प्रयोग होनेवाली सामग्री	खिलाड़ियों की संख्या	खेलने में लगनेवाला समय	कहाँ खेला जाता है

7. आप अपनी पसंद के किसी एक खेल के बारे में बताइए कि उसमें क्या-क्या नियम होते हैं?

अन्ततः वह दिन आ गया जिस दिन सोनू के विद्यालय में बाल मेला का आयोजन होनेवाला था। सुबह से ही सारे बच्चे मैदान में थे। कुछ बच्चे लम्बी कूद लगा रहे थे, कुछ दौड़ लगा रहे थे तो कुछ बच्चे फुटबॉल खेल रहे थे। तभी फुटबॉल खेलनेवाले कुछ बच्चे खेलते-खेलते आपस में झगड़ पड़े। तभी एक अध्यापक वहाँ पहुँच गए। उन्होंने झगड़ा बन्द करवाया और बच्चों को समझाया कि हर खेल के कुछ नियम होते हैं। हमें खेलभावना के साथ कोई खेल खेलना चाहिए। किसी भी खेल में टीम के सभी सदस्यों का आपसी सहयोग व तालमेल बहुत जरूरी होता है।

8. अनुमान लगाइए कि यह झगड़ा क्यों हुआ होगा?

9. क्या खेलते वक्त आपका किसी से झगड़ा हुआ है?

10. अक्सर खेलते वक्त किस बात को लेकर झगड़ा होता है?

11. खेल में झगड़ा न हो, इसके लिए हमें क्या-क्या करना चाहिए?

आपने कई बच्चों को खेलते हुए देखा होगा। क्या ऐसा हुआ है कि कुछ खेल केवल लड़कियाँ ही खेलती हैं उन्हें लड़के नहीं खेलते हैं और कुछ खेल केवल लड़के खेलते हैं उन्हें लड़कियाँ नहीं खेलती हैं ?

नीचे की तालिका में लिखिए –

ऐसे खेल जिन्हें केवल लड़कियाँ खेलती हैं	ऐसे खेल जिन्हें केवल लड़के खेलते हैं	ऐसे खेल जिन्हें दोनों खेलते हैं

12. क्या लड़कों के लिए अलग और लड़कियों के अलग खेल होने चाहिए? कारण भी बताइए।

13. क्या सभी खेलों को लड़के एवं लड़कियाँ दोनों खेल सकते हैं? अपने विचार लिखिए।

पाठ 15

आस-पास की सफाई

मीना के घर के आगे बहता था एक नाला,
कूड़ा-कचड़ा फेंक जिसे लोगों ने भर डाला।

पॉलीथीन, रद्दी कपड़े, और बासी खाना,
क्या जरूरी था उसे नाले में भरते जाना,

रहता हरदम कचड़ों से नाला इतना जाम,
नाली उफनी, पानी फैला, गंदगी फैली तमाम।

समझो भाई बात है इतनी, कचड़ा मत फैलाओ,
जिसमें इनको डाल सको, गड़ढा एक बनाओ।

आस-पास की साफ सफाई है सबकी जिम्मेदारी
कूड़ेदान के उपयोग में ही है अपनी समझदारी।



1. हम सबको अपने आस-पास की सफाई क्यों करनी चाहिए?

2. कूड़े-कचरे को यहाँ-वहाँ फेंकने से क्या-क्या नुकसान होता है?

3. हम सबलोगों के घरों में बहुत प्रकार की बेकार सामग्री या चीजें होती हैं। इन बेकार की अनुपयोगी सामग्री की एक सूची बनाइए, जिसे हम बाहर फेंकते हैं।

_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

4. आप देखते होंगे कि कुछ कचड़ा आसानी से सड़-गल जाता है और कुछ कचड़ा बहुत दिनों तक नहीं सड़ता है। इसकी भी एक सूची बनाइए।

सड़नेवाला कचड़ा

नहीं सड़नेवाला कचड़ा

5. आप अपने घर से निकलने वाले कूड़े-कचड़े का निपटारा कहाँ करते हैं ?

6. कूड़े-कचड़े के निपटारे का सही तरीका क्या है ?

7. क्या आपने कूड़े-कचड़े के ढेर से कुछ लोगों को विभिन्न चीजों को इकट्ठा करते देखा है ? उन्हें ध्यान से देखिए और बताइए कि वे क्या-क्या इकट्ठा करते हैं?

8. इकट्ठा करने के बाद उन वस्तुओं का क्या किया जाता है? अपने शिक्षक से पता कर लिखिए।

9. क्या इन कचड़ों को पुनः उपयोग के लायक बनाया जा सकता है ?

10. कौन-कौन सी ऐसी सामग्री है, जिससे पुनः अन्य चीजें बनाई जा सकती हैं?
- _____
- _____
11. आप अपने आस-पास एवं विद्यालय को साफ-सुथरा रखने हेतु कौन-कौन से कार्य करेंगे ? लिखिए।
- _____
- _____
- _____
12. कुछ खास पर्व-त्योहार के अवसर पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। उस समय कूड़ा-कचड़ा कम दिखाई देता है। उनके नाम लिखिए।
- _____
- _____

कूड़े-कचरे का नियंत्रण

- कचड़ा उत्पन्न करनेवाली चीजों का कम उपयोग।
- बाजार से सामान लाने के लिए कपड़े के थैले का प्रयोग।
- दुबारा उपयोग में लाए जा सकनेवाली चीजों का पुनः उपयोग।
- गलने-सड़नेवाले कूड़े-कचड़े को गड्ढे में डालकर मिट्टी से ढँक देना।
- घर एवं विद्यालय के कचड़े को डस्टबीन में एकत्र कर उचित जगह पर कूड़ादान या गड्ढा में डालना।
- पुनः चक्रण हेतु प्लास्टिक, पॉलिथिन, सीसा, लोहा, कागज आदि को एकत्रित करना।
- सब्जियों के छिलके, बासी भोजन, चोकर, चावल के कण आदि जानवरों को देना।

बच्चों ने तय किया कि हम अपने घर, गली, एवं विद्यालय की सफाई मिल-जुलकर करेंगे।

मीठा-मीठा शहद



सोनी, मोनी, राजेश और नन्दन बगीचे में घूम रहे थे। अनायास सोनी की नजर आम के पेड़ के ऊपर लगे मधुमक्खी के छत्ते पर पड़ी।

उसने कहा—अरे ! कितना बड़ा छत्ता है। सभी बच्चे उधर ही देखने लगे। छत्ते के आस-पास मधुमक्खियाँ मँडरा रही थीं। राजेश बोला—सँभलकर रहना, ये मधुमक्खियाँ काट भी सकती हैं। मोनी ने कहा— ये सिर्फ काटती ही नहीं, हमें खाने को मीठा और पौष्टिक शहद भी देती हैं।

1. (i) क्या आपने मधुमक्खियाँ देखी हैं? _____
- (ii) आपने इन्हें कहाँ-कहाँ देखा है? _____

2. (i) क्या आपने कभी मधुमक्खियों का छत्ता देखा है? _____
- (ii) चित्र में बने मधुमक्खियों के छत्ते को ध्यान से देखिए। क्या इसमें कोई विशेष आकार बार-बार आ रहा है? इस आकार का चित्र यहाँ बनाइए।



नन्दन ने कहा— मधुमक्खियाँ हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। हमें इनके बारे में जानना चाहिए।

सोनी बोली— पास ही उमा दीदी रहती हैं जो मधुमक्खी पालन करती हैं। चलो, उनसे मधुमक्खियों के बारे में पता करें।

सभी बच्चे उमा दीदी के पास पहुँच गए। उमा दीदी ने उनका स्वागत करते हुए पूछा— बच्चो, आज सबेरे—सबेरे कैसे आना हुआ?

सोनी ने कहा— हम मधुमक्खियों के बारे में जानना चाहते हैं।

उमा दीदी ने कहा— मधुमक्खी अत्यन्त ही उपयोगी जीव है, हजारों वर्षों से इनसे शहद और मोम से प्राप्त करता रहा है।

राजेश ने पूछा— मधुमक्खियाँ, शहद और मोम कैसे बनाती हैं?

उमा दीदी ने बताया कि छत्तों में मादा श्रमिक मधुमक्खियाँ होती हैं जो फूलों से रस चूसकर शहद बनाती हैं। इनके पेट से ही मोम निकलता है।

नन्दन ने पूछा—क्या छत्तों में मादा श्रमिक मधुमक्खियों के अतिरिक्त और तरह की मधुमक्खियाँ होती हैं?

उमा दीदी बोली — हाँ, हाँ, छत्ते में तीन तरह की मधुमक्खियाँ होती हैं। सबसे बड़े आकार की रानी मधुमक्खी तथा सबसे छोटे आकारवाली मादा श्रमिक मधुमक्खियाँ होती हैं तथा मध्यम आकार के कुछ नर मधुमक्खी भी होते हैं।

मोनी ने पूछा— ये मधुमक्खियाँ क्या क्या काम करती हैं ?

उमा दीदी ने कहा— रानी मधुमक्खी ही एकमात्र अंडे देनेवाली मधुमक्खी होती है। इसके द्वारा छत्ते की सभी मादा श्रमिक एवं नर मक्खियों का जन्म होता है। मादा श्रमिक मधुमक्खियाँ छत्तों का निर्माण करती हैं जबकि नर मधुमक्खी संतान उत्पन्न करने में सहयोग करते हैं।

बच्चे अभी बात कर ही रहे थे कि उन्हें आकाश में गोल—गोल चक्कर में घूमती मधुमक्खियों की भिन—भिनाहट सुनाई दी। नन्दन ने कहा— दीदी ऊपर देखिये, मधुमक्खियाँ।

उमा दीदी बोली— ये मादा श्रमिक मधुमक्खियाँ हैं। इन्हें फूलों के रस के बारे में पता चला है जिसकी सूचना वे अपने सहयोगी मधुमक्खियों को विशेष प्रकार से नाचकर भेज रही हैं। इनके संकेत को समझकर शेष श्रमिक मादा मधुमक्खियाँ फूलों का रस चूसने चली जाएँगी।

3. क्या आपने कभी मधुमक्खियों को नाचते देखा है?

4. पता कीजिए, मधुमक्खियाँ नाचते समय किस तरह की रचना बनाती हैं?

5. नीचे दी गई जगह में मधुमक्खी का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए।

सोनी ने उमा दीदी से पूछा— दीदी मधुमक्खियाँ किस प्रकार पाली जाती हैं?

उमा दीदी बगीचे में पड़े बक्से को दिखाते हुए बोली—लकड़ी के एक आयाताकर बक्से में मधुमक्खियाँ पाली जाती हैं। बक्से की दीवारों में छिद्र होते हैं। जिसके द्वारा मधुमक्खियाँ अन्दर—बाहर जा सकती हैं। इसके ढक्कन एवं दीवारों को सरकाया जा सकता है। बक्से के अन्दर लकड़ी या प्लास्टिक के सरकनेवाले खाँचे बने होते हैं तथा नीचे की ओर रानी मधुमक्खी का रहने का स्थान बना होता है। मधुमक्खियाँ बक्से के अन्दर अपने छत्ते का निर्माण करती हैं।



राजेश ने पूछा— इस बक्से से शहद कैसे निकालते हैं? क्या शहद निकालने से छत्ता टूट नहीं जाता है?

उमा दीदी बोली— इस बक्से के ढक्कन को सरका दिया जाता है तथा एक हैन्डिल (हत्थे) की सहायता से इसके भीतरी हिस्से को घुमाया जाता है। जिससे शहद रिसकर नीचे की ओर निकल जाता है तथा छत्ते को कोई क्षति नहीं पहुँचती है।

मोनी ने पूछा— क्या शहद निकालने के समय मधुमक्खियाँ काटती नहीं हैं।

उमा दीदी ने बताया कि शहद निकालते समय विशेष प्रकार के पोशाक से पूरे शरीर को ढँक दिया जाता है। कुछ लोग कम्बल भी ओढ़ लेते हैं। बचाव का उपाय करने के बाद भी कभी—कभी मधुमक्खियाँ काट लेती हैं।

नन्दन— दीदी शहद का हम लोग क्या—क्या उपयोग करते हैं?

उमा दीदी— शहद खाने के काम में आता है। इसका उपयोग दवाइयों के रूप में किया जाता है।

सोनी— दीदी, शहद बाजार में कैसे बिकता है?

उमा दीदी— हमारे जैसे शहद उत्पादक 100 से 125 रुपये प्रति किलोग्राम शहद बेचते हैं। लेकिन दुकानों में 250 से 300 रुपये प्रति किलोग्राम शहद बिकता है?

राजेश— दीदी, आपका बहुत—बहुत धन्यवाद। आपने हमें मधुमक्खियों के बारे में बहुत सारी बातें बताईं।

उमा दीदी— अब चलो, मैं तुम लोगों को शहद खिलाती हूँ।

6. पता कीजिए, आपके यहाँ शहद कैसे मिलता है?

7. क्या आपके यहाँ कोई मधुमक्खी पालन करता है?

8. क्या आप मधुमक्खी पालन का व्यवसाय अपनाना चाहेंगे? क्यों?

9. मधुमक्खियाँ कितने तरह की होती हैं?

10. श्रमिक मधुमक्खियाँ कौन-कौन से काम करती हैं?

11. मधुमक्खियों के छत्ते में अंडे देने का काम कौन सी मधुमक्खी करती हैं?

12. मधुमक्खियों का पालन कैसे किया जाता है?

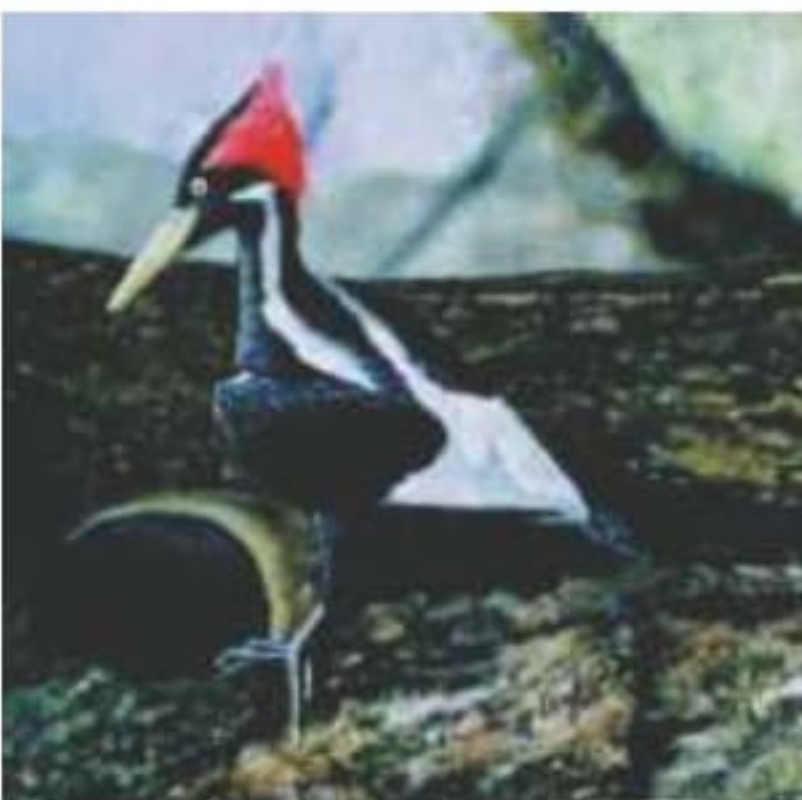
13. आप अपने घरों में शहद का उपयोग कहाँ-कहाँ करते हैं?

14. इनके अलावा शहद का उपयोग किन-किन कामों में होता है?

पाठ 17

तरह-तरह के पक्षी

आपने आस-पास कई तरह के पक्षी देखे होंगे। कुछ पक्षी बड़े होते हैं, तो कुछ छोटे। कुछ रंग-बिरंगे, तो कुछ एक ही रंग के। उनके घोंसले, भोजन आदि में भी कितने अंतर होते हैं। इस पाठ में हम पक्षियों के बीच के अन्तरों को और थोड़ा ध्यान से देखने की कोशिश करेंगे।



तरह-तरह की चोंच

1. क्या सभी पक्षियों की चोंच होती है? _____
2. नीचे कुछ पक्षियों की चोंच बनी है। उनके सामने अलग-अलग खाने की चीज़ों के नाम लिखे हैं। आपके अनुसार कौन सी चोंचवाला पक्षी क्या खाता होगा? मिलान कीजिए।

नाम

भोजन



फल और बीज



मछली



मांस

पक्षी की चोंच से हमें उसके खाने की आदतों के बारे में पता लगता है।



कुछ पक्षियों की चोंच ऐसी होती है।
ये फल और बीज चुगकर खाते हैं।



ऐसी चोंच मांस को चीरने-फाड़ने में
काम आती है। ये चोंच मांस खानेवाले
पक्षियों की है।



कुछ पक्षी मिट्टी में से कीड़े
खोदकर निकालते हैं। उनकी
चोंच ऐसी होती है।



कुछ पक्षी फूलों का रस पीते हैं
उनकी चोंच ऐसी होती है।



कुछ पक्षी मछली खाते हैं। मछली पकड़ने
और मिट्टी निथारने के लिए इनको ऐसी
चोंच की ज़रूरत होती है।



और ये है तोते की चोंच।
इससे वह कड़े बीज भी
फोड़ लेता है।

3. सभी पक्षियों की चोंच एक जैसी क्यों नहीं होती?

तरह-तरह के पंजे

सब पक्षियों के पंजे भी, चोंच की तरह एक जैसे नहीं होते हैं। पंजों की बनावट से पक्षियों के वास स्थान का पता लगाया जा सकता है।



ऐसे पंजे पेड़ की डाली पर बैठने के लिए।



ऐसे पंजे पानी में तैरनेवाले पक्षियों के होते हैं।



और ये पंजे शिकार पकड़ने के लिए



और ये पंजे ज़मीन पर चलने के लिए।

4. पक्षियों के पंजों की बनावट में अन्तर क्यों होता है?

5. यहाँ हम कुछ पक्षियों के चित्र दे रहे हैं। उनके चोंच और पंजे ध्यान से देखिए। बताइए कि वे क्या खाते होंगे और कहाँ-कहाँ रहते होंगे?



6. अपने आस-पास दिखनेवाली पाँच चिड़ियों को ध्यान से देखिए और नीचे बनी सारणी भरिए।

क्र.स.	पक्षी का नाम	रंग	चोंच	पंजे	क्या खाते हैं ?
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					

7. पहली समझ कर पक्षी का नाम लिखिए तथा चित्रों के साथ मिलान कीजिए।

चित्र



पहेली

सुंदर—सुंदर कलगी मेरी,
खींचती है सबका ध्यान,
चोंच मेरी ताकतवर है,
पेड़ छेदना मेरा काम।
मैं हूँ :



लम्बी टाँगों पर खड़ी रहती हूँ
इधर—उधर देखती रहती हूँ,
छूरी जैसी चोंच है मेरी
मार लेती हूँ मेंढ़क—मछली।
मैं हूँ :



सबसे पहले मैं ही जागता
दूसरों को फिर मैं जगता,
सुबह से जब तक हो शाम
दाना चुगना मेरा काम।
मैं हूँ :

जंगल में पिकनिक

जंगल में है चहल-पहल,
पिकनिक का है शोर,
बिल्ली बैठी घोड़े पर,
चली जंगल की ओर।



चींटी रानी चीनी लाई,
गाय ने दी दूध-मलाई,
चिड़िया ने चावल के सेंग
मीठी खीर खूब पकाई।

भालू ने जब थाल सजाया,
सजकर बंदर मामा आया,
हिरण-शेर-खरहा-गीदड़,
जमकर सबने भोग लगाया।



खूब खाये हाथी दादा,
पेट में तब आई बाधा,
चूहे ने इलाज बतलाया,
गरम-गरम पानी पिलवाया।

1. जंगल में जानवरों ने पिकनिक मनाई। यदि आप अपने दोस्तों के साथ पिकनिक पर जाएंगे तो क्या-क्या करेंगे?

2. (i) इस कविता में बहुत से जानवरों के नाम आए हैं। इनके नाम लिखिए। अगर आप और जानवरों के नाम जानते हैं, तो वे भी लिखिए।

- (ii) कुछ जानवर केवल जंगल में रहते हैं। कुछ को हम पालते हैं। कविता में आए जानवरों में से कौन से जानवर जंगली हैं और कौन पालतू हैं?

क्र.सं.	जंगली	पालतू
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

3. (i) कविता में बिल्ली ने घोड़े की सवारी की है। क्या आपने किन्हीं जानवरों की सवारी की है? यदि हाँ, तो उनके नाम लिखिए।

(ii) कुछ जानवर सवारी के काम आते हैं, कुछ सामान ढोने के तथा कुछ दोनों के। इन जानवरों का नाम तालिका में लिखिए।

क्र. सं.	सवारी के काम आनेवाले जानवर	सामान ढोने के काम आनेवाले जानवर	दोनों के काम आनेवाले जानवर
1.			
2.			
3.			
4.			

4. चित्र के नीचे गाड़ियों के नाम लिखिए।







5. आपने इनमें से किन-किन गाड़ियों पर सवारी की है?

6. सवारी के अलावा आप इन पशुओं का इस्तेमाल किन-किन कार्यों में करते हैं?

एक दिन लवली अपने स्कूल से घर जा रही थी। रास्ते में उसने देखा कि एक बैलगाड़ी पर बहुत सारा सामान लदा हुआ है। बैलगाड़ी के दोनों बैलों को इतना सामान खींचकर ले जाने में बहुत तकलीफ हो रही थी। लवली यह देखकर उदास हो गई और सोचने लगी, गाड़ीवान उनके साथ कैसा सलूक कर रहा है।

7. आपने कभी किसी पशु के साथ इस तरह का व्यवहार होते देखा है? आपको कैसा लगा?

लवली ने घर जाकर माँ को सारी बातें बताईं। माँ ने कहा, “उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। लेकिन सभी लोग उस गाड़ीवान जैसे नहीं होते हैं। कुछ लोग अपने पशुओं की देखभाल बहुत अच्छी तरह से करते हैं।”

8. जो लोग पशुओं को पालते हैं और उनसे काम लेते हैं, वे उनकी देखभाल कैसे करते हैं?

लवली की माँ ने बताया कि कुछ जानवरों के पैरों की सुरक्षा के लिए उनके पैरों के खुरों में नाल भी ठोका जाता है।



9. (i) यदि घोड़े के खुरों में नाल नहीं लगाई जाए तो क्या होगा?

(ii) किन-किन पशुओं के पैरों में नाल लगाए जाते हैं?

10. पालतू जानवरों में से कुछ जानवर आपके नज़दीक रहना पसंद करते हैं? इनके नाम लिखिए।

11. कुछ जानवर बेहद शर्मीले होते हैं। इनके नाम लिखिए।

मीकू बंदर की कहानी

मीकू नाम का छोटा बंदर अपने पूरे परिवार के साथ घने जंगल में रहता था। वह हर समय उधम मचाता रहता था। एक बार वह घूमते-घूमते एक गाँव में पहुँच गया। उसने एक बच्चे के हाथ से रोटी छीन ली। बच्चा डरकर रोने लगा। तभी वहाँ पर गाँव के अन्य बच्चे भी आ गए। बहुत सारे बच्चों को देखकर मीकू बंदर डर गया। उसी समय, मीकू को खोजते-खोजते उसके समूह के अन्य बंदर आ गए। एक वृद्ध बंदर ज़ोर से खिखियाया। बंदरों के समूह से डरकर सभी बच्चे भाग गए। मीकू

बंदर दौड़कर अपनी माँ की गोद में सिमट गया। वृद्ध बंदर के इशारा करते ही सभी बंदर आम और जामुन के बगीचे में चले गए।



12. (i) बच्चों से मीकू बंदर की रक्षा किसने की?

- (ii) किसके इशारे पर सभी बंदर बगीचे में चले गए?

13. यदि आपको कभी मौका मिले तो बंदरों के समूह को ध्यान से देखिए और उनके क्रियाकलापों को लिखिए।

14. बंदर की तरह और बहुत से जानवर समूह में रहते हैं। इनके नाम लिखिए।

15. जानवरों के अलावा कुछ छोटे-छोटे जीव एवं पक्षी भी समूह में रहते हैं। इनके नाम लिखिए।

16. पशु-पक्षियों और अन्य जीवों को समूह में रहने के क्या फायदे होते हैं? लिखिए।

17. (i) क्या आप अकेले रहते हैं या समूह में? _____

(ii) आप किसके साथ रहते हैं? आपको इसके क्या फायदे लगते हैं?

18. जो जानवर समूह में नहीं रहते हैं, उनके नाम लिखिए।

_____	_____	_____
_____	_____	_____

परियोजना कार्य

- जो जानवर समूह में रहते हैं उनके चित्र इकट्ठा कीजिए और उन्हें कॉपी में चिपकाइए।
- अपने मन पसंद जानवर का चित्र बनाइए और उसे कक्षा में टाँगिए।

पाठ 19

ककोलत से कन्याकुमारी

गर्मी की छुट्टियों में नन्ही, अंकुर, मान्या और स्वीटी अपने दोस्तों के साथ नवादा जिले में स्थित ककोलत घूमने आये थे। यहाँ पहाड़ों के ऊपर से वर्ष पर्यन्त एक झरना बहता रहता है। दूर-दूर से हज़ारों लोग उस झरने में स्नान करने आते हैं। सभी बच्चों को नहाने में बहुत मजा आ रहा था। नन्ही बोली—इस ठंडे पानी से मुझे निकलने की इच्छा ही नहीं हो रही है। मान्या ने कहा—ज्यादा नहाओगी तो इस गर्मी में भी तुम्हें सर्दी लग जाएगी। स्वीटी बोली—घर पर मैं कुएँ या चापाकल के पानी से नहाती हूँ। कभी-कभी पास के तालाब पर भी चली जाती हूँ। अंकुर ने कहा—मुझे तो नदी में नहाना बहुत अच्छा लगता है।



ककोलत झरना का चित्र

1. आप भी कभी-कभी घर से बाहर स्नान करने जाते होंगे। बताइए आप कहाँ स्नान करने जाते हैं ?

स्वीटी पिछली सर्दियों में अपने भैया—भाभी के साथ राजगीर गई थी। वहाँ गर्म जल के छोटे—छोटे झरने एवं कुण्ड हैं। सर्दियों में गर्म पानी के झरने या कुण्ड में स्नान करने का मजा ही कुछ और है।



राजगीर ब्रह्म कुण्ड एवं सप्तधारा का चित्र

2. अगर आस—पास में कहीं गर्म या ठंडे पानी की झरना या कुण्ड है तो उसका नाम लिखें।

गर्म पानी का झरना या / कुण्ड	ठंडा पानी का झरना / कुण्ड

3. हमारे आस—पास झरनों और कुण्डों के अतिरिक्त पानी के बहुत सारे भंडार हैं। क्या आप पानी के भंडारों के नाम बता सकते हैं ?

_____	_____
_____	_____
_____	_____

अंकुर ने बतलाया मेरा दोस्त इशु अपने माता—पिता के साथ अपने देश के सुदूर दक्षिण कन्याकुमारी घूमने गया था। उसने बतलाया कि कन्याकुमारी हिन्द महासागर के तट पर है। हिन्द महासागर पानी का बहुत बड़ा भंडार है। दूर—दूर तक सिर्फ पानी ही पानी है। तट पर खड़े होकर सामने देखने से दूसरा किनारा, कहीं दिखाई नहीं देता है।



कन्याकुमारी

मान्या बोली—इशु ने यह भी कहा था कि समुद्र के अन्दर शंख, सीप, केकड़ा, आदि भी पाये जाते हैं। समुद्र के अन्दर या उसके आस-पास के पौधे भी कुछ अलग तरह के होते हैं।

नन्ही ने कहा— हमारे यहाँ भी तो नदियों तालाबों में अनेक जीव जन्तु तथा पौधे पाये जाते हैं।

4. आप भी किसी जल स्रोत यथा, नदी, तालाब आहर आदि के निकट अपने मित्रों के साथ जाइये और उसमें पाये जाने वाले जीव-जन्तुओं एवं पौधों की सूची बनाइए।

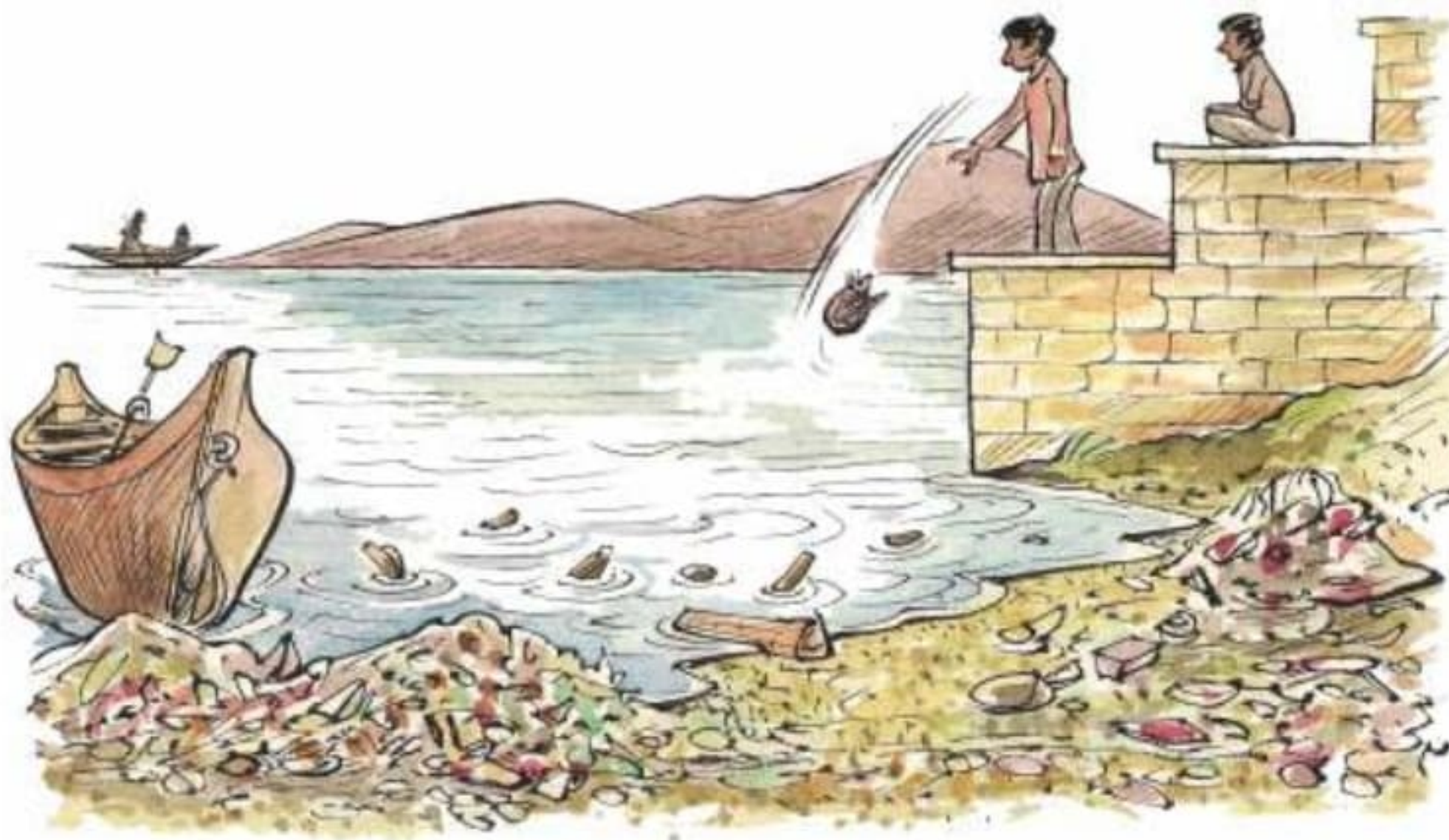
जल स्रोत का नाम	जीव-जन्तु	पौधे

स्वीटी ने कहा—पानी हमारे लिए बहुत उपयोगी है। यह हमारी प्यास बुझाता है, हम इससे नहाते हैं। अपना भोजन बनाते हैं।

5. क्या आप बता सकते हैं पानी का किन-किन कामों में उपयोग करते हैं?

_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

अंकुर ने कहा गंगा—दशहरा के समय मैं अपने माता—पिता के साथ गंगा स्नान करने पटना गया था। गंगा का पवित्र पानी मल—मूत्र, कूड़े—कचड़े से काफी गन्दा लग रहा था। मेरा नहाने का उत्साह ही समाप्त हो गया।



प्रदूषित गंगा

मान्या बोली—यह सच है कई लोग पानी में कूड़ा—करकट, पालीथीन, कपड़ा आदि फेंककर उसे प्रदूषित कर देते हैं।

6. क्या आपके आस—पास में जल स्रोत को भी लोग प्रदूषित कर देते हैं?

7. जल स्रोत के निकट जाकर पता लगायें किन-किन कारणों से जल प्रदूषित हो रहा है?

_____	_____
-------	-------

स्वीटी बोली—गन्दा पानी हमारे किसी काम का नहीं है। न तो इसे हम पीने के उपयोग में ला सकते न इससे भोजन बना सकते हैं।

अंकुर ने कहा—हमारी शिक्षिका कह रही थीं कि गन्दा पानी पीने से लोग बीमार हो जाते हैं। उन्हें हैजा, पेचिस, पीलिया आदि कई तरह की बीमारियाँ हो जाती हैं।

8. आप भी अपने शिक्षकों से पूछकर पता कीजिए कि प्रदूषित पानी पीने से कौन-कौन सी बीमारियाँ होती हैं ?

9. अपने मित्रों के साथ जल स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाने के उपायों पर चर्चा कीजिए? और उन्हें लिखिए।

मान्या बोली जो जल इतना ज्यादा महत्वपूर्ण है हमें उसे न केवल प्रदूषित होने से बचाना चाहिए बल्कि यह हमेशा उपलब्ध रहे इसके प्रति भी सचेत रहना चाहिए।

अंकुर ने कहा जल हमारी सबसे बड़ी ज़रूरत है। इसके बिना खाना—पीना क्या जीना भी मुश्किल है। हमें बेवजह जल को बर्बाद करने की आदत से बचना चाहिए।

10. क्या आप बता सकते हैं हमारे आस-पास कैसे-कैसे पानी बर्बाद होता है?

विद्यालय में _____

घर में _____

मोहल्ले में _____

11. जल की बर्बादी रोकने के लिए हम लोग कौन-कौन से कदम उठा सकते हैं?

आइए कुछ करें—

12. आप दो रुमाल लेकर भिगो लीजिए। एक रुमाल को धूप में डाल दें तथा दूसरे को छाया में रख दें। एक घंटे के बाद दोनों रुमालों में क्या परिवर्तन हुआ? बताइए।

धूप में रखा रुमाल _____

छाया में रखा रुमाल _____

13. धूप में रखे रुमाल का पानी कहाँ चला गया? सोचकर बताइए।

दो काँच के गिलास लीजिए। एक में गर्म पानी और दूसरे में बर्फ वाला पानी डालिए। थोड़ी देर बाद देखिए और बताइए।

14. क्या गिलास की बाहरी सतह में कोई परिवर्तन दिखाई दिया? क्या परिवर्तन हुआ?

15. क्या गिलास की बाहरी सतह पर दिखनेवाला पानी गिलास की सतह को छेदकर बाहर आ गया? सोचिए।

16. अगर आप के यहाँ दाल या चावल पक रहा हो तो देखें कि भाप निकल रहा होगा। उड़ते हुए भाप के ऊपर एक स्टील का प्लेट लाइए तथा थोड़ी देर रखकर वापस हटा लीजिए। प्लेट की सतह पर कुछ दिखाई देता है क्या? लिखिए।

17. प्लेट की सतह पर पानी की बूँदें कहाँ से आई ?

मान्या के शिक्षक ने बताया था कि धूप या गर्मी से पानी भाप बनकर ऊपर उठ जाता है। बहुत सारी भाप जब ऊपर में मिलती हैं तो बादल बन जाते हैं। वही बादल ठंडे होकर पानी बरसाते हैं।

18. आप अपने शिक्षक से पता कीजिए कि पानी के भाप बनकर उड़ने एवं बादल बनकर बरसने की क्रिया हमेशा चलती रहती है क्या?

पानी की खासियत—

19. हम लोगों ने पानी के भाप बनने और गिलास की सतह पर पानी के जमा होने की खूबियों को जाना है। पानी की अन्य कई खूबियाँ हैं। यह अपने में कुछ चीजों को घोल लेता है तो कुछ को नहीं। कुछ चीजें इसमें तैरती हैं तो कुछ डूब जाती हैं। बताइए—

(क) क्या पानी का कोई स्वाद होता है? _____

(ख) क्या पानी में गंध होती है? _____

(ग) पानी की उन खूबियों को लिखिए जिन्हें आप जानते हैं।

हमारे मददगार - कामगार

तन पर तेरे कपड़े सुंदर,
बोलो कहाँ से आया,
काट-छाँटकर तेरे लायक,
किसने इसे बनाया?



चूड़ी, नेकलेश, टीका, हार,
सुन्दर तन सजाता कौन,
पायल, बिछिया, बेशर जैसा,
सुन्दर गहना गढ़ता कौन?



लड्डू-पेड़ा और रसगुल्ला,
खाकर करते हल्ला-गुल्ला,
तुमने खाई ढेरों मिठाई,
अब बतलाओ, किसने बनाई?



जिस मेज पर लिखते तुम,
खाट-पलंग पर सोते तुम,
इनको कौन बनाता है
उसका नाम सुझाओ तुम

1. पिछले पृष्ठ पर लिखी पहेलियों को पढ़िए। इन पहेलियों में छुपे कामगारों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए।

2. आपके पास-पड़ोस में भी बहुत से कामगार होंगे। उनसे जानकारी प्राप्त कर, नीचे की सारणी में लिखिए।

क्र.सं.	कामगार	किन औजारों का प्रयोग करते हैं?	क्या-क्या बनाते हैं?
1.	कुम्हार		
2.	लोहार		
3.	मोची		
4.	बढ़ई		
5.	दर्जी		
6.	ठठेरा		
7.	सोनार		
8.	हलवाई		

सारणी में दिए गए कामगारों के अलावा हमारे आस-पास में और भी बहुत से कामगार रहते हैं। ये कामगार अपने काम से हमें लाभ पहुँचाते हैं। उदाहरण के लिए— पत्तल बनानेवाले, भूजा भूजनेवाले इत्यादि।

3. ऐसे विभिन्न प्रकार के कार्यों और उन्हें करनेवालों को क्या कहते हैं? सूची में लिखिए।

क्र.सं.	काम	काम करनेवाले का नाम
1.		
2.		
3.		
4.		

कामगारों की एक-दूसरे पर निर्भरता

जिस तरह हम कामगारों पर निर्भर होते हैं, उसी तरह कामगार भी एक दूसरे पर निर्भर होते हैं। किसान खेतों में अनाज, फल और सब्जियाँ पैदा करते हैं। इसके अलावा कपास, पटसन, ईख इत्यादि की भी खेती करते हैं। इनसे बहुत प्रकार की उपयोगी चीजें बनाते हैं।

4. इस सारणी को पूरा कीजिए।

क्र.सं.	किसान द्वारा उपजाई गई वस्तुएँ	कामगार द्वारा तैयार की गई वस्तुएँ
1.	पटसन	बोरा, थैला, चटाई, रस्सी
2.	ईख	
3.	सरसों	
4.	फूल	
5.	कपास	

इसी तरह किसानों को भी फसल उपजाने के लिए विभिन्न प्रकार के औज़ार, खाद, बीज और पानी की ज़रूरत होती है।

5. किसानों के उपयोग में आनेवाली वस्तुओं और उन्हें बनानेवाले कामगार का नाम नीचे सारणी में लिखिए?

क्र. सं.	विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ	उपयोग	वस्तुओं को बनानेवाले कामगार
1.	खुरपी		
2.	कुदाल		
3.	डलिया		
4.	हल		
5.	रस्सी		
6.	कुल्हाड़ी		

6. यदि इन औजारों को बनानेवाले इन्हें बनाना बंद कर दें तो एक किसान को क्या-क्या कठिनाइयाँ होंगी?

7. यदि किसान अनाज पैदा नहीं करें तो इन औजारों के बनानेवालों को क्या परेशानियाँ होंगी?

8. यदि आपके गाँव में नाई नहीं होता तो क्या होता?

9. यदि आपके गाँव में लुहार-बढ़ई नहीं होते तो क्या होता?

10. कामगार और किसान एक दूसरे की मदद किस प्रकार करते हैं? लिखिए।

11. आज हमारे किसान खेती के साथ-साथ अन्य कई काम भी करते हैं। जिसमें उनके परिवार के लोग उसकी मदद करते हैं। आपके गाँव में दूध बेचनेवाले भी होंगे, उनसे मिलिए और पूछिए कि वे दूध क्यों बेचते हैं?

12. आपके आस-पास गाय-भैंस के अलावा भी जिन पशु-पक्षियों को व्यावसायिक उपयोग के लिए पाले जाते हैं। उनकी एक सूची बनाइए।

13. यदि तुम्हारे आस-पास ऐसे काम करनेवाले हैं तो उस जगह पर जाइए और पता लगाइए—

(i) वहाँ किस पशु या पक्षी का पालन किया जा रहा है।

(ii) उन्हें कहाँ रखा जाता है?

(iii) उन्हें खाना के रूप में क्या-क्या दिया जाता है?

(iv) उनके रहने के लिए विशेष रूप से क्या व्यवस्था की गई है?

(v) यदि पशु बीमार पड़ते हैं तो वह पशुपालक क्या करता है?

(vi) वह अपने तैयार चीजों को कहाँ और किनके पास बेचते हैं?

14. कामगार काम करने के लिए जा रहे थे। यात्रा के क्रम में सभी लोगों का सामान मिल गया।
उन्हें सामानों तक पहुँचाइए।



दवाइयाँ

आरी

मोची का त्रिकोना
(नौरंगा)

हथौड़ा

टेप(फीता)

घड़ा



टकुआ

ब्रश

कुदाल

कैची



वर्मा कमानी

सुराही

सिलाई मशीन

इंजेक्शन



तरह-तरह के घर

पवन और सोनम घर बनाने का खेल, खेल रहे थे। उन्होंने दो बड़ी छतरियों को खोल रखा था। पवन उन छतरियों को एक पुरानी चादर से ढँकने की कोशिश कर रहा था। सोनम दोनों छतरियों को पकड़े हुए उनके बीच बैठी थी। जब उसे लगा कि उसका घर बन गया है तो उसने छतरियों से अपने हाथ हटा लिए। लेकिन ये क्या! अचानक सब कुछ हिला और ढेर हो गया। छतरियाँ और चादर, दोनों सोनम के ऊपर गिर पड़े।



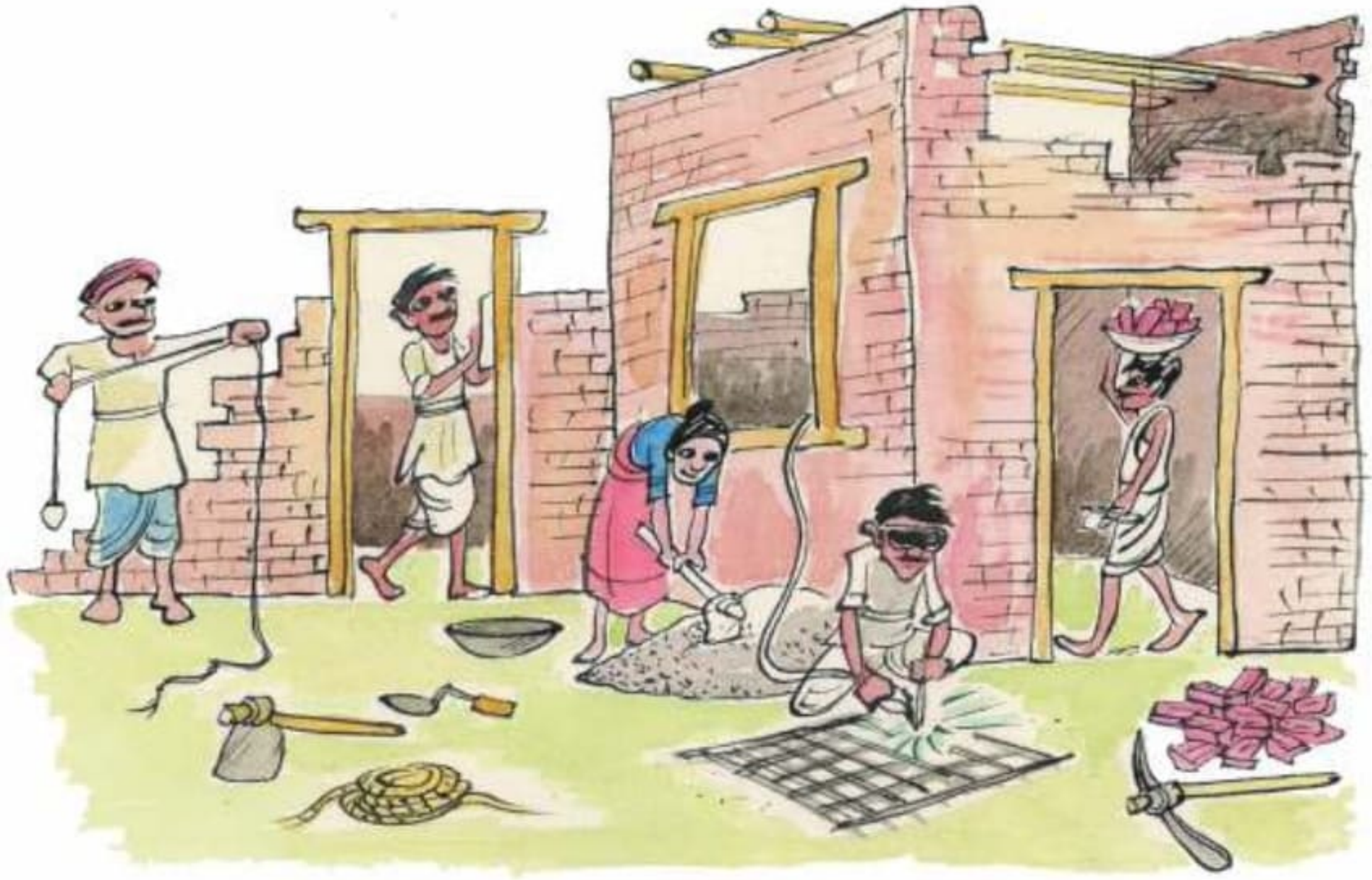
पवन ने पूछा, “सोनम, तुम्हें चोट तो नहीं लगी?”

सोनम ने कहा, “नहीं, लेकिन पवन, हमें इससे मज़बूत घर की ज़रूरत है।”

“तुम सही कह रही हो सोनम,” पवन ने कहा “इतना बड़ा घर जिसमें हम दोनों आराम से बैठ सकें और जो न गिरे।” तभी दादाजी आकर उनके पास बैठ गए और बोले, “लोग तरह-तरह के घर बनाते हैं। उनका घर मज़बूत रहे इसका भी वे पूरा ध्यान रखते हैं।”

1. आपके आस-पास किस-किस तरह के घर हैं? (✓) का निशान लगाकर बताइए—

- (i) मिट्टी और पत्थर के बने घर
- (ii) ईंट और सीमेंट के बने कच्ची छतवाले घर
- (iii) ईंट और सीमेंट के बने पक्की छतवाले घर
- (iv) घास-फूस के बने घर



2. इन घरों को बनाने के लिए कौन-कौन सी सामग्री की ज़रूरत पड़ती है?

3. (i) घर बनाने में किन-किन लोगों की मदद की ज़रूरत होती है?

(ii) घर बनाने में कौन-कौन से औज़ार काम आते हैं?

4. घर को मज़बूत बनाने के लिए क्या-क्या किया जाता है?

सोनम दादाजी से बोली, “क्या आपके समय भी अभी की तरह के घर होते थे?”

दादाजी ने बताया, “हमारे समय में आज की तरह पक्के घर कम देखने को मिलते थे। बहुमंज़िला इमारतें तो होती ही नहीं थीं। हमारे समय में मिट्टी और खपरैल के घर होते थे।”



पवन बोला, “अरे हाँ! मैं जब गर्मी की छुट्टियों में चाचाजी के पास पटना गया था तो बहुत सारी बहुमंज़िला इमारतें देखीं। दादाजी ने बताया कि ऐसी बहुमंज़िला इमारतें जिनमें लोग रहते हैं, उन्हें ‘अपार्टमेन्ट’ कहा जाता है। ऐसी बहुमंज़िला इमारतों के अंदर दो-तीन कमरों के कई छोटे-छोटे घर होते हैं।”

तभी पवन बोला, “चाचाजी चौथे तल्ले के फ्लैट में रहते हैं। यह घर मुझे ज़रा भी पसंद नहीं आता। छत पर जाना मुश्किल और खेलने को भी कोई जगह नहीं।

सोनम बोली, “शहरों में इस प्रकार की बहुमंज़िला इमारतें बनाने की आवश्यकता क्यों पड़ती है?”

5. आप भी सोचिए और लिखिए।

दादाजी ने बताया कि विभिन्न जगहों पर बनाए जानेवाले घर वहाँ के मौसम और वहाँ उपलब्ध सामग्री के अनुरूप होते हैं। उन्होंने एक किताब में जगह-जगह मिलनेवाले घरों के चित्र दिखाए। सोनम ने पूछा, “दादाजी, ऐसे घर कहाँ-कहाँ मिलते हैं?”

6. आप भी अपने शिक्षक से पता कर लिखिए।



बर्फीले प्रदेशों में जहाँ चारों ओर बर्फ—ही—बर्फ होती है न पत्थर न ही ईंट और न ही मिट्टी। यहाँ बर्फ की सिल्लियों के घर बनाए जाते हैं। इन घरों को “इग्लू” कहते हैं। इन घरों की दीवारें अंदर से छूने पर ठंडी तो लगती हैं, पर वे बाहर गिरती बर्फ और ठंडी हवा को अंदर नहीं आने देती हैं।

करके देखिए

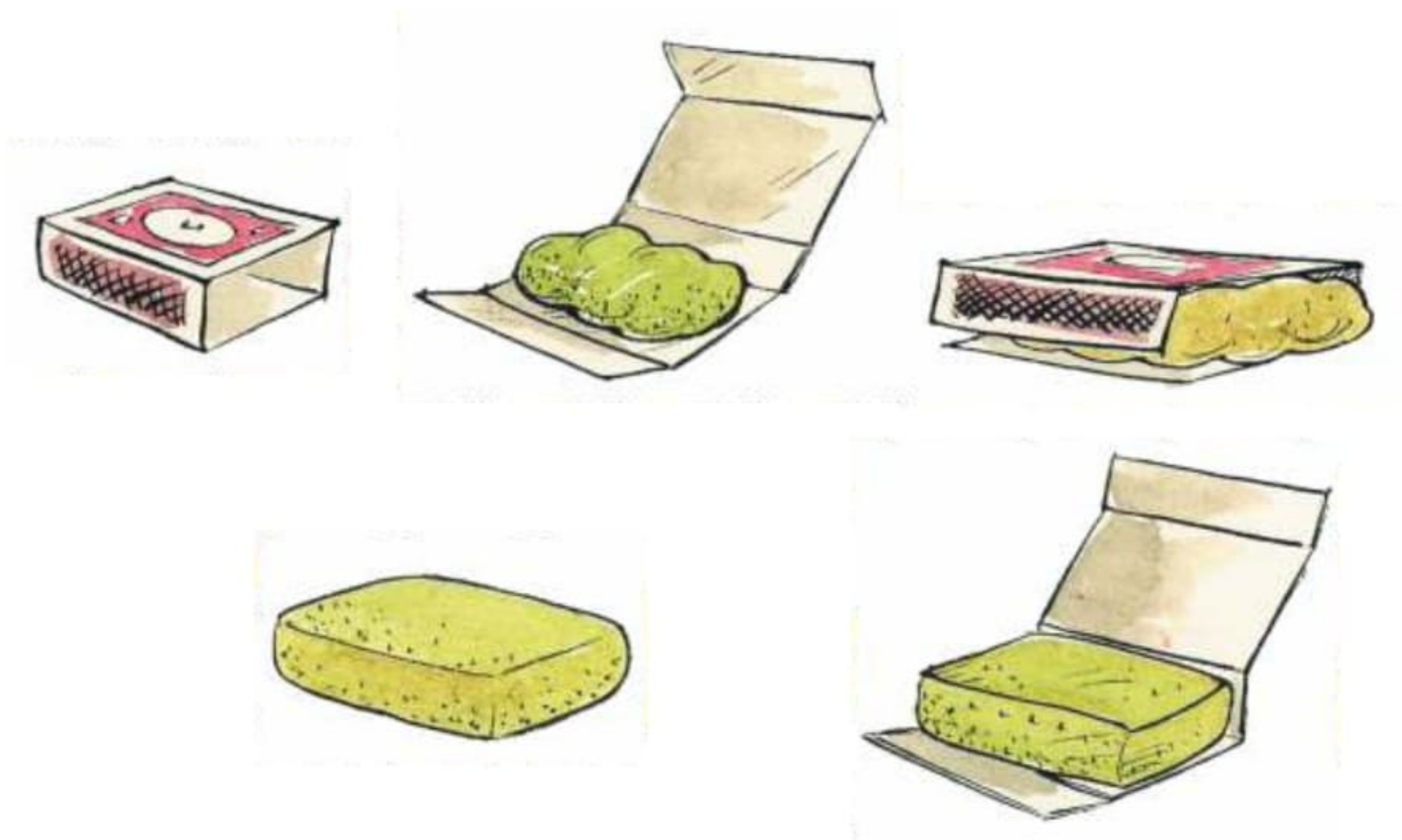
आप भी अपना मिट्टी का घरौंदा बना सकते हैं। इसके लिए आप नीचे लिखी सामग्री इकट्ठा कीजिए और दिए गए निर्देशों के अनुसार करते जाइए।

आओ, ईंट बनाएँ

आपको जरूरत होगी— दियासलाई के दो खाली डिब्बे, मिट्टी, ज़मीन पर बिछाने के लिए अखबार, मग, पानी और बाल्टी।

मिट्टी में पानी मिलाकर सानिए। सानने पर मिट्टी ऐसी हो कि आप उसे हाथ में रखकर आकार दे सकें। अब नीचे चित्रानुसार दियासलाई के डिब्बे में मिट्टी भरकर ईंट बना लीजिए।

ऐसी कम-से-कम 10-15 ईंटें बना लीजिए। अब इन ईंटों को धूप में सूखने दीजिए।



7. आप किसी ईंट के भट्ठे पर जाइए और पता लगाइए—

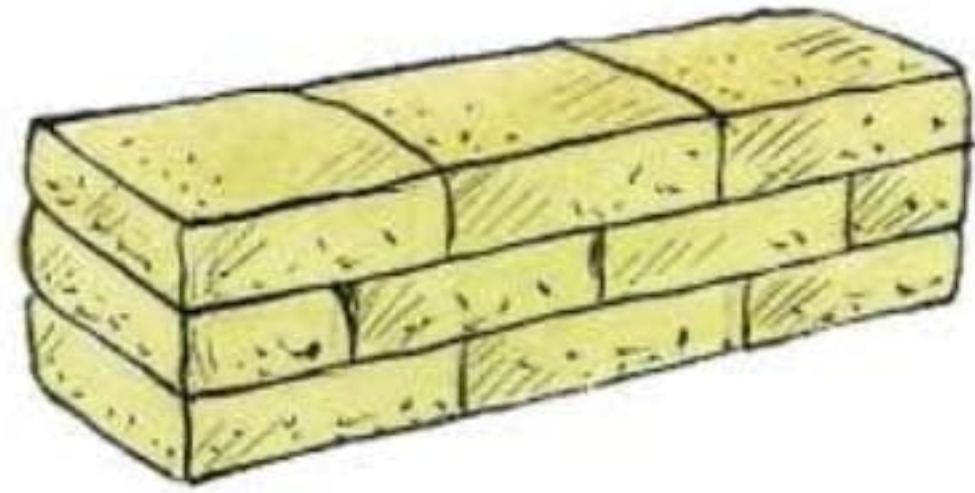
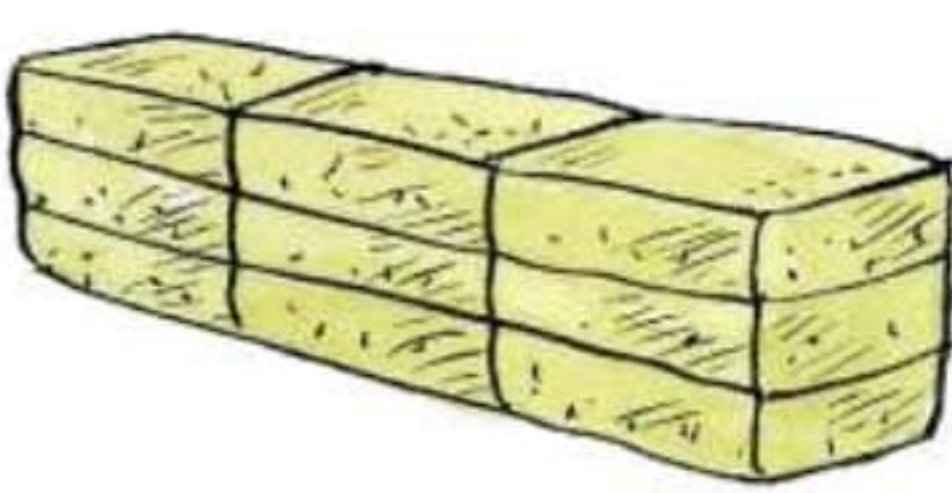
(i) ईंट बनाने के लिए किस तरह की मिट्टी की ज़रूरत होती है?

(ii) लोग ईंट कैसे बनाते हैं?

(iii) ईंट को मज़बूत बनाने के लिए क्या-क्या करते हैं?

आओ दीवार बनाएँ

अपनी और अपने दोस्तों द्वारा बनाई गई सभी ईंटें इकट्ठा कीजिए। उन्हें जोड़-जोड़कर एक दीवार बनाइए। किस तरह ईंट जोड़ने से दीवार ज़्यादा मज़बूत होगी।



8. किसी मिस्त्री के पास जाकर पता कीजिए कि जब वो दीवार बनाता है तो उसकी मज़बूती के लिए वह क्या-क्या करता है?

अपना घरौंदा बनाइए

ऊपर आपने एक दीवार बनाई है। इसी तरह अपने घरौंदे की अन्य दीवारें भी बनाइए। घरौंदे में खिड़की दरवाज़ा रखना मत भूलिएगा। अब अपने घर की छत बनाने की कोई तरीक़ब ढूँढिए।

अजय जब गाँव लौटे

लगभग तीस वर्षों के बाद आज अजय अपने पैतृक गाँव खुटकट लौटे हैं। यह गाँव जमुई जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर है। इसी गाँव में दादाजी के साथ उनका बचपन बीता है। वे जब 12 वर्ष के थे तब पिताजी के साथ पढ़ाई करने के लिए बोकारो चले गए थे।

अजय अपने गाँव आकर काफी प्रसन्न और आश्चर्यचकित हैं। उनके समय में गाँव की गलियाँ कच्ची थीं और घर मिट्टी एवं खपरैल के बने थे। कुछ लोग फूस की झोंपड़ियाँ बनाकर भी रहते थे। शौचालय के लिए लोग नदी किनारे या खुले मैदानों, खेतों में जाते थे।

बताइए —

1. आपके दादा-दादी या आपके बड़े जब आपकी उम्र के थे तब —

(i) वे कहाँ रहते थे ?

(ii) उनका घर किन किन चीजों से बना था ?

(iii) क्या उनके घर में शौचालय था ?

(iv) उनके घर में खाना कहाँ बनता था ? उसे क्या कहा जाता था ?

(v) जलावन (ईंधन) के रूप में क्या क्या इस्तेमाल होता था ?

(vi) क्या घर में पूजा के लिए कोई निश्चित जगह होती थी ? उसे किस नाम से जाना जाता था ?

अजय की यादें ताज़ा होने लगीं। बाग-बगीचे, खेत-खलिहान याद आने लगे। समय तेजी से बदला। बाहर की तरह गाँवों के घर भी पक्की ईंटों से बन गए हैं। छत भी सीमेंट की है। रसोईघर बड़ा हो गया और घर में शौचालय भी है।

2. आप किसी पक्की ईंट से बने घर को जाकर देखिए । पता कीजिए –

(i) इस प्रकार के घरों को बनाने में किन किन सामग्रियों का प्रयोग किया गया है?

(ii) क्या घर में शौचालय है? यह किस प्रकार काम करता है ?

(iii) शौचालय की सफाई कौन करता है?

(iv) खुले में शौच जाने से क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं ?

3. पहले और आज के घरों में काफी अंतर आ गया है। उन अंतरों को अपने शिक्षक की मदद से लिखिए –

क्र.सं.	क्षेत्र	आज से 30-40 वर्ष पहले का घर	आज का घर
1.	बरामदा		
2.	दीवार		
3.	छत		
4.	शौचालय		
5.	पूजाघर		
6.	रसोईघर		
7.	कमरा		
8.	खिड़कियाँ		
9.	आँगन		
10.	मंजिल		

4. घर बनाने में विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का उपयोग होता है ? कुछ सामान तैयार होकर बाहर से आता है और कुछ सामग्रियाँ वहीं पर स्थानीय रूप से तैयार की जाती हैं। आइए, उसकी एक सूची बनाइए –

(i) स्थानीय रूप से बननेवाले _____

(ii) बाहर से आनेवाली _____

5. अपने आस-पास में जहाँ मकान निर्माण का काम चल रहा हो वहाँ जाकर पता लगाइए—

(i) दीवार कैसे बनती है ?

(ii) घर की दीवार/ छत बनाने वाले कारीगर को क्या कहते हैं ?

(iii) राजमिस्त्री मकान बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरणों का प्रयोग करता है ? उनके नाम लिखिए—

_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

(iv) मकान बनाने में कई लोग काम करते हैं, फिर भी राजमिस्त्री एक मुख्य कामगार है। क्या राजमिस्त्री सिर्फ मकान ही बनाता है या अन्य चीज़ों का भी निर्माण करता है ? जरा सोचिए —

_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

आज अजय अपने गाँव आकर सोच रहे हैं, बाँस से बनी चचरी पुल क्या अब भी है? वे अपने विद्यालय इसी चचरी पुल को पार कर जाते थे। गाँव के लोगों ने बताया कि आज उसकी जगह पक्के पुल बन गए हैं।



बाँस से बना पुल



ईंट-सीमेंट से बना पुल

6. आपके आस-पास भी कोई पुल-पुलिया अवश्य होगा। उसे जाकर देखिए और बताइए।

(i) ईंट के पुल को सहारा किस चीज़ से दिया गया है ?

(ii) उसकी मोटाई का अनुमान कर लिखिये ?

(iii) ईंट का पुल बाँस के पुल से किस तरह अलग है ?

(iv) बाँस के पुल को एक समय में कितने लोग पार कर सकते हैं?

(v) आपको कौन सा पुल पारकर जाना ज्यादा अच्छा लगेगा? क्यों ?

(vi) क्या आपने अन्य प्रकार के पुल को कभी पार किया है ? वह आपको कैसा दिखाई दे रहा था ?

(vii) अपने दादा—दादी या बड़े—बुजुर्गों से पता कीजिए कि उनके बचपन में पुल कैसे होते थे?



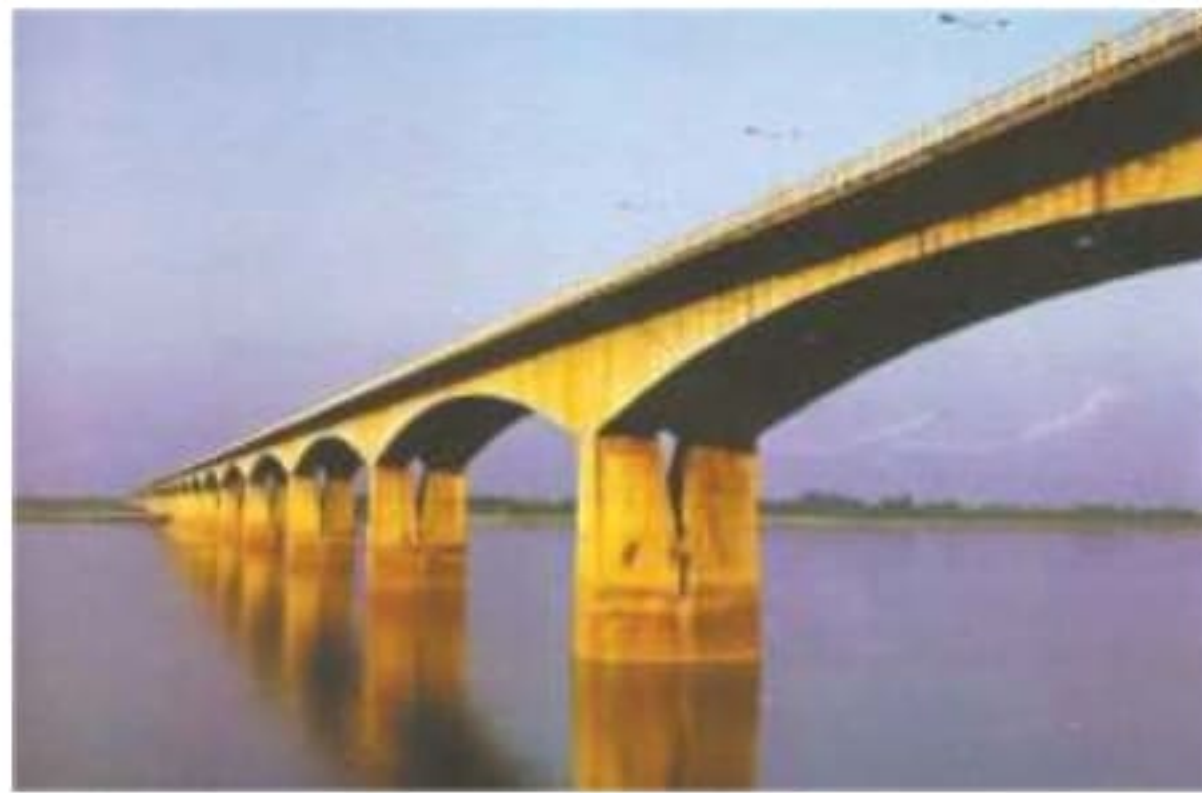
हावड़ा ब्रिज



पटना का चिरैयाटाँड़ ओवरब्रिज



राजगीर का रज्जु मार्ग



गंगा नदी पर बना महात्मा गाँधी सेतु

7. इन चित्रों के संबंध में अपने शिक्षकों से बातचीत कर जानकारी प्राप्त कीजिए और बताइए—
- (i) क्या सभी प्रकार के पुल के पायों (पीलर) में ईंटों का ही प्रयोग होता है ? यदि नहीं तो उन सामग्रियों के नाम लिखिए।

- (ii) पुल कहाँ— कहाँ बनाया जा सकता है ?

- (iii) आपने कितने तरह के पुल—पुलियों को देखा है ? उनके नाम लिखिए।

(iv) सोचिए, अगर पुल-पुलिया नहीं होता तो क्या-क्या परेशानियाँ होतीं ?

अजय पुल पारकर बाजार जानेवाली मुख्य सड़क पर आए। उन्होंने देखा डेढ़ किलोमीटर के बीच बाग-बगीचे की जगह अब ईंट के चिमनी भट्टे खुल गए हैं। कच्ची ईंट बनाई जा रही हैं। आठ-दस चिमनियों से काला धुआँ लगातार निकल रहा था। चिमनी के आस-पास एवं सड़क पर चिमनी से निकली धूल, धुआँ, और राख उड़ रहे थे। ट्रैक्टर के टेलर से खुले में ही मिट्टी, रेत और ईंटों को ढोया जा रहा था। सड़क पर चलना कठिन हो रहा था। उन्होंने अपने नाक और मुँह पर रुमाल रख लिया और बाज़ार की ओर चल दिए।

8. बताइए—

(i) ईंट पकाने में कम से कम धुआँ निकले, इसके लिए क्या किया जाना चाहिए?

(ii) इन धूल और धुआँ का वहाँ के निवासियों पर कम से कम प्रभाव पड़े, इसके लिए क्या क्या किया जाना चाहिए?

(iii) घनी आबादी के बीच ईंट चिमनी खोलना क्या उचित है ?

(iv) चिमनी भट्ठा कैसी जगह पर बनाना चाहिए ?

(v) चिमनी भट्ठे पर बहुत सारे बच्चे अपने माता-पिता के साथ काम करते रहते हैं और विद्यालय नहीं आते हैं। उनके बारे में आप क्या सोचते हैं?

(vi) क्या उन्हें काम करते रहना चाहिए या विद्यालय भी आना चाहिए?

(vii) यदि वे विद्यालय नहीं आते हैं तो आप क्या कर सकते हैं?

परियोजना कार्य

(i) राजमिस्त्री के उपकरण तथा भवन निर्माण में उपयोग में आनेवाले सामग्रियों का चित्र बनाइए।

(ii) ईंट, दिवाल, पुल-पुलिया का रेखांकन कीजिए।

(iii) मिट्टी बालू से खिलौने, पुल, घरोंदा आदि का निर्माण कीजिए।

(iv) आस-पास से एक ईंट लीजिए और उसके माप तौल लिखिए।

लम्बाई ————— से० मी० चौड़ाई ————— से० मी०

मोटाई ————— से० मी० वजन ————— किलोग्राम ————— ग्राम

(v) एक पर एक रखी छह ईंटों की कुल ऊँचाई कितनी होगी

————— फीट ————— इंच

(vi) इनकी कीमत पता कीजिए

क. 1000 ईंट _____

ख. 1 बोरी सीमेन्ट _____

ग. 1 क्विन्टल छड़ _____

घ. 1 बाँस _____

ङ. 1 कुदाल _____

च. 1 ट्रैक्टर रेत _____

पाठ 23

आस-पास की खोज-खबर

पूजा के समय अगरबत्ती जलाते हैं, उसकी गंध आपको कैसी लगती है? _____
गाँव में भोज हुआ। पत्तल और बचा हुआ खाना बगल की नाली में फेंक दिया गया। वह सड़ गया।
यह गंध आपको कैसी लगती है? _____

तरह-तरह की गंध

अलग-अलग चीज़ों की अलग-अलग गंध होती है। और कुछ चीज़ों से तो कुछ गंध नहीं आती।

1. नीचे बनी सारणी को वस्तुओं की गंध के आधार पर पूरा कीजिए।

क्र.सं.	वस्तु का नाम	गंधहीन वस्तु	गंधवाली वस्तु
1.	लहसुन		
2.	पानी		
3.	चॉक		
4.	पहना हुआ मोज़ा		
5.	पेंसिल		

2. क्या आप विभिन्न प्रकार की चीज़ों को उनकी गंध के आधार पर पहचान सकते हैं? नीचे बनी सारणी में भरिए कि आप कौन से फूलों, फलों, पौधों, पशुओं और पक्षियों को उनकी गंध के आधार पर पहचान सकते हैं?

क्र.सं.		जिन्हें आप पहचान सकते हैं
1.	फूल	
2.	फल	
3.	पौधे	
4.	पशु	
5.	पक्षी	

तरह-तरह की आवाज़ें

रात के अंधेरे में आपको मच्छर का पता कैसे लगता है? _____

हम अपने आस-पास कई तरह की आवाज़ें सुनते हैं। मधुर आवाज़ें सुनकर हम आनंदित होते हैं और कर्कश आवाज़ें या शोर सुनकर हम कान बंद कर लेते हैं।

3. (i) नीचे बनी सारणी में लिखिए कि आपको कौन सी आवाज़ें मधुर लगती हैं और कौन सी कर्कश?

क्र.सं.	मधुर आवाज़	कर्कश आवाज़
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

- (ii) नीचे लिखी क्रियाओं के होने पर हमें कैसी आवाज़ें सुनाई देती हैं?

क्र.सं.	क्रिया	आवाज़
1.	टीन की छत पर पानी की बूँद गिरने पर	टप-टप-टप
2.	बादल के गरजने पर	
3.	घड़ी के चलने पर	
4.	स्कूल की घंटी	
5.	हवा से हिलती हुई पत्तियों की आवाज़	
6.	ताली बजाने पर	
7.	फर्श पर थाली गिरना	

4. इसी प्रकार विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षियों को भी आप बिना देखे उनकी आवाज़ से पहचान जाते हैं? सारणी में लिखे पशु-पक्षियों की आवाज़ें लिखिए।

क्र.सं.	पशुओं का नाम	आवाज	पक्षियों का नाम	आवाज़
1.	मुर्गा	कुक्कूँकू	कौआ	काँव-काँव
2.	कुत्ता		चिड़िया	
3.	बकरी		कबूतर	
4.	गधा		तोता	
5.	बिल्ली		कोयल	

तरह-तरह के स्पर्श

हम बहुत सारी चीज़ों को गंध और आवाज़ के आधार पर पहचान पाते हैं। इसी प्रकार छूने से भी बहुत-सी बातों का पता चलता है। आपका हाथ जब लैम्प से सटता है तो आपको गर्म लगता है और आइसक्रीम ठंडी।

5. नीचे की सारणी में कुछ वस्तुओं के गुण दिए गए हैं। आप किन चीज़ों को छूकर इन गुणों का पता लगा सकते हैं?

क्र.सं.	वस्तु का गुण	वस्तुओं के नाम				
1.	गर्म					
2.	ठंडा					
3.	सूखा					
4.	गीला					
5.	चिकना					
6.	खुरदरा					
7.	लसलसा					
8.	नरम					
9.	कठोर					

6. (i) आप अपने दोस्त की आवाज़ को भीड़ में भी पहचान लेते होंगे। अपने किसी दोस्त की आँख पर रुमाल से पट्टी बाँध दीजिए। बारी-बारी से चार अन्य दोस्तों को विभिन्न दिशाओं से उसका नाम पुकारने और ताली बजाने के लिए कहिए। सही पहचाने जानेवाले दोस्त और दिशा को इस प्रकार अंकित कीजिए।

क्र.सं.	दोस्त का नाम	दोस्त की आवाज़ सही/गलत	ताली की आवाज़	
			दिशा	सही/गलत
1.	अशोक	✓	पूरब	✓
2.				
3.				
4.				
5.				

7. इस गतिविधि को आप पुनः किसी अन्य दोस्त की आँखों पर पट्टी बाँधकर कीजिए। अब आप बताइए—

(ii) क्या आपको आवाज़ और दिशा पहचानने में कठिनाई हुई? _____

(iii) अगर आपकी उम्र का कोई बच्चा बिल्कुल देख नहीं सकता हो, तो उसे क्या कठिनाइयाँ होती होंगी?

(iv) अगर, कोई ऐसा बच्चा आपके स्कूल आता हो, तो आप उसकी कैसे मदद कर सकते हैं?

(v) क्या खेल के मैदान में आप ऐसे बच्चों के साथ खेलते हैं या उन्हें खेल से बाहर बैठा देते हैं? अगर किसी कारण से आपको खेल के मैदान से बाहर बैठना पड़े तो आपको कैसा लगता है?

सुनो कहानी रामपुर शाहाबाद के रहनेवाले पद्मश्री भरत मिश्र की। बचपन में उनकी आँखों की रोशनी चली गई। अगल-बगल के लोग कहने लगे अब इसकी ज़िन्दगी भी भीख माँगते गुज़रेगी। भरत मिश्र की दादी ने बड़े ही आत्मविश्वास से कहा, ये नहीं, लोग इससे भीख माँगेंगे। दादी ने गाँव के ही विद्यालय में इनका नाम लिखवा दिया। भरत मिश्र को पढ़ने में लगन लग गई। आगे की पढ़ाई के लिए उनका नाम पटना दृष्टिबाधित विद्यालय में लिखवाया गया। अपनी मेहनत और प्रतिभा की बदौलत उन्होंने न केवल मैट्रिक और इन्टर किया बल्कि राजनीति विज्ञान से एम.ए. और पीएच.डी. भी की। पीएच.डी. करने के बाद बहुत सारे विश्वविद्यालयों में उन्होंने व्याख्याता बनने के लिए आवेदन दिया। नौकरी देनेवाले लोग उनकी आँखें न रहने से हिचक जाते थे। ऐसे ही संघर्ष के समय वे भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति वराहगिरि वेंकट गिरि से मिले। राष्ट्रपति



भरत मिश्र से मिलकर काफी प्रभावित हुए। उनकी पहल पर मगध विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बने। उनसे पढ़नेवाले विद्यार्थी कहते हैं कि वे भारतीय संविधान के जाने-माने विद्वान् थे। उनकी विद्वत्ता से महाविद्यालय के छात्र एवं अध्यापक सभी प्रभावित थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी भरत मिश्र का सामाजिक एवं समसामयिक समस्याओं पर प्रायः रेडियो से व्याख्यान प्रसारित होता रहता था। इनके मार्गदर्शन में सोलह विद्यार्थियों ने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। जब इन्होंने अपनी शादी के लिए अखबारों में विज्ञापन दिया तो 59 प्रस्ताव आए, जिसमें एक प्रस्ताव डा. धीरा मिश्र का भी था, जो इनकी सुयोग्य जीवनसंगिनी बनीं।

भरत मिश्र की कार्यक्षमता को देखते हुए 1979 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने इन्हें श्रेष्ठ निःशक्त कर्मचारी का पुरस्कार दिया तथा 1985 में राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह के द्वारा इनको पद्मश्री से अलंकृत किया गया। निःसंदेह अंधत्व भरत मिश्र के लिए कभी बाधा नहीं बनी।

ऐसे निःशक्त व्यक्ति को आपकी दया नहीं बल्कि प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। इन्हें कार्यों को करने के लिए तैयार करने की ज़रूरत है।

8. नीचे बनी सारणी में इन लोगों के नाम जिन्होंने अपनी निःशक्तता के बावजूद बड़े-बड़े काम किए हैं? लिखिए।

क्र.स.	व्यक्ति का नाम	निःशक्तता का प्रकार	उपलब्धि
1.	सुधा चंद्रन	पैर कटा हुआ,	नृत्यांगना एवं अभिनेत्री
2.			
3.			
4.			
5.			

9. आपके आस-पास यदि इस प्रकार के व्यक्तित्व हों तो उनके संबंध में चार-पाँच वाक्य लिखिए।

मुझे यह अच्छा नहीं लगता

रश्मि और उषा कित-कित खेलकर घर लौट रही थी। रश्मि को प्यास लग आई थी।

“चलो, मेरे घर चलो न, वहीं पानी पी लेना”; उषा ने रश्मि को खींचते हुए कहा।

‘तुम्हारे मामा तो घर नहीं होंगे न। अगर वे होंगे, तो मैं नहीं जाऊँगी’, रश्मि ने कहा।

“लेकिन क्यों? मामा को तो तुम अच्छी भी लगती हो। वे तुम्हें मिठाई और चॉकलेट भी देते हैं” उषा ने कहा।

रश्मि ने मीना से अपना हाथ छुड़ाया और बोली— ‘तुम्हारे मामा से मुझे डर लगता है। वे मेरा हाथ पकड़ते हैं, तो मुझे अच्छा नहीं लगता’। यह कहकर रश्मि अपने घर चली गई।

10. बताइए—

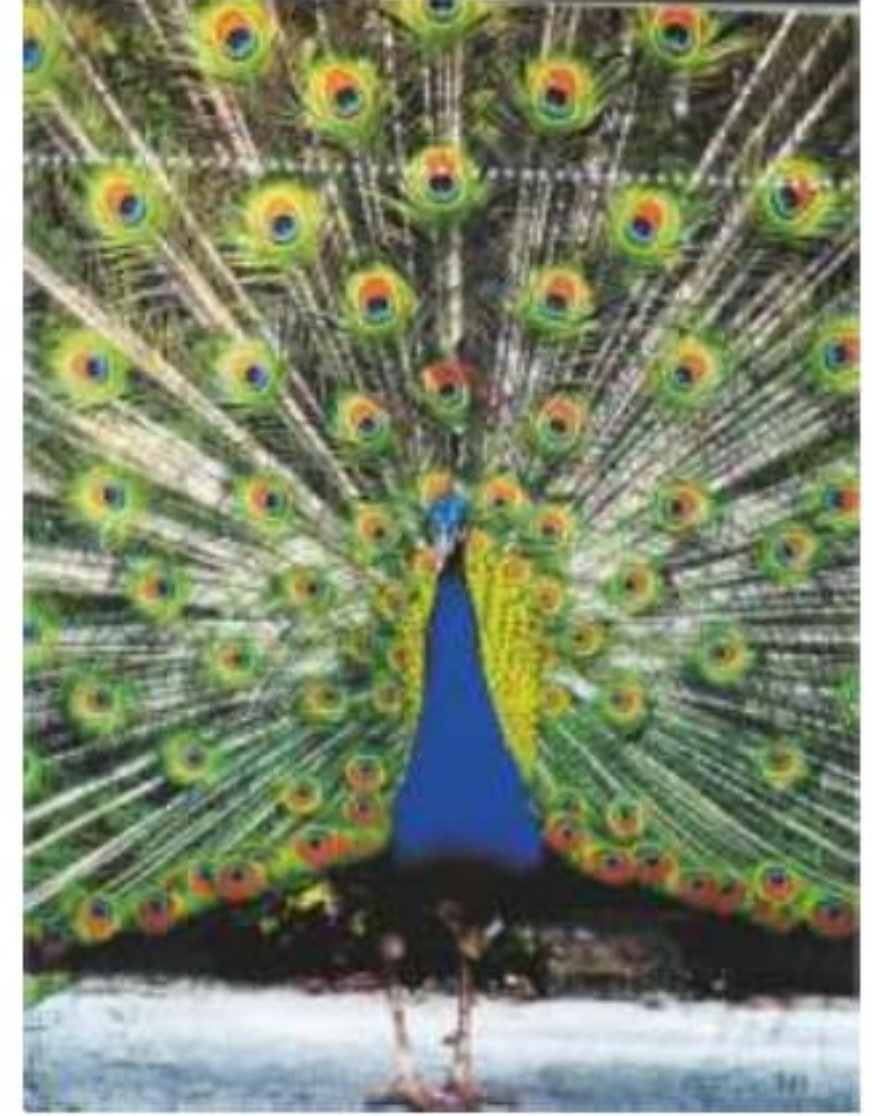
- क्या आपको भी कभी किसी का छूना बुरा लगा है? किसका छूना आपको अच्छा नहीं लगा?
- अगर आप रश्मि की जगह होते, तो क्या करते?
- ऐसा होने पर और क्या किया जा सकता है?

पाठ 24

चिड़ियाघर की सैर

आज मध्य विद्यालय नगदेवा के बच्चे चिड़ियाघर घूमने जा रहे हैं। रेलगाड़ी द्वारा वे जमुई से पटना पहुँचे। फिर टेम्पो पर बैठकर चिड़ियाघर पहुँचे। वहाँ काफी भीड़ थी। उनके साथ आई शिक्षिका दीदी ने टिकट ली और वे सभी अंदर गए।

वहाँ पर हरे-भरे वृक्षों के बीच भिन्न-भिन्न प्रकार के पशु-पक्षी थे— साँप, बंदर, शेर, भालू, बाघ, घड़ियाल, मगरमच्छ, गेंडा आदि। पक्षियों के पिंजरे के पास तो मज़ा ही आ गया। वहाँ एक मोर पंख फैलाकर नाच रहा था। सभी बच्चे एक-एक उसका नाच देखने लग गए। नीनू बोल उठी — हमने अपनी पर्यावरण की किताब में पढ़ा था कि मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है।



1. (i) मोर कब नाचता है?

(ii) मोर के पंखों में कौन-कौन से रंग होते हैं?

(iii) क्या मोर ऊँचा उड़ सकता है?

(iv) मोर क्या-क्या खाता है?

मोर का नाच देखकर बच्चे आगे बढ़े। तभी उन्हें एक बाघ के गरजने की आवाज़ आई। सब आवाज़ की ओर दौड़े।



2. (i) नीचे लिखे कौन से शब्द बाघ के लिए प्रयोग किए जा सकते हैं?
 (अ) शक्तिशाली (ब) आलसी (स) कमजोर (द) स्फूर्तिपूर्ण
 (ii) बाघ हमारे देश में कहाँ-कहाँ पाए जाते हैं? पता कीजिए और लिखिए।

दीदी ने बताया कि बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु है। किन्तु, आज इसकी संख्या काफी कम हो गई है। अगर यही स्थिति रही तो बाघ हमें सिर्फ तस्वीरों में ही दिखाई पड़ेंगे।

- (iii) आपको क्या लगता है कि बाघों की संख्या कम क्यों होती जा रही है ?

चिड़ियाघर में घूमते-घूमते सभी तालाब के किनारे पहुँचे। वहाँ लोग नाव की सैर का मज़ा ले रहे थे।

राहुल बोला— उधर देखो, कितने सुंदर कमल के फूल खिले हैं।

दीदी बोली— जब हम पावापुरी घूमने गए थे तो वहाँ मैंने आप सबको कमल के बारे में बताया था।



3. अब आप बताइए—

- (i) हमारे राष्ट्रीय फूल का क्या नाम है? _____
- (ii) यह किस रंग का होता है? _____
- (iii) इसके फूल और पत्तों का क्या उपयोग है?

बच्चे घूमते-घूमते थक चुके थे। वे सब आराम करने लगे। तभी वन विभाग द्वारा लगाए गए सूचना पट्ट पर काजल की नज़र गई। इसमें ऊपर में बीचों-बीच तीन मुँहवाली शेर की आकृति बनी हुई थी।



उसकी ओर इशारा करते हुए काजल बोली— दीदी यह क्या है?

दीदी ने बताया कि यह चित्र हमारा राष्ट्रीय चिह्न है। यह कई सरकारी कागजों और सरकारी स्थानों पर पाया जाता है। यह सारनाथ में राजा अशोक द्वारा बनाए गए एक स्तंभ से लिया गया है। चित्र में हमें तीन शेर दिख रहे हैं। वास्तव में इस चिह्न में चार शेर हैं, एक पीछे की ओर है। बच्चो, इसके नीचे लिखा है— 'सत्यमेव जयते'। जिसका अर्थ होता है— 'सत्य' की हमेशा विजय होती है।

4. (i) इस चित्र को आपने कहाँ-कहाँ देखा है?

- (ii) राष्ट्रीय चिह्न के नीचे एक पट्टी है। इसे ध्यान से देखिए और बताइए उस पर क्या-क्या बना है?

तीन बजनेवाले थे। बच्चों ने वहाँ के जलपान-गृह में समोसा खाया और पानी पिया। किसी की जाने की इच्छा तो नहीं हो रही थी लेकिन, रेलगाड़ी का समय हो रहा था। सभी बस में बैठकर स्टेशन की ओर चल दिए।

रास्ते में आस्था की नज़र एक भवन पर फहरा रहे तिरंगे झंडे पर पड़ी। वह बोली— दीदी यह कौन—सा भवन है। यहाँ पर झंडा क्यों फहरा रहा है? आज न तो पन्द्रह अगस्त है और न ही छब्बीस जनवरी।

दीदी— यह भवन 'सचिवालय' है। यहाँ पर मंत्रियों के कार्यालय हैं और सरकारी काम—काज होता है। यहाँ पर प्रतिदिन तिरंगा फहराया जाता है।

बस अब 'शहीद स्मारक' होते हुए स्टेशन पहुँच गई। ट्रेन में दीदी और बच्चे बातचीत करने लगे।



5. (i) राष्ट्रीय झंडे को तिरंगा क्यों कहा जाता है?

(ii) हमारे देश के झंडे में कौन से रंग हैं?

(अ) ऊपर की पट्टी में _____

(ब) बीच की पट्टी में _____

(स) नीचे की पट्टी में _____

(iii) तिरंगे में नीले रंग का एक चक्र भी होता है। आप गिनकर बताइए कि चक्र में कितनी तीलियाँ होती हैं?

(iv) चक्र किस पट्टी पर है? _____

मनोज— हमने ये रंग क्यों चुने? दीदी ने इस प्रकार का एक चित्र बनाया और समझाया कि प्रत्येक रंग का हमारे लिए अर्थ है—

रंग	अर्थ
केसरिया	साहस और बलिदान
सफेद	सत्य और शांति
हरा	खुशहाली और समृद्धि

चक्र देश की प्रगति और परिवर्तन का प्रतीक है।

- (v) अपने स्कूल और आस-पास देखकर बताइए, आपको भारत का झंडा या उसका चित्र कहाँ-कहाँ देखने को मिल रहा है?

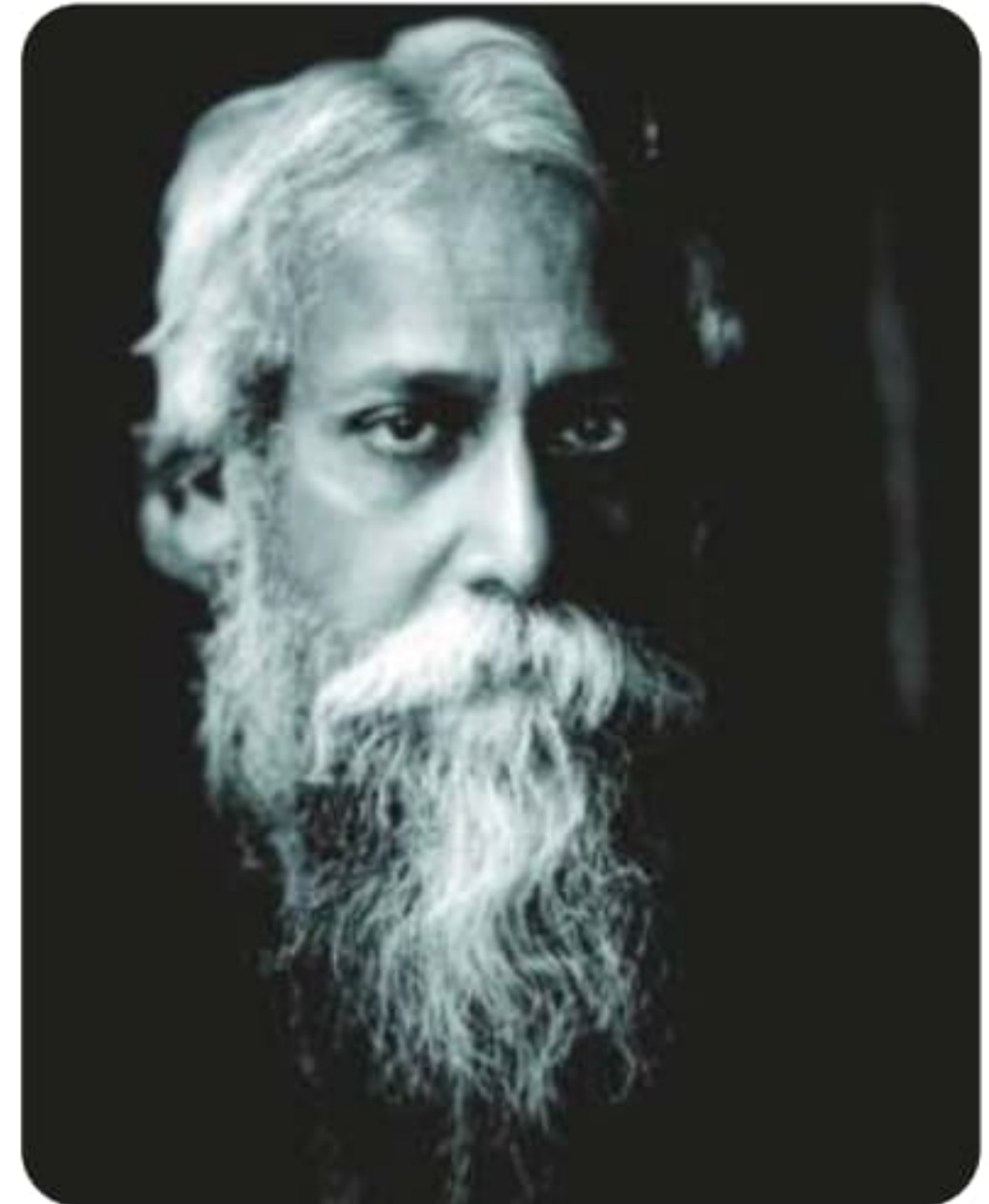
- (vi) आपके स्कूल में झंडा कब-कब फहराया जाता है?

- (vii) तभी आशा बोल पड़ी तो क्या राष्ट्रीय झंडा फहराने के कुछ नियम हैं? सभी बच्चे आपस में इन नियमों के बारे में बात करने लगे। आप भी अपने साथियों और शिक्षक के साथ चर्चा कीजिए और लिखिए।

दीदी ने बच्चों से पूछा कि हम राष्ट्रीय झंडा फहराते समय क्या-क्या करते हैं? बच्चों ने बताया—राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत गाते हैं।

हमारा राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल, बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मागे,
गाहे तव जय गाथा।
जन-गण मंगलदायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता।
जय हे। जय हे। जय हे। जय जय जय जय हे।



रवीन्द्रनाथ टैगोर

6. (i) इस गान में कुछ राज्यों, पर्वतों और नदियों के नाम आए हैं, उनके नाम लिखिए।
 (अ) राज्यों के नाम _____
 (ब) पर्वतों के नाम _____
 (स) नदियों के नाम _____
- (ii) राष्ट्रगान गाते समय किन बातों का ध्यान रखा जाता है?

- (iii) हमारा राष्ट्रगान किसने लिखा है?

हमारा राष्ट्रगीत

वन्दे मातरम् ।।
 सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
 शस्य-श्यामलां मातरम् ।
 वन्दे मातरम् ।।
 शुभ्र- ज्योत्स्ना-पुलकित-यामिनीम्,
 फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल-शोभिनीम्,
 सुहासिनीं सुमधुरभषिणीम्,
 सुखदां, वरदां, मातरम् ।
 वन्दे मातरम् ।।



बंकिमचन्द्र चटर्जी

वन्दे मातरम् गीत बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा लिखा गया। यह गीत स्वतंत्रता आन्दोलन में स्वतंत्रता सेनानियों के लिए देशभक्ति का प्रतीक बन गया था।

7. इनके अलावा भी हमारे कुछ अन्य राष्ट्रीय प्रतीक हैं। उनके नाम पता कीजिए।
- (i) राष्ट्रीय खेल _____
 (ii) राष्ट्रीय नदी _____
 (iii) राष्ट्रीय जल-जीव _____

रेलगाड़ी जमुई रेलवे स्टेशन पहुँचनेवाली थी। तभी आकाश ने कहा— चिड़ियाघर की सैर भी हो गई और राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे में भी जान लिया।

परियोजना कार्य

आप एक चार्ट पेपर लीजिए। उस पर सभी राष्ट्रीय प्रतीकों का चित्र बनाइए या चिपकाइए।



8. अपने माता-पिता से 10, 20 या 50 रु० का नोट लेकर ध्यान से देखिए और बताइए —
(क) नोट पर कौन-कौन सा राष्ट्रीय प्रतीक अंकित है?

.....
.....

- (ख) राष्ट्रीय प्रतीक के अतिरिक्त नोट पर और किस चीज़ के चित्र बने हैं?

.....
.....

- (ग) नोट के ऊपर में कितनी भाषाएँ लिखी हुई हैं? शिक्षक की मदद से उन भाषाओं के नाम पता लगाइए।

.....
.....

- (घ) प्रत्येक नोट पर रुपये के मूल्य के अतिरिक्त भी कुछ संख्याएँ लिखी होती हैं। इन्हें ध्यान से देखिए और मिलाइये। क्या सभी नोटों पर लिखी ये संख्याएँ समान हैं?

.....
.....

बंटी का सफर

सीमा और बंटी अपने माता-पिता के साथ बड़ा दिन की छुट्टियों में राँची जानेवाले हैं। उनका घर दानापुर है जो पटना के निकट गंगा नदी की धारा के दो भागों में बँट जाने से उभरे दियारे की ज़मीन पर बसा है। सीमा ने माँ को सामान बाँधने में मदद किया तो बंटी ने पिताजी के साथ रास्ते का नाश्ता बनाया। चलने के पहले पिताजी ने पूछा—क्या सारा जरूरी सामान रख लिया गया है ?

माँ ने कहा— कपड़े लत्ते, खाना, पानी, दवाइयाँ, रुपये—पैसे, फोटो पहचान पत्र, ब्रीफकेस एवं बैग की ताला—चाभी आदि हमलोगों ने रख ली है।

सीमा ने कहा— जितना भी सामान हमलोग ले जा रहे हैं उसकी मैंने एक सूची भी बना ली है।

1. अगर आपको कहीं घूमने जाना हो तो आप अपने साथ क्या—क्या सामान ले जायेंगे ?

_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

2. क्या यात्रा पर जाने से पूर्व हमें अपने सामानों की सूची बनानी चाहिए या नहीं ? अपने मित्रों के साथ चर्चा कर बताएँ।



सीमा, बंटी और उसके माता-पिता अपने-अपने सामान लेकर नदी की घाट तक आए। वहाँ से नाव के द्वारा नदी पार कर दानापुर पहुँचे। बस पड़ाव से टेम्पो के द्वारा पटना जंक्शन रवाना हुए। बंटी ने कहा— पटना की सड़कों पर आदमी से ज्यादा रिक्शा, टेम्पो, स्कूटर, मोटर साइकिल, जीप, कार आदि की भीड़ है।

सीमा बोली— गाड़ियों के शोर एवं धुँ से मेरा जी घबराने लगा है।

अचानक बंटी उँगलियों से इशारा करते हुए बोला वो देखो यहाँ लड़कियाँ भी फर्राटे से स्कूटर और कार चला रही हैं। जबकि अपने गाँव में तो साइकिल चलाने पर भी लोग लड़कियों को टोकते हैं।

सीमा हैरानी से देखते हुए बोली— यहाँ लड़के तो लड़के, लड़कियाँ भी फुल पैंट, जींस, कमीज, कुर्ता, टीशर्ट पहने तथा हाथ में मोबाइल फोन घुमाते नजर आती हैं। जबकि अपने गाँव में लड़कियाँ फ्रॉक, समीज, सलवार या साड़ी पहनती हैं।

3. आपने अब तक किन-किन वाहनों को देखा है ?

पानी पर चलनेवाला	जमीन पर चलनेवाला	हवा पर चलनेवाला

4. आपके यहाँ लड़के-लड़कियाँ या स्त्री-पुरुष कौन-कौन से कपड़े पहनते हैं?

लड़की/स्त्री	लड़का/पुरुष

5. क्या लड़कियों को साइकिल चलाने पर रोका जाना उचित है ?

टिकट कटाकर सभी लोग प्लेटफार्म पर आ गये थोड़ी देर में पटना-हटिया एक्सप्रेस प्लेटफार्म के पास आकर रुकी। यात्रीगण रेलगाड़ी पर चढ़ने-उतरने के लिए धक्का-मुक्की करने लगे। गाड़ी के अन्दर बैठने के लिए थोड़ी देर तक अफरा-तफरी मची रही। सीमा और बंटी लपककर खिड़कियों के समीप बैठ गये। गार्ड बाबू के हरी झंडी दिखलाते ही गाड़ी सीटी देते हुए चल पड़ी। गाड़ी के

अन्दर काफी गहमा-गहमी थी। कुछ लोग आपस में बातचीत कर रहे तो कुछ लोग अखबार पढ़ने में मशगूल थे। थोड़ी ही देर में काला-कोट एवं उजला पैंट पहने टिकट जाँच करने के लिए टी.टी.ई. डिब्बे में आया। जिन लोगों के पास टिकट नहीं था, उनसे टी.टी.ई. ने 250 /— रुपये जुर्माना के साथ जहाँ तक उन्हें जाना था, उतने रुपये लेकर टिकट बना दिया। बंटी यह देखकर दंग था कि कुछ लोग बिना टिकट कटाये यात्रा करने की कोशिश करते हैं। वह जानता है कि यह एक अपराध है।



6. क्या अपने देखा है रेलगाड़ी के अन्दर किन-किन सामानों की ब्रिकी होती है ?

_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

7. टी.टी.ई. की तरह गार्ड और चालक की भी निश्चित वेषभूषा होती है। पता कीजिए इनके कपड़े कैसे होते हैं ?

टी.टी.ई. _____

गार्ड _____

चालक _____

8. बिना टिकट कटायें यात्रा करना चाहिए क्या ? अपने आस-पास पूछ-ताछकर पता लगाइए इससे क्या हानि है ?

सीमा बंटी के आस-पास ही नीलम-पवन, परमानन्द, रेणु, अर्चना, और विक्रान्त बैठे थे। कुछ ही पल में सबकी आपस में दोस्ती हो गई। नीलम ने कहा—हमलोग पटना घुमने आये थे।

सीमा ने पूछा—पटना में आपने किन-किन स्थानों को देखा ?

पवन —हमलोग यहाँ चिड़ियाघर घूमे, जहाँ बहुत तरह के पशु-पक्षी हैं। साथ-ही-साथ गोलघर (पटना संग्रहालय) भी देखने गये जहाँ अनेक तरह की प्राचीन मूर्तियाँ, सिक्के, हथियार, चित्र आदि रखे हैं।

नीलम बोली—हमलोग ने सिक्खों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविन्द सिंह का जन्म स्थान तख्त हरमंदिर में जाकर अपना मत्था टेका।

परमानन्द—हमलोग गोलघर पर भी चढ़े।

9. आपके निकट कौन-कौन से देखनेवाले स्थान हैं ?

बातें करते-करते वे लोग गया पहुँच गये।

रेणु बोली— गया एक प्राचीन शहर है। यहाँ का विष्णु-पद और मंगला गौरी मंदिर बहुत प्रसिद्ध है।

परमानन्द ने कहा— गया से ही सटे बोधगया है। जहाँ बौद्ध धर्म के संस्थापक भगवान बुद्ध के बड़े-बड़े मंदिर हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान बुद्ध को यहीं एक पीपल पेड़ के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। गया से गाड़ी खुली तो सूखी सी फल्गु नदी दिखाई दी जिसपर बने पुल पर भारी गड़गड़ाहट के साथ गाड़ी गुजर रही थी, जंगल, पहाड़ और पठार दिखने लगे थे। कोडरमा से गाड़ी आगे बढ़ी तो धरती पर कुछ चमकती हुई चीज दिखाई देने लगी सीमा ने पूछा वह क्या दिख रहा है —



10. गुरु गोविन्द सिंह और भगवान बुद्ध के जीवन के बारे में अपने शिक्षकों से पता कीजिए?

गया से गाड़ी खुली। सूखी-सी फल्गु नदी दिखाई दी, जिस पर बने पुल पर भारी गडगड़ाहट के साथ गाड़ी गुजर रही थी।

जंगल, पहाड़, और पठार दिखने लगे थे। कोडरमा से गाड़ी आगे बढ़ी तो धरती पर कुछ चमकती हुई चीज़ दिखाई देने लगी। सीमा ने पूछा— वह क्या दिख रहा है?

रेणु बोली—वह अबरख है ! कोडरमा में चमचमाते अबरख के खान भरे पड़े हैं।

अचानक सीमा की नजर एक ऊँचे पहाड़ पर पड़ी। जिस पर एक छोटा-सा मन्दिर दिख रहा था। अर्चना बोली— यह पारसनाथ का पहाड़ है, जो बिहार और झारखंड राज्य का सबसे ऊँचा पहाड़ है। इसके ऊपर जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का मन्दिर है।

गाड़ी अब गोमो पहुँचनेवाली थी। विक्रान्त ने कहा—यह ऐतिहासिक महत्त्व की जगह है। स्वतंत्रता संग्राम के महान् योद्धा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को अंग्रेजों ने उनके घर में ही कैद कर रखा था। सुभाष चन्द्र बोस उन्हें चकमा देकर कैद से निकल गये और गोमो से फ्रंटियर मेल पकड़कर पेशावर चले गये। बाद में वहाँ से अफगानिस्तान, जर्मनी, जापान होते हुए सिंगापुर पहुँचे तथा आजाद हिन्द फौज की सहायता से अंग्रेजों पर हमला किया।

11. क्या आपने किसी पहाड़ पर चढ़ाई की है ? पहाड़ पर चढ़ते समय हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

12. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की तस्वीर चार्ट पेपर पर बनाइए या चिपकाइए और उनके संबंध में चार-पाँच वाक्य लिखकर कक्षा में टाँगिए।



सुभाष चन्द्र बोस और उनकी फौज का चित्र



सुभाष चन्द्र बोस

गोमो से गाड़ी खुली, रास्ते में पहाड़ी चट्टानों के बीच से होकर बहती दामोदर नदी दिखाई पड़ी। गाड़ी अपनी गति से आगे बढ़ती हुई बोकरो पहुँची। तभी बंटी ने पूछा यह चिमनियाँ कैसी हैं जिनसे धुआँ निकल रहा है। विक्रान्त ने कहा—बोकारो में इस्पात कारखाना है। ये चिमनियाँ उसी की हैं। बोकारो से गाड़ी खुली तो झालदा पहुँची। वहाँ कई यात्री चढ़े, जो बँगला बोल रहे थे।



बंटी की माँ ने कहा, “झालदा पश्चिम बंगाल में है यहाँ के ज्यादातर निवासी बँगला बोलते हैं। गाड़ी अब राँची पहुँच चुकी थी।”

निशिकान्त और इन्दु उन्हें लेने आए थे। घर जाने के रास्ते में अलग ढंग से साड़ी लपेटे महिलाओं का समूह दिखाई दिया, जो अपनी भाषा में कोई गीत गा रही थीं।

निशिकान्त ने कहा— ये उराँव जनजाति की महिलाएँ हैं। झारखंड में इनके अतिरिक्त बिरहोर, मुंडा, संथाल, आदि जनजातियाँ भी रहती हैं। इनकी बोली भी अलग-अलग है। उराँव कुडुख बोलते हैं तो मुंडा मुंडारी और संथालों की भाषा संथाली है।



इन्दु बोली— झारखंड में इसके अतिरिक्त सादरी, नागपुरी, और खोरठा भी बोली जाती है।

बंटी ने कहा— हमारे बिहार में भी काफी भाषाई विविधता है। पटना, गया, नालंदा के लोग मगही बोलते हैं तो वैशाली, मुजफ्फरपुर में बज्जिका। दरभंगा, मधुबनी में मैथिली बोली जाती है तो मुंगेर, भागलपुर में अंगिका। भोजपुर—रोहतास के लोग भोजपुरी बोलते हैं।

13. क्या आपके आस-पास के गाँव के लोग आपकी ही तरह बोलते हैं या कोई अन्तर है पता कीजिए।

छुट्टियों में सीमा—बंटी ने सबके साथ राँची में भारी मशीन का कारखाना, काँके का पागलखाना, नेतरहाट एवं जोन्हा का जलप्रपात देखा। छुट्टियाँ बिताकर वे वापस घर लौटे। इससे वे बहुत खुश थी।

14. अगर आपने कोई यात्रा की है तो उसके संस्मरण कक्षा में सुनाएँ।

4. आप देखते होंगे कि कुछ कचड़ा आसानी से सड़-गल जाता है और कुछ कचड़ा बहुत दिनों तक नहीं सड़ता है। इसकी भी एक सूची बनाइए।

सड़नेवाला कचड़ा

नहीं सड़नेवाला कचड़ा

5. आप अपने घर से निकलने वाले कूड़े-कचड़े का निपटारा कहाँ करते हैं ?

6. कूड़े-कचड़े के निपटारे का सही तरीका क्या है ?

7. क्या आपने कूड़े-कचड़े के ढेर से कुछ लोगों को विभिन्न चीजों को इकट्ठा करते देखा है ? उन्हें ध्यान से देखिए और बताइए कि वे क्या-क्या इकट्ठा करते हैं?

8. इकट्ठा करने के बाद उन वस्तुओं का क्या किया जाता है? अपने शिक्षक से पता कर लिखिए।

9. क्या इन कचड़ों को पुनः उपयोग के लायक बनाया जा सकता है ?

10. कौन-कौन सी ऐसी सामग्री है, जिससे पुनः अन्य चीजें बनाई जा सकती हैं?
- _____
- _____
11. आप अपने आस-पास एवं विद्यालय को साफ-सुथरा रखने हेतु कौन-कौन से कार्य करेंगे ? लिखिए।
- _____
- _____
- _____
12. कुछ खास पर्व-त्योहार के अवसर पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। उस समय कूड़ा-कचड़ा कम दिखाई देता है। उनके नाम लिखिए।
- _____
- _____

कूड़े-कचरे का नियंत्रण

- कचड़ा उत्पन्न करनेवाली चीजों का कम उपयोग।
- बाजार से सामान लाने के लिए कपड़े के थैले का प्रयोग।
- दुबारा उपयोग में लाए जा सकनेवाली चीजों का पुनः उपयोग।
- गलने-सड़नेवाले कूड़े-कचड़े को गड्ढे में डालकर मिट्टी से ढँक देना।
- घर एवं विद्यालय के कचड़े को डस्टबीन में एकत्र कर उचित जगह पर कूड़ादान या गड्ढा में डालना।
- पुनः चक्रण हेतु प्लास्टिक, पॉलिथिन, सीसा, लोहा, कागज आदि को एकत्रित करना।
- सब्जियों के छिलके, बासी भोजन, चोकर, चावल के कण आदि जानवरों को देना।

बच्चों ने तय किया कि हम अपने घर, गली, एवं विद्यालय की सफाई मिल-जुलकर करेंगे।

मीठा-मीठा शहद



सोनी, मोनी, राजेश और नन्दन बगीचे में घूम रहे थे। अनायास सोनी की नजर आम के पेड़ के ऊपर लगे मधुमक्खी के छत्ते पर पड़ी।

उसने कहा—अरे ! कितना बड़ा छत्ता है। सभी बच्चे उधर ही देखने लगे। छत्ते के आस-पास मधुमक्खियाँ मँडरा रही थीं। राजेश बोला—सँभलकर रहना, ये मधुमक्खियाँ काट भी सकती हैं। मोनी ने कहा— ये सिर्फ काटती ही नहीं, हमें खाने को मीठा और पौष्टिक शहद भी देती हैं।

1. (i) क्या आपने मधुमक्खियाँ देखी हैं? _____
- (ii) आपने इन्हें कहाँ—कहाँ देखा है? _____

2. (i) क्या आपने कभी मधुमक्खियों का छत्ता देखा है? _____
- (ii) चित्र में बने मधुमक्खियों के छत्ते को ध्यान से देखिए। क्या इसमें कोई विशेष आकार बार—बार आ रहा है? इस आकार का चित्र यहाँ बनाइए।



नन्दन ने कहा— मधुमक्खियाँ हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। हमें इनके बारे में जानना चाहिए।

सोनी बोली— पास ही उमा दीदी रहती हैं जो मधुमक्खी पालन करती हैं। चलो, उनसे मधुमक्खियों के बारे में पता करें।

सभी बच्चे उमा दीदी के पास पहुँच गए। उमा दीदी ने उनका स्वागत करते हुए पूछा— बच्चो, आज सबेरे—सबेरे कैसे आना हुआ?

सोनी ने कहा— हम मधुमक्खियों के बारे में जानना चाहते हैं।

उमा दीदी ने कहा— मधुमक्खी अत्यन्त ही उपयोगी जीव है, हजारों वर्षों से इनसे शहद और मोम से प्राप्त करता रहा है।

राजेश ने पूछा— मधुमक्खियाँ, शहद और मोम कैसे बनाती हैं?

उमा दीदी ने बताया कि छत्तों में मादा श्रमिक मधुमक्खियाँ होती हैं जो फूलों से रस चूसकर शहद बनाती हैं। इनके पेट से ही मोम निकलता है।

नन्दन ने पूछा—क्या छत्तों में मादा श्रमिक मधुमक्खियों के अतिरिक्त और तरह की मधुमक्खियाँ होती हैं?

उमा दीदी बोली — हाँ, हाँ, छत्ते में तीन तरह की मधुमक्खियाँ होती हैं। सबसे बड़े आकार की रानी मधुमक्खी तथा सबसे छोटे आकारवाली मादा श्रमिक मधुमक्खियाँ होती हैं तथा मध्यम आकार के कुछ नर मधुमक्खी भी होते हैं।

मोनी ने पूछा— ये मधुमक्खियाँ क्या क्या काम करती हैं ?

उमा दीदी ने कहा— रानी मधुमक्खी ही एकमात्र अंडे देनेवाली मधुमक्खी होती है। इसके द्वारा छत्ते की सभी मादा श्रमिक एवं नर मक्खियों का जन्म होता है। मादा श्रमिक मधुमक्खियाँ छत्तों का निर्माण करती हैं जबकि नर मधुमक्खी संतान उत्पन्न करने में सहयोग करते हैं।

बच्चे अभी बात कर ही रहे थे कि उन्हें आकाश में गोल—गोल चक्कर में घूमती मधुमक्खियों की भिन—भिनाहट सुनाई दी। नन्दन ने कहा— दीदी ऊपर देखिये, मधुमक्खियाँ।

उमा दीदी बोली— ये मादा श्रमिक मधुमक्खियाँ हैं। इन्हें फूलों के रस के बारे में पता चला है जिसकी सूचना वे अपने सहयोगी मधुमक्खियों को विशेष प्रकार से नाचकर भेज रही हैं। इनके संकेत को समझकर शेष श्रमिक मादा मधुमक्खियाँ फूलों का रस चूसने चली जाएँगी।

3. क्या आपने कभी मधुमक्खियों को नाचते देखा है?

4. पता कीजिए, मधुमक्खियाँ नाचते समय किस तरह की रचना बनाती हैं?

5. नीचे दी गई जगह में मधुमक्खी का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए।

सोनी ने उमा दीदी से पूछा— दीदी मधुमक्खियाँ किस प्रकार पाली जाती हैं?

उमा दीदी बगीचे में पड़े बक्से को दिखाते हुए बोली—लकड़ी के एक आयाताकर बक्से में मधुमक्खियाँ पाली जाती हैं। बक्से की दीवारों में छिद्र होते हैं। जिसके द्वारा मधुमक्खियाँ अन्दर—बाहर जा सकती हैं। इसके ढक्कन एवं दीवारों को सरकाया जा सकता है। बक्से के अन्दर लकड़ी या प्लास्टिक के सरकनेवाले खाँचे बने होते हैं तथा नीचे की ओर रानी मधुमक्खी का रहने का स्थान बना होता है। मधुमक्खियाँ बक्से के अन्दर अपने छत्ते का निर्माण करती हैं।



राजेश ने पूछा— इस बक्से से शहद कैसे निकालते हैं? क्या शहद निकालने से छत्ता टूट नहीं जाता है?

उमा दीदी बोली— इस बक्से के ढक्कन को सरका दिया जाता है तथा एक हैन्डिल (हत्थे) की सहायता से इसके भीतरी हिस्से को घुमाया जाता है। जिससे शहद रिसकर नीचे की ओर निकल जाता है तथा छत्ते को कोई क्षति नहीं पहुँचती है।

मोनी ने पूछा— क्या शहद निकालने के समय मधुमक्खियाँ काटती नहीं हैं।

उमा दीदी ने बताया कि शहद निकालते समय विशेष प्रकार के पोशाक से पूरे शरीर को ढँक दिया जाता है। कुछ लोग कम्बल भी ओढ़ लेते हैं। बचाव का उपाय करने के बाद भी कभी—कभी मधुमक्खियाँ काट लेती हैं।

नन्दन— दीदी शहद का हम लोग क्या—क्या उपयोग करते हैं?

उमा दीदी— शहद खाने के काम में आता है। इसका उपयोग दवाइयों के रूप में किया जाता है।

सोनी— दीदी, शहद बाजार में कैसे बिकता है?

उमा दीदी— हमारे जैसे शहद उत्पादक 100 से 125 रुपये प्रति किलोग्राम शहद बेचते हैं। लेकिन दुकानों में 250 से 300 रुपये प्रति किलोग्राम शहद बिकता है?

राजेश— दीदी, आपका बहुत—बहुत धन्यवाद। आपने हमें मधुमक्खियों के बारे में बहुत सारी बातें बताईं।

उमा दीदी— अब चलो, मैं तुम लोगों को शहद खिलाती हूँ।

6. पता कीजिए, आपके यहाँ शहद कैसे मिलता है?

7. क्या आपके यहाँ कोई मधुमक्खी पालन करता है?

8. क्या आप मधुमक्खी पालन का व्यवसाय अपनाना चाहेंगे? क्यों?

9. मधुमक्खियाँ कितने तरह की होती हैं?

10. श्रमिक मधुमक्खियाँ कौन-कौन से काम करती हैं?

11. मधुमक्खियों के छत्ते में अंडे देने का काम कौन सी मधुमक्खी करती हैं?

12. मधुमक्खियों का पालन कैसे किया जाता है?

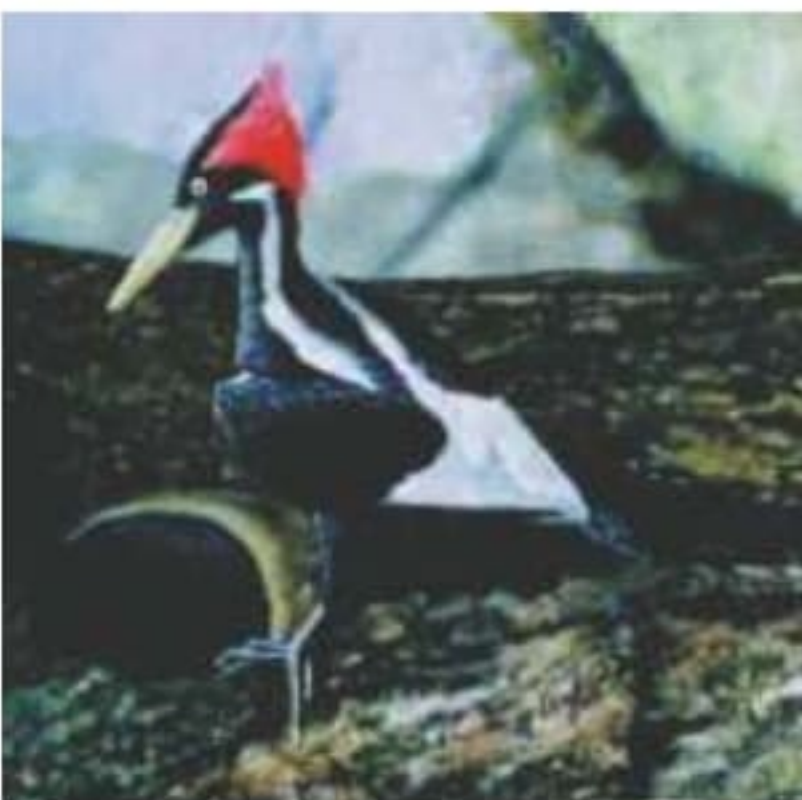
13. आप अपने घरों में शहद का उपयोग कहाँ-कहाँ करते हैं?

14. इनके अलावा शहद का उपयोग किन-किन कामों में होता है?

पाठ 17

तरह-तरह के पक्षी

आपने आस-पास कई तरह के पक्षी देखे होंगे। कुछ पक्षी बड़े होते हैं, तो कुछ छोटे। कुछ रंग-बिरंगे, तो कुछ एक ही रंग के। उनके घोंसले, भोजन आदि में भी कितने अंतर होते हैं। इस पाठ में हम पक्षियों के बीच के अन्तरों को और थोड़ा ध्यान से देखने की कोशिश करेंगे।



तरह-तरह की चोंच

1. क्या सभी पक्षियों की चोंच होती है? _____
2. नीचे कुछ पक्षियों की चोंच बनी है। उनके सामने अलग-अलग खाने की चीज़ों के नाम लिखे हैं। आपके अनुसार कौन सी चोंचवाला पक्षी क्या खाता होगा? मिलान कीजिए।

नाम

भोजन



फल और बीज



मछली



मांस

पक्षी की चोंच से हमें उसके खाने की आदतों के बारे में पता लगता है।



कुछ पक्षियों की चोंच ऐसी होती है।
ये फल और बीज चुगकर खाते हैं।



ऐसी चोंच मांस को चीरने-फाड़ने में
काम आती है। ये चोंच मांस खानेवाले
पक्षियों की है।



कुछ पक्षी मिट्टी में से कीड़े
खोदकर निकालते हैं। उनकी
चोंच ऐसी होती है।



कुछ पक्षी फूलों का रस पीते हैं
उनकी चोंच ऐसी होती है।



कुछ पक्षी मछली खाते हैं। मछली पकड़ने
और मिट्टी निथारने के लिए इनको ऐसी
चोंच की ज़रूरत होती है।



और ये है तोते की चोंच।
इससे वह कड़े बीज भी
फोड़ लेता है।

3. सभी पक्षियों की चोंच एक जैसी क्यों नहीं होती?

तरह-तरह के पंजे

सब पक्षियों के पंजे भी, चोंच की तरह एक जैसे नहीं होते हैं। पंजों की बनावट से पक्षियों के वास स्थान का पता लगाया जा सकता है।



ऐसे पंजे पेड़ की डाली पर बैठने के लिए।



ऐसे पंजे पानी में तैरनेवाले पक्षियों के होते हैं।



और ये पंजे शिकार पकड़ने के लिए



और ये पंजे ज़मीन पर चलने के लिए।

4. पक्षियों के पंजों की बनावट में अन्तर क्यों होता है?

5. यहाँ हम कुछ पक्षियों के चित्र दे रहे हैं। उनके चोंच और पंजे ध्यान से देखिए। बताइए कि वे क्या खाते होंगे और कहाँ-कहाँ रहते होंगे?



6. अपने आस-पास दिखनेवाली पाँच चिड़ियों को ध्यान से देखिए और नीचे बनी सारणी भरिए।

क्र.स.	पक्षी का नाम	रंग	चोंच	पंजे	क्या खाते हैं ?
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					

7. पहली समझ कर पक्षी का नाम लिखिए तथा चित्रों के साथ मिलान कीजिए।

चित्र



पहेली

सुंदर—सुंदर कलगी मेरी,
खींचती है सबका ध्यान,
चोंच मेरी ताकतवर है,
पेड़ छेदना मेरा काम।
मैं हूँ :



लम्बी टाँगों पर खड़ी रहती हूँ
इधर—उधर देखती रहती हूँ,
छूरी जैसी चोंच है मेरी
मार लेती हूँ मेंढ़क—मछली।
मैं हूँ :



सबसे पहले मैं ही जागता
दूसरों को फिर मैं जगता,
सुबह से जब तक हो शाम
दाना चुगना मेरा काम।
मैं हूँ :

जंगल में पिकनिक

जंगल में है चहल-पहल,
पिकनिक का है शोर,
बिल्ली बैठी घोड़े पर,
चली जंगल की ओर।



चींटी रानी चीनी लाई,
गाय ने दी दूध-मलाई,
चिड़िया ने चावल के सेंग
मीठी खीर खूब पकाई।

भालू ने जब थाल सजाया,
सजकर बंदर मामा आया,
हिरण-शेर-खरहा-गीदड़,
जमकर सबने भोग लगाया।



खूब खाये हाथी दादा,
पेट में तब आई बाधा,
चूहे ने इलाज बतलाया,
गरम-गरम पानी पिलवाया।

1. जंगल में जानवरों ने पिकनिक मनाई। यदि आप अपने दोस्तों के साथ पिकनिक पर जाएंगे तो क्या-क्या करेंगे?

2. (i) इस कविता में बहुत से जानवरों के नाम आए हैं। इनके नाम लिखिए। अगर आप और जानवरों के नाम जानते हैं, तो वे भी लिखिए।

- (ii) कुछ जानवर केवल जंगल में रहते हैं। कुछ को हम पालते हैं। कविता में आए जानवरों में से कौन से जानवर जंगली हैं और कौन पालतू हैं?

क्र.सं.	जंगली	पालतू
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

3. (i) कविता में बिल्ली ने घोड़े की सवारी की है। क्या आपने किन्हीं जानवरों की सवारी की है? यदि हाँ, तो उनके नाम लिखिए।

(ii) कुछ जानवर सवारी के काम आते हैं, कुछ सामान ढोने के तथा कुछ दोनों के। इन जानवरों का नाम तालिका में लिखिए।

क्र. सं.	सवारी के काम आनेवाले जानवर	सामान ढोने के काम आनेवाले जानवर	दोनों के काम आनेवाले जानवर
1.			
2.			
3.			
4.			

4. चित्र के नीचे गाड़ियों के नाम लिखिए।







5. आपने इनमें से किन-किन गाड़ियों पर सवारी की है?

6. सवारी के अलावा आप इन पशुओं का इस्तेमाल किन-किन कार्यों में करते हैं?

एक दिन लवली अपने स्कूल से घर जा रही थी। रास्ते में उसने देखा कि एक बैलगाड़ी पर बहुत सारा सामान लदा हुआ है। बैलगाड़ी के दोनों बैलों को इतना सामान खींचकर ले जाने में बहुत तकलीफ हो रही थी। लवली यह देखकर उदास हो गई और सोचने लगी, गाड़ीवान उनके साथ कैसा सलूक कर रहा है।

7. आपने कभी किसी पशु के साथ इस तरह का व्यवहार होते देखा है? आपको कैसा लगा?

लवली ने घर जाकर माँ को सारी बातें बताईं। माँ ने कहा, “उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। लेकिन सभी लोग उस गाड़ीवान जैसे नहीं होते हैं। कुछ लोग अपने पशुओं की देखभाल बहुत अच्छी तरह से करते हैं।”

8. जो लोग पशुओं को पालते हैं और उनसे काम लेते हैं, वे उनकी देखभाल कैसे करते हैं?

लवली की माँ ने बताया कि कुछ जानवरों के पैरों की सुरक्षा के लिए उनके पैरों के खुरों में नाल भी ठोका जाता है।



9. (i) यदि घोड़े के खुरों में नाल नहीं लगाई जाए तो क्या होगा?

(ii) किन-किन पशुओं के पैरों में नाल लगाए जाते हैं?

10. पालतू जानवरों में से कुछ जानवर आपके नज़दीक रहना पसंद करते हैं? इनके नाम लिखिए।

11. कुछ जानवर बेहद शर्मीले होते हैं। इनके नाम लिखिए।

मीकू बंदर की कहानी

मीकू नाम का छोटा बंदर अपने पूरे परिवार के साथ घने जंगल में रहता था। वह हर समय उधम मचाता रहता था। एक बार वह घूमते-घूमते एक गाँव में पहुँच गया। उसने एक बच्चे के हाथ से रोटी छीन ली। बच्चा डरकर रोने लगा। तभी वहाँ पर गाँव के अन्य बच्चे भी आ गए। बहुत सारे बच्चों को देखकर मीकू बंदर डर गया। उसी समय, मीकू को खोजते-खोजते उसके समूह के अन्य बंदर आ गए। एक वृद्ध बंदर ज़ोर से खिखियाया। बंदरों के समूह से डरकर सभी बच्चे भाग गए। मीकू

बंदर दौड़कर अपनी माँ की गोद में सिमट गया। वृद्ध बंदर के इशारा करते ही सभी बंदर आम और जामुन के बगीचे में चले गए।



12. (i) बच्चों से मीकू बंदर की रक्षा किसने की?

- (ii) किसके इशारे पर सभी बंदर बगीचे में चले गए?

13. यदि आपको कभी मौका मिले तो बंदरों के समूह को ध्यान से देखिए और उनके क्रियाकलापों को लिखिए।

14. बंदर की तरह और बहुत से जानवर समूह में रहते हैं। इनके नाम लिखिए।

15. जानवरों के अलावा कुछ छोटे-छोटे जीव एवं पक्षी भी समूह में रहते हैं। इनके नाम लिखिए।

16. पशु-पक्षियों और अन्य जीवों को समूह में रहने के क्या फायदे होते हैं? लिखिए।

17. (i) क्या आप अकेले रहते हैं या समूह में? _____
- (ii) आप किसके साथ रहते हैं? आपको इसके क्या फायदे लगते हैं?

18. जो जानवर समूह में नहीं रहते हैं, उनके नाम लिखिए।

_____	_____	_____
_____	_____	_____

परियोजना कार्य

- जो जानवर समूह में रहते हैं उनके चित्र इकट्ठा कीजिए और उन्हें कॉपी में चिपकाइए।
- अपने मन पसंद जानवर का चित्र बनाइए और उसे कक्षा में टाँगिए।

पाठ 19

ककोलत से कन्याकुमारी

गर्मी की छुट्टियों में नन्ही, अंकुर, मान्या और स्वीटी अपने दोस्तों के साथ नवादा जिले में स्थित ककोलत घूमने आये थे। यहाँ पहाड़ों के ऊपर से वर्ष पर्यन्त एक झरना बहता रहता है। दूर-दूर से हज़ारों लोग उस झरने में स्नान करने आते हैं। सभी बच्चों को नहाने में बहुत मजा आ रहा था। नन्ही बोली—इस ठंडे पानी से मुझे निकलने की इच्छा ही नहीं हो रही है। मान्या ने कहा—ज्यादा नहाओगी तो इस गर्मी में भी तुम्हें सर्दी लग जाएगी। स्वीटी बोली—घर पर मैं कुएँ या चापाकल के पानी से नहाती हूँ। कभी-कभी पास के तालाब पर भी चली जाती हूँ। अंकुर ने कहा—मुझे तो नदी में नहाना बहुत अच्छा लगता है।



ककोलत झरना का चित्र

1. आप भी कभी-कभी घर से बाहर स्नान करने जाते होंगे। बताइए आप कहाँ स्नान करने जाते हैं ?

स्वीटी पिछली सर्दियों में अपने भैया—भाभी के साथ राजगीर गई थी। वहाँ गर्म जल के छोटे—छोटे झरने एवं कुण्ड हैं। सर्दियों में गर्म पानी के झरने या कुण्ड में स्नान करने का मजा ही कुछ और है।



राजगीर ब्रह्म कुण्ड एवं सप्तधारा का चित्र

2. अगर आस—पास में कहीं गर्म या ठंडे पानी की झरना या कुण्ड है तो उसका नाम लिखें।

गर्म पानी का झरना या / कुण्ड	ठंडा पानी का झरना / कुण्ड

3. हमारे आस—पास झरनों और कुण्डों के अतिरिक्त पानी के बहुत सारे भंडार हैं। क्या आप पानी के भंडारों के नाम बता सकते हैं ?

_____	_____
_____	_____
_____	_____

अंकुर ने बतलाया मेरा दोस्त इशु अपने माता—पिता के साथ अपने देश के सुदूर दक्षिण कन्याकुमारी घूमने गया था। उसने बतलाया कि कन्याकुमारी हिन्द महासागर के तट पर है। हिन्द महासागर पानी का बहुत बड़ा भंडार है। दूर—दूर तक सिर्फ पानी ही पानी है। तट पर खड़े होकर सामने देखने से दूसरा किनारा, कहीं दिखाई नहीं देता है।



कन्याकुमारी

मान्या बोली-इशु ने यह भी कहा था कि समुद्र के अन्दर शंख, सीप, केकड़ा, आदि भी पाये जाते हैं। समुद्र के अन्दर या उसके आस-पास के पौधे भी कुछ अलग तरह के होते हैं।

नन्ही ने कहा- हमारे यहाँ भी तो नदियों तालाबों में अनेक जीव जन्तु तथा पौधे पाये जाते हैं।

4. आप भी किसी जल स्रोत यथा, नदी, तालाब आहर आदि के निकट अपने मित्रों के साथ जाइये और उसमें पाये जाने वाले जीव-जन्तुओं एवं पौधों की सूची बनाइए।

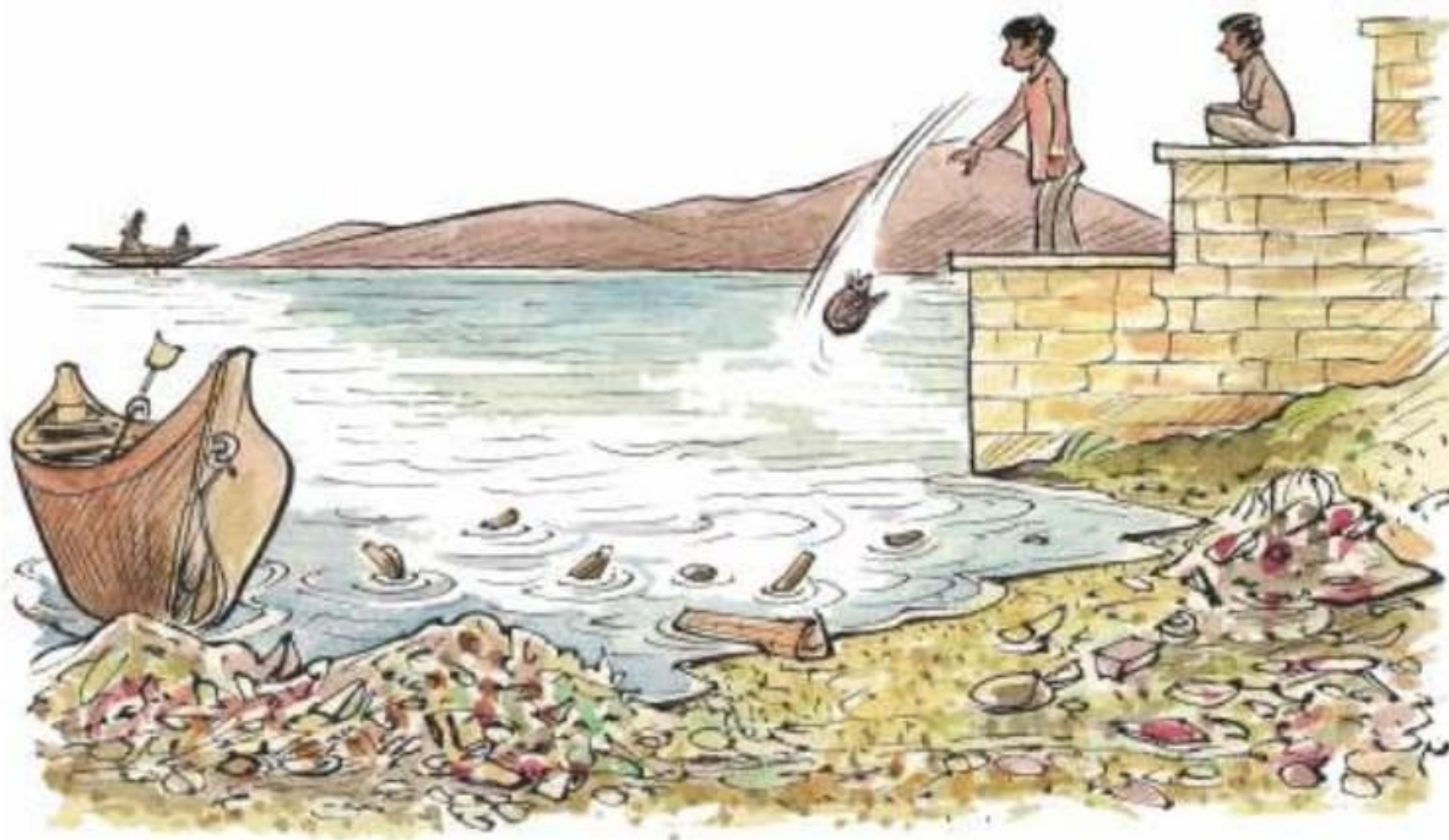
जल स्रोत का नाम	जीव-जन्तु	पौधे

स्वीटी ने कहा—पानी हमारे लिए बहुत उपयोगी है। यह हमारी प्यास बुझाता है, हम इससे नहाते हैं। अपना भोजन बनाते हैं।

5. क्या आप बता सकते हैं पानी का किन-किन कामों में उपयोग करते हैं?

_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

अंकुर ने कहा गंगा—दशहरा के समय मैं अपने माता—पिता के साथ गंगा स्नान करने पटना गया था। गंगा का पवित्र पानी मल—मूत्र, कूड़े—कचड़े से काफी गन्दा लग रहा था। मेरा नहाने का उत्साह ही समाप्त हो गया।



प्रदूषित गंगा

मान्या बोली—यह सच है कई लोग पानी में कूड़ा—करकट, पालीथीन, कपड़ा आदि फेंककर उसे प्रदूषित कर देते हैं।

6. क्या आपके आस—पास में जल स्रोत को भी लोग प्रदूषित कर देते हैं?

7. जल स्रोत के निकट जाकर पता लगायें किन-किन कारणों से जल प्रदूषित हो रहा है?

_____	_____
-------	-------

स्वीटी बोली—गन्दा पानी हमारे किसी काम का नहीं है। न तो इसे हम पीने के उपयोग में ला सकते न इससे भोजन बना सकते हैं।

अंकुर ने कहा—हमारी शिक्षिका कह रही थीं कि गन्दा पानी पीने से लोग बीमार हो जाते हैं। उन्हें हैजा, पेचिस, पीलिया आदि कई तरह की बीमारियाँ हो जाती हैं।

8. आप भी अपने शिक्षकों से पूछकर पता कीजिए कि प्रदूषित पानी पीने से कौन-कौन सी बीमारियाँ होती हैं ?

9. अपने मित्रों के साथ जल स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाने के उपायों पर चर्चा कीजिए? और उन्हें लिखिए।

मान्या बोली जो जल इतना ज्यादा महत्वपूर्ण है हमें उसे न केवल प्रदूषित होने से बचाना चाहिए बल्कि यह हमेशा उपलब्ध रहे इसके प्रति भी सचेत रहना चाहिए।

अंकुर ने कहा जल हमारी सबसे बड़ी ज़रूरत है। इसके बिना खाना—पीना क्या जीना भी मुश्किल है। हमें बेवजह जल को बर्बाद करने की आदत से बचना चाहिए।

10. क्या आप बता सकते हैं हमारे आस-पास कैसे-कैसे पानी बर्बाद होता है?

विद्यालय में _____

घर में _____

मोहल्ले में _____

11. जल की बर्बादी रोकने के लिए हम लोग कौन-कौन से कदम उठा सकते हैं?

आइए कुछ करें—

12. आप दो रुमाल लेकर भिगो लीजिए। एक रुमाल को धूप में डाल दें तथा दूसरे को छाया में रख दें। एक घंटे के बाद दोनों रुमालों में क्या परिवर्तन हुआ? बताइए।

धूप में रखा रुमाल _____

छाया में रखा रुमाल _____

13. धूप में रखे रुमाल का पानी कहाँ चला गया? सोचकर बताइए।

दो काँच के गिलास लीजिए। एक में गर्म पानी और दूसरे में बर्फ वाला पानी डालिए। थोड़ी देर बाद देखिए और बताइए।

14. क्या गिलास की बाहरी सतह में कोई परिवर्तन दिखाई दिया? क्या परिवर्तन हुआ?

15. क्या गिलास की बाहरी सतह पर दिखनेवाला पानी गिलास की सतह को छेदकर बाहर आ गया? सोचिए।

16. अगर आप के यहाँ दाल या चावल पक रहा हो तो देखें कि भाप निकल रहा होगा। उड़ते हुए भाप के ऊपर एक स्टील का प्लेट लाइए तथा थोड़ी देर रखकर वापस हटा लीजिए। प्लेट की सतह पर कुछ दिखाई देता है क्या? लिखिए।

17. प्लेट की सतह पर पानी की बूँदें कहाँ से आई ?

मान्या के शिक्षक ने बताया था कि धूप या गर्मी से पानी भाप बनकर ऊपर उठ जाता है। बहुत सारी भाप जब ऊपर में मिलती हैं तो बादल बन जाते हैं। वही बादल ठंडे होकर पानी बरसाते हैं।

18. आप अपने शिक्षक से पता कीजिए कि पानी के भाप बनकर उड़ने एवं बादल बनकर बरसने की क्रिया हमेशा चलती रहती है क्या?

पानी की खासियत—

19. हम लोगों ने पानी के भाप बनने और गिलास की सतह पर पानी के जमा होने की खूबियों को जाना है। पानी की अन्य कई खूबियाँ हैं। यह अपने में कुछ चीजों को घोल लेता है तो कुछ को नहीं। कुछ चीजें इसमें तैरती हैं तो कुछ डूब जाती हैं। बताइए—

(क) क्या पानी का कोई स्वाद होता है? _____

(ख) क्या पानी में गंध होती है? _____

(ग) पानी की उन खूबियों को लिखिए जिन्हें आप जानते हैं।

हमारे मददगार - कामगार

तन पर तेरे कपड़े सुंदर,
बोलो कहाँ से आया,
काट-छाँटकर तेरे लायक,
किसने इसे बनाया?



चूड़ी, नेकलेस, टीका, हार,
सुन्दर तन सजाता कौन,
पायल, बिछिया, बेशर जैसा,
सुन्दर गहना गढ़ता कौन?



लड्डू-पेड़ा और रसगुल्ला,
खाकर करते हल्ला-गुल्ला,
तुमने खाई ढेरों मिठाई,
अब बतलाओ, किसने बनाई?



जिस मेज पर लिखते तुम,
खाट-पलंग पर सोते तुम,
इनको कौन बनाता है
उसका नाम सुझाओ तुम

1. पिछले पृष्ठ पर लिखी पहेलियों को पढ़िए। इन पहेलियों में छुपे कामगारों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए।

2. आपके पास-पड़ोस में भी बहुत से कामगार होंगे। उनसे जानकारी प्राप्त कर, नीचे की सारणी में लिखिए।

क्र.सं.	कामगार	किन औजारों का प्रयोग करते हैं?	क्या-क्या बनाते हैं?
1.	कुम्हार		
2.	लोहार		
3.	मोची		
4.	बढ़ई		
5.	दर्जी		
6.	ठठेरा		
7.	सोनार		
8.	हलवाई		

सारणी में दिए गए कामगारों के अलावा हमारे आस-पास में और भी बहुत से कामगार रहते हैं। ये कामगार अपने काम से हमें लाभ पहुँचाते हैं। उदाहरण के लिए— पत्तल बनानेवाले, भूजा भूजनेवाले इत्यादि।

3. ऐसे विभिन्न प्रकार के कार्यों और उन्हें करनेवालों को क्या कहते हैं? सूची में लिखिए।

क्र.सं.	काम	काम करनेवाले का नाम
1.		
2.		
3.		
4.		

कामगारों की एक-दूसरे पर निर्भरता

जिस तरह हम कामगारों पर निर्भर होते हैं, उसी तरह कामगार भी एक दूसरे पर निर्भर होते हैं। किसान खेतों में अनाज, फल और सब्जियाँ पैदा करते हैं। इसके अलावा कपास, पटसन, ईख इत्यादि की भी खेती करते हैं। इनसे बहुत प्रकार की उपयोगी चीजें बनाते हैं।

4. इस सारणी को पूरा कीजिए।

क्र.सं.	किसान द्वारा उपजाई गई वस्तुएँ	कामगार द्वारा तैयार की गई वस्तुएँ
1.	पटसन	बोरा, थैला, चटाई, रस्सी
2.	ईख	
3.	सरसों	
4.	फूल	
5.	कपास	

इसी तरह किसानों को भी फसल उपजाने के लिए विभिन्न प्रकार के औज़ार, खाद, बीज और पानी की ज़रूरत होती है।

5. किसानों के उपयोग में आनेवाली वस्तुओं और उन्हें बनानेवाले कामगार का नाम नीचे सारणी में लिखिए?

क्र. सं.	विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ	उपयोग	वस्तुओं को बनानेवाले कामगार
1.	खुरपी		
2.	कुदाल		
3.	डलिया		
4.	हल		
5.	रस्सी		
6.	कुल्हाड़ी		

6. यदि इन औजारों को बनानेवाले इन्हें बनाना बंद कर दें तो एक किसान को क्या-क्या कठिनाइयाँ होंगी?

7. यदि किसान अनाज पैदा नहीं करें तो इन औजारों के बनानेवालों को क्या परेशानियाँ होंगी?

8. यदि आपके गाँव में नाई नहीं होता तो क्या होता?

9. यदि आपके गाँव में लुहार-बढ़ई नहीं होते तो क्या होता?

10. कामगार और किसान एक दूसरे की मदद किस प्रकार करते हैं? लिखिए।

11. आज हमारे किसान खेती के साथ-साथ अन्य कई काम भी करते हैं। जिसमें उनके परिवार के लोग उसकी मदद करते हैं। आपके गाँव में दूध बेचनेवाले भी होंगे, उनसे मिलिए और पूछिए कि वे दूध क्यों बेचते हैं?

12. आपके आस-पास गाय-भैंस के अलावा भी जिन पशु-पक्षियों को व्यावसायिक उपयोग के लिए पाले जाते हैं। उनकी एक सूची बनाइए।

13. यदि तुम्हारे आस-पास ऐसे काम करनेवाले हैं तो उस जगह पर जाइए और पता लगाइए—

(i) वहाँ किस पशु या पक्षी का पालन किया जा रहा है।

(ii) उन्हें कहाँ रखा जाता है?

(iii) उन्हें खाना के रूप में क्या-क्या दिया जाता है?

(iv) उनके रहने के लिए विशेष रूप से क्या व्यवस्था की गई है?

(v) यदि पशु बीमार पड़ते हैं तो वह पशुपालक क्या करता है?

(vi) वह अपने तैयार चीजों को कहाँ और किनके पास बेचते हैं?

14. कामगार काम करने के लिए जा रहे थे। यात्रा के क्रम में सभी लोगों का सामान मिल गया।
उन्हें सामानों तक पहुँचाइए।



दवाइयाँ

आरी

मोची का त्रिकोना
(नौरंगा)

हथौड़ा

टेप(फीता)

घड़ा



टकुआ

ब्रश

कुदाल

कैंची



वर्मा कमानी

सुराही

सिलाई मशीन

इंजेक्शन



तरह-तरह के घर

पवन और सोनम घर बनाने का खेल, खेल रहे थे। उन्होंने दो बड़ी छतरियों को खोल रखा था। पवन उन छतरियों को एक पुरानी चादर से ढँकने की कोशिश कर रहा था। सोनम दोनों छतरियों को पकड़े हुए उनके बीच बैठी थी। जब उसे लगा कि उसका घर बन गया है तो उसने छतरियों से अपने हाथ हटा लिए। लेकिन ये क्या! अचानक सब कुछ हिला और ढेर हो गया। छतरियाँ और चादर, दोनों सोनम के ऊपर गिर पड़े।



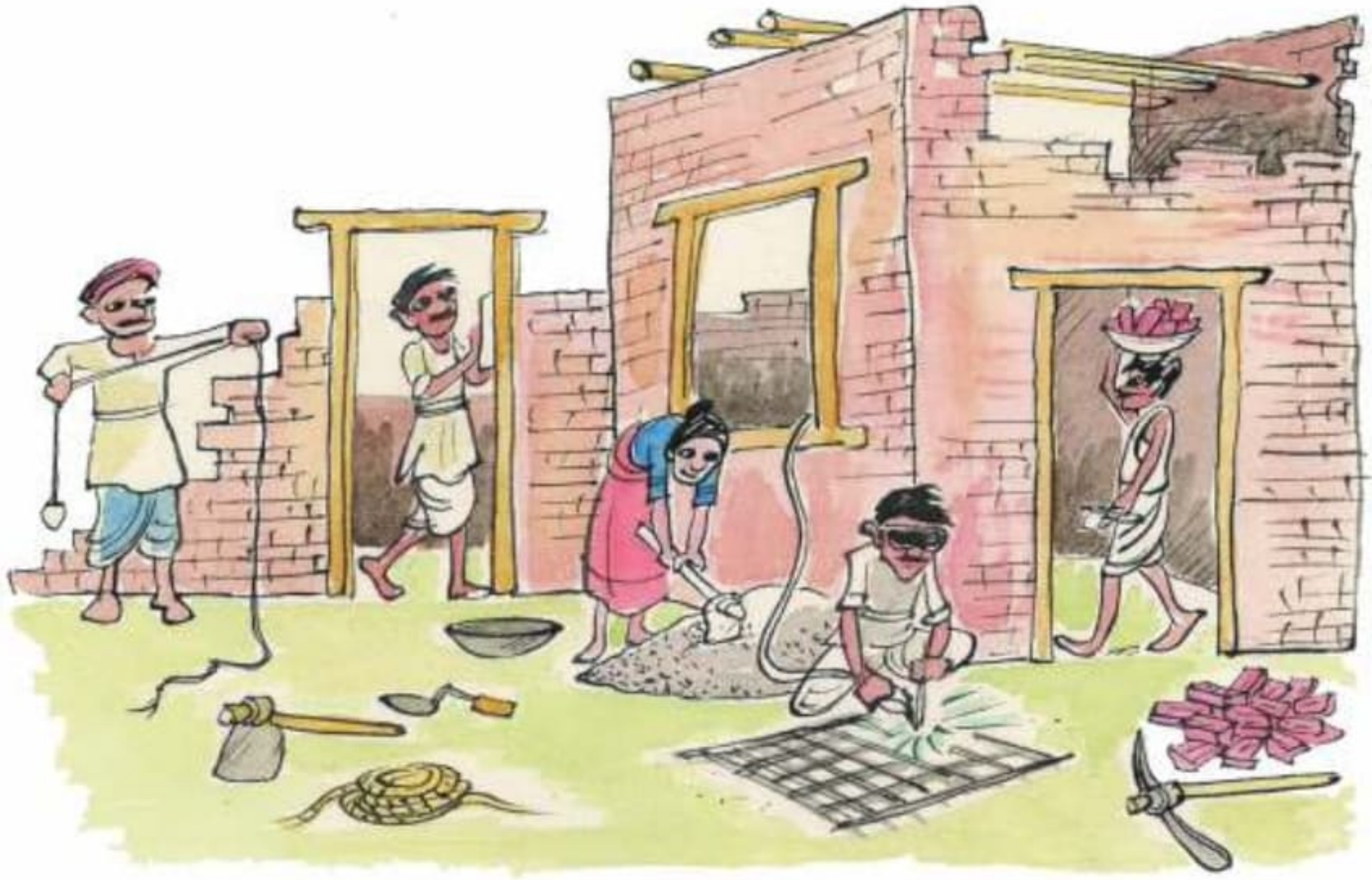
पवन ने पूछा, “सोनम, तुम्हें चोट तो नहीं लगी?”

सोनम ने कहा, “नहीं, लेकिन पवन, हमें इससे मज़बूत घर की ज़रूरत है।”

“तुम सही कह रही हो सोनम,” पवन ने कहा “इतना बड़ा घर जिसमें हम दोनों आराम से बैठ सकें और जो न गिरे।” तभी दादाजी आकर उनके पास बैठ गए और बोले, “लोग तरह-तरह के घर बनाते हैं। उनका घर मज़बूत रहे इसका भी वे पूरा ध्यान रखते हैं।”

1. आपके आस-पास किस-किस तरह के घर हैं? (✓) का निशान लगाकर बताइए—

- (i) मिट्टी और पत्थर के बने घर
- (ii) ईंट और सीमेंट के बने कच्ची छतवाले घर
- (iii) ईंट और सीमेंट के बने पक्की छतवाले घर
- (iv) घास-फूस के बने घर



2. इन घरों को बनाने के लिए कौन-कौन सी सामग्री की ज़रूरत पड़ती है?

3. (i) घर बनाने में किन-किन लोगों की मदद की ज़रूरत होती है?

(ii) घर बनाने में कौन-कौन से औज़ार काम आते हैं?

4. घर को मज़बूत बनाने के लिए क्या-क्या किया जाता है?

सोनम दादाजी से बोली, “क्या आपके समय भी अभी की तरह के घर होते थे?”

दादाजी ने बताया, “हमारे समय में आज की तरह पक्के घर कम देखने को मिलते थे। बहुमंज़िला इमारतें तो होती ही नहीं थीं। हमारे समय में मिट्टी और खपरैल के घर होते थे।”



पवन बोला, “अरे हाँ! मैं जब गर्मी की छुट्टियों में चाचाजी के पास पटना गया था तो बहुत सारी बहुमंज़िला इमारतें देखीं। दादाजी ने बताया कि ऐसी बहुमंज़िला इमारतें जिनमें लोग रहते हैं, उन्हें ‘अपार्टमेन्ट’ कहा जाता है। ऐसी बहुमंज़िला इमारतों के अंदर दो-तीन कमरों के कई छोटे-छोटे घर होते हैं।”

तभी पवन बोला, “चाचाजी चौथे तल्ले के फ्लैट में रहते हैं। यह घर मुझे ज़रा भी पसंद नहीं आता। छत पर जाना मुश्किल और खेलने को भी कोई जगह नहीं।

सोनम बोली, “शहरों में इस प्रकार की बहुमंज़िला इमारतें बनाने की आवश्यकता क्यों पड़ती है?”

5. आप भी सोचिए और लिखिए।

दादाजी ने बताया कि विभिन्न जगहों पर बनाए जानेवाले घर वहाँ के मौसम और वहाँ उपलब्ध सामग्री के अनुरूप होते हैं। उन्होंने एक किताब में जगह-जगह मिलनेवाले घरों के चित्र दिखाए। सोनम ने पूछा, “दादाजी, ऐसे घर कहाँ-कहाँ मिलते हैं?”

6. आप भी अपने शिक्षक से पता कर लिखिए।



बर्फीले प्रदेशों में जहाँ चारों ओर बर्फ—ही—बर्फ होती है न पत्थर न ही ईंट और न ही मिट्टी। यहाँ बर्फ की सिल्लियों के घर बनाए जाते हैं। इन घरों को “इग्लू” कहते हैं। इन घरों की दीवारें अंदर से छूने पर ठंडी तो लगती हैं, पर वे बाहर गिरती बर्फ और ठंडी हवा को अंदर नहीं आने देती हैं।

करके देखिए

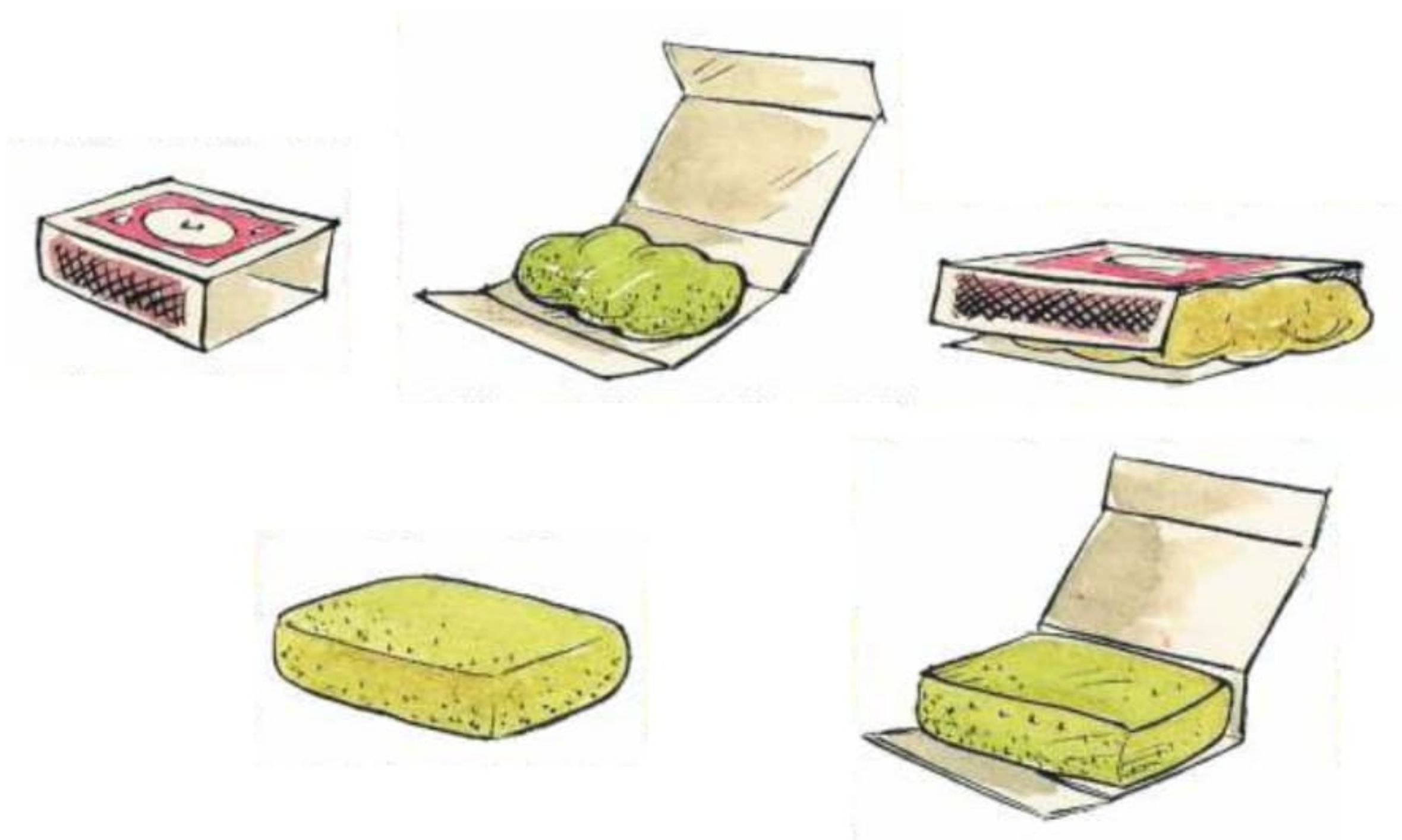
आप भी अपना मिट्टी का घरौंदा बना सकते हैं। इसके लिए आप नीचे लिखी सामग्री इकट्ठा कीजिए और दिए गए निर्देशों के अनुसार करते जाइए।

आओ, ईंट बनाएँ

आपको जरूरत होगी— दियासलाई के दो खाली डिब्बे, मिट्टी, ज़मीन पर बिछाने के लिए अखबार, मग, पानी और बाल्टी।

मिट्टी में पानी मिलाकर सानिए। सानने पर मिट्टी ऐसी हो कि आप उसे हाथ में रखकर आकार दे सकें। अब नीचे चित्रानुसार दियासलाई के डिब्बे में मिट्टी भरकर ईंट बना लीजिए।

ऐसी कम-से-कम 10-15 ईंटें बना लीजिए। अब इन ईंटों को धूप में सूखने दीजिए।



7. आप किसी ईंट के भट्ठे पर जाइए और पता लगाइए—

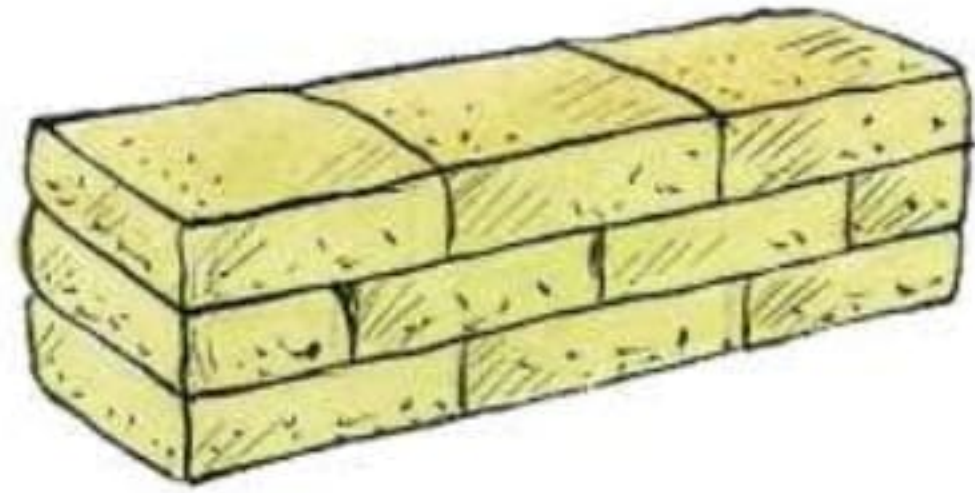
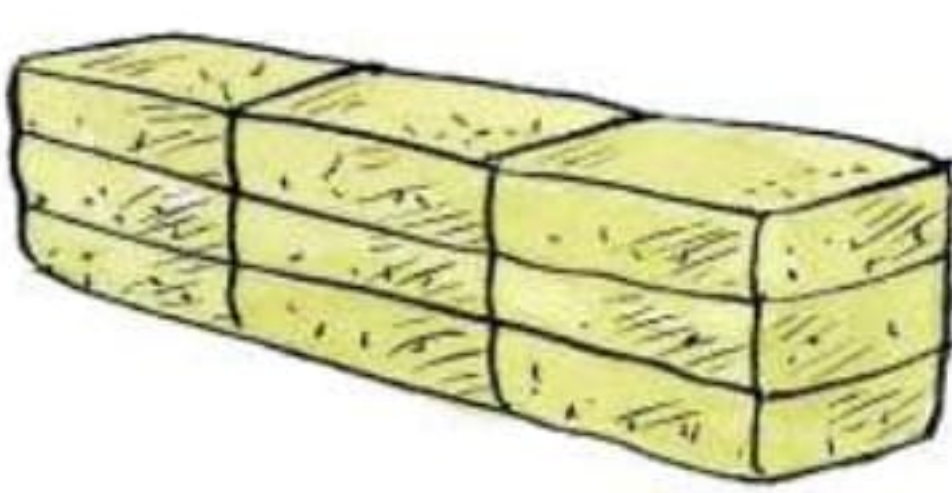
(i) ईंट बनाने के लिए किस तरह की मिट्टी की ज़रूरत होती है?

(ii) लोग ईंट कैसे बनाते हैं?

(iii) ईंट को मज़बूत बनाने के लिए क्या-क्या करते हैं?

आओ दीवार बनाएँ

अपनी और अपने दोस्तों द्वारा बनाई गई सभी ईंटें इकट्ठा कीजिए। उन्हें जोड़-जोड़कर एक दीवार बनाइए। किस तरह ईंट जोड़ने से दीवार ज़्यादा मज़बूत होगी।



8. किसी मिस्त्री के पास जाकर पता कीजिए कि जब वो दीवार बनाता है तो उसकी मज़बूती के लिए वह क्या-क्या करता है?

अपना घरौंदा बनाइए

ऊपर आपने एक दीवार बनाई है। इसी तरह अपने घरौंदे की अन्य दीवारें भी बनाइए। घरौंदे में खिड़की दरवाज़ा रखना मत भूलिएगा। अब अपने घर की छत बनाने की कोई तरकीब ढूँढिए।

अजय जब गाँव लौटे

लगभग तीस वर्षों के बाद आज अजय अपने पैतृक गाँव खुटकट लौटे हैं। यह गाँव जमुई जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर है। इसी गाँव में दादाजी के साथ उनका बचपन बीता है। वे जब 12 वर्ष के थे तब पिताजी के साथ पढ़ाई करने के लिए बोकारो चले गए थे।

अजय अपने गाँव आकर काफी प्रसन्न और आश्चर्यचकित हैं। उनके समय में गाँव की गलियाँ कच्ची थीं और घर मिट्टी एवं खपरैल के बने थे। कुछ लोग फूस की झोंपड़ियाँ बनाकर भी रहते थे। शौचालय के लिए लोग नदी किनारे या खुले मैदानों, खेतों में जाते थे।

बताइए —

1. आपके दादा-दादी या आपके बड़े जब आपकी उम्र के थे तब —

(i) वे कहाँ रहते थे ?

(ii) उनका घर किन किन चीजों से बना था ?

(iii) क्या उनके घर में शौचालय था ?

(iv) उनके घर में खाना कहाँ बनता था ? उसे क्या कहा जाता था ?

(v) जलावन (ईंधन) के रूप में क्या क्या इस्तेमाल होता था ?

(vi) क्या घर में पूजा के लिए कोई निश्चित जगह होती थी ? उसे किस नाम से जाना जाता था ?

अजय की यादें ताज़ा होने लगीं। बाग-बगीचे, खेत-खलिहान याद आने लगे। समय तेजी से बदला। बाहर की तरह गाँवों के घर भी पक्की ईंटों से बन गए हैं। छत भी सीमेंट की है। रसोईघर बड़ा हो गया और घर में शौचालय भी है।

2. आप किसी पक्की ईंट से बने घर को जाकर देखिए । पता कीजिए –

(i) इस प्रकार के घरों को बनाने में किन किन सामग्रियों का प्रयोग किया गया है?

(ii) क्या घर में शौचालय है? यह किस प्रकार काम करता है ?

(iii) शौचालय की सफाई कौन करता है?

(iv) खुले में शौच जाने से क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं ?

3. पहले और आज के घरों में काफी अंतर आ गया है। उन अंतरों को अपने शिक्षक की मदद से लिखिए –

क्र.सं.	क्षेत्र	आज से 30-40 वर्ष पहले का घर	आज का घर
1.	बरामदा		
2.	दीवार		
3.	छत		
4.	शौचालय		
5.	पूजाघर		
6.	रसोईघर		
7.	कमरा		
8.	खिड़कियाँ		
9.	आँगन		
10.	मंजिल		

4. घर बनाने में विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का उपयोग होता है ? कुछ सामान तैयार होकर बाहर से आता है और कुछ सामग्रियाँ वहीं पर स्थानीय रूप से तैयार की जाती हैं। आइए, उसकी एक सूची बनाइए –

(i) स्थानीय रूप से बननेवाले _____

(ii) बाहर से आनेवाली _____

5. अपने आस-पास में जहाँ मकान निर्माण का काम चल रहा हो वहाँ जाकर पता लगाइए—

(i) दीवार कैसे बनती है ?

(ii) घर की दीवार/ छत बनाने वाले कारीगर को क्या कहते हैं ?

(iii) राजमिस्त्री मकान बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरणों का प्रयोग करता है ? उनके नाम लिखिए—

_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

(iv) मकान बनाने में कई लोग काम करते हैं, फिर भी राजमिस्त्री एक मुख्य कामगार है। क्या राजमिस्त्री सिर्फ मकान ही बनाता है या अन्य चीज़ों का भी निर्माण करता है ? जरा सोचिए —

_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

आज अजय अपने गाँव आकर सोच रहे हैं, बाँस से बनी चचरी पुल क्या अब भी है? वे अपने विद्यालय इसी चचरी पुल को पार कर जाते थे। गाँव के लोगों ने बताया कि आज उसकी जगह पक्के पुल बन गए हैं।



बाँस से बना पुल



ईंट-सीमेंट से बना पुल

6. आपके आस-पास भी कोई पुल-पुलिया अवश्य होगा। उसे जाकर देखिए और बताइए।

(i) ईंट के पुल को सहारा किस चीज़ से दिया गया है ?

(ii) उसकी मोटाई का अनुमान कर लिखिये ?

(iii) ईंट का पुल बाँस के पुल से किस तरह अलग है ?

(iv) बाँस के पुल को एक समय में कितने लोग पार कर सकते हैं?

(v) आपको कौन सा पुल पारकर जाना ज्यादा अच्छा लगेगा? क्यों ?

(vi) क्या आपने अन्य प्रकार के पुल को कभी पार किया है ? वह आपको कैसा दिखाई दे रहा था ?

(vii) अपने दादा—दादी या बड़े—बुजुर्गों से पता कीजिए कि उनके बचपन में पुल कैसे होते थे?



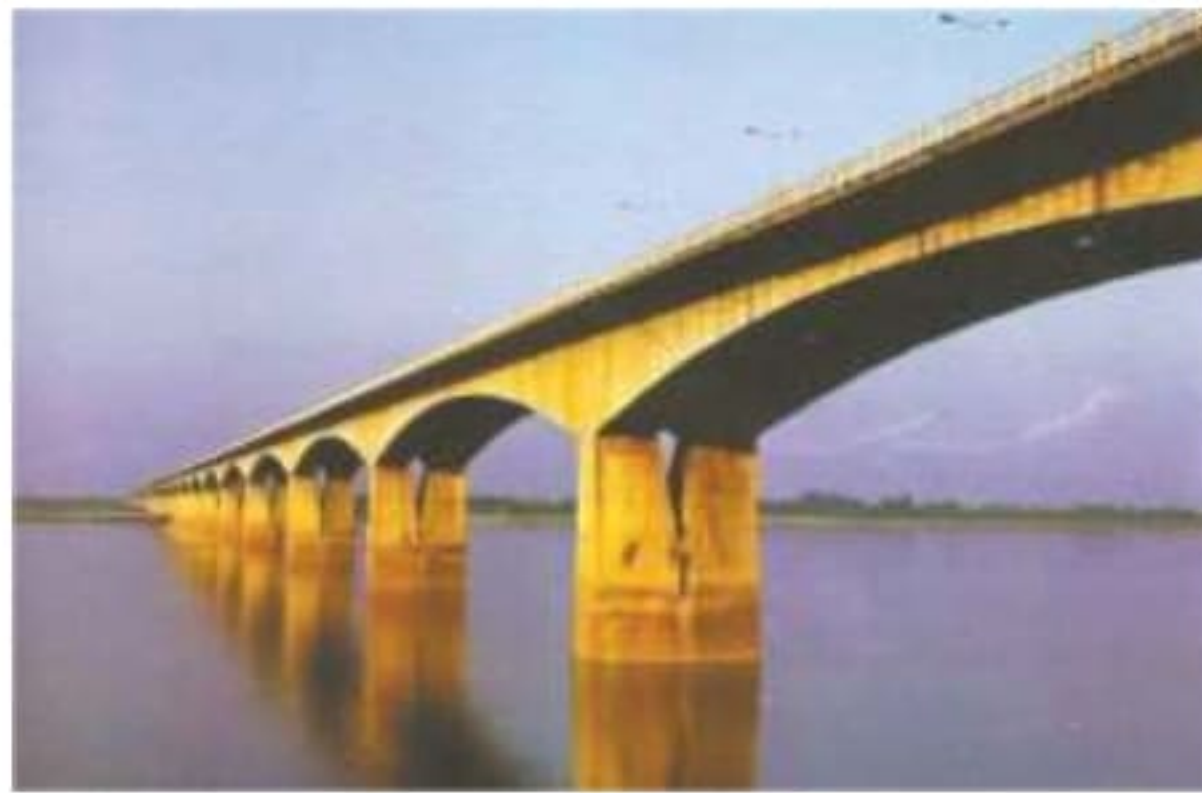
हावड़ा ब्रिज



पटना का चिरैयाटाँड़ ओवरब्रिज



राजगीर का रज्जु मार्ग



गंगा नदी पर बना महात्मा गाँधी सेतु

7. इन चित्रों के संबंध में अपने शिक्षकों से बातचीत कर जानकारी प्राप्त कीजिए और बताइए—

(i) क्या सभी प्रकार के पुल के पायों (पीलर) में ईंटों का ही प्रयोग होता है ? यदि नहीं तो उन सामग्रियों के नाम लिखिए।

(ii) पुल कहाँ— कहाँ बनाया जा सकता है ?

(iii) आपने कितने तरह के पुल—पुलियों को देखा है ? उनके नाम लिखिए।

(iv) सोचिए, अगर पुल-पुलिया नहीं होता तो क्या-क्या परेशानियाँ होतीं ?

अजय पुल पारकर बाजार जानेवाली मुख्य सड़क पर आए। उन्होंने देखा डेढ़ किलोमीटर के बीच बाग-बगीचे की जगह अब ईंट के चिमनी भट्टे खुल गए हैं। कच्ची ईंट बनाई जा रही हैं। आठ-दस चिमनियों से काला धुआँ लगातार निकल रहा था। चिमनी के आस-पास एवं सड़क पर चिमनी से निकली धूल, धुआँ, और राख उड़ रहे थे। ट्रैक्टर के टेलर से खुले में ही मिट्टी, रेत और ईंटों को ढोया जा रहा था। सड़क पर चलना कठिन हो रहा था। उन्होंने अपने नाक और मुँह पर रुमाल रख लिया और बाज़ार की ओर चल दिए।

8. बताइए—

(i) ईंट पकाने में कम से कम धुआँ निकले, इसके लिए क्या किया जाना चाहिए?

(ii) इन धूल और धुआँ का वहाँ के निवासियों पर कम से कम प्रभाव पड़े, इसके लिए क्या क्या किया जाना चाहिए?

(iii) घनी आबादी के बीच ईंट चिमनी खोलना क्या उचित है ?

(iv) चिमनी भट्ठा कैसी जगह पर बनाना चाहिए ?

(v) चिमनी भट्ठे पर बहुत सारे बच्चे अपने माता-पिता के साथ काम करते रहते हैं और विद्यालय नहीं आते हैं। उनके बारे में आप क्या सोचते हैं?

(vi) क्या उन्हें काम करते रहना चाहिए या विद्यालय भी आना चाहिए?

(vii) यदि वे विद्यालय नहीं आते हैं तो आप क्या कर सकते हैं?

परियोजना कार्य

(i) राजमिस्त्री के उपकरण तथा भवन निर्माण में उपयोग में आनेवाले सामग्रियों का चित्र बनाइए।

(ii) ईंट, दिवाल, पुल-पुलिया का रेखांकन कीजिए।

(iii) मिट्टी बालू से खिलौने, पुल, घरोंदा आदि का निर्माण कीजिए।

(iv) आस-पास से एक ईंट लीजिए और उसके माप तौल लिखिए।

लम्बाई ————— से० मी० चौड़ाई ————— से० मी०

मोटाई ————— से० मी० वजन ————— किलोग्राम ————— ग्राम

(v) एक पर एक रखी छह ईंटों की कुल ऊँचाई कितनी होगी

————— फीट ————— इंच

(vi) इनकी कीमत पता कीजिए

क. 1000 ईंट _____

ख. 1 बोरी सीमेन्ट _____

ग. 1 क्विन्टल छड़ _____

घ. 1 बाँस _____

ङ. 1 कुदाल _____

च. 1 ट्रैक्टर रेत _____

पाठ 23

आस-पास की खोज-खबर

पूजा के समय अगरबत्ती जलाते हैं, उसकी गंध आपको कैसी लगती है? _____
गाँव में भोज हुआ। पत्तल और बचा हुआ खाना बगल की नाली में फेंक दिया गया। वह सड़ गया।
यह गंध आपको कैसी लगती है? _____

तरह-तरह की गंध

अलग-अलग चीज़ों की अलग-अलग गंध होती है। और कुछ चीज़ों से तो कुछ गंध नहीं आती।

1. नीचे बनी सारणी को वस्तुओं की गंध के आधार पर पूरा कीजिए।

क्र.सं.	वस्तु का नाम	गंधहीन वस्तु	गंधवाली वस्तु
1.	लहसुन		
2.	पानी		
3.	चॉक		
4.	पहना हुआ मोज़ा		
5.	पेंसिल		

2. क्या आप विभिन्न प्रकार की चीज़ों को उनकी गंध के आधार पर पहचान सकते हैं? नीचे बनी सारणी में भरिए कि आप कौन से फूलों, फलों, पौधों, पशुओं और पक्षियों को उनकी गंध के आधार पर पहचान सकते हैं?

क्र.सं.		जिन्हें आप पहचान सकते हैं
1.	फूल	
2.	फल	
3.	पौधे	
4.	पशु	
5.	पक्षी	

तरह-तरह की आवाज़ें

रात के अंधेरे में आपको मच्छर का पता कैसे लगता है? _____

हम अपने आस-पास कई तरह की आवाज़ें सुनते हैं। मधुर आवाज़ें सुनकर हम आनंदित होते हैं और कर्कश आवाज़ें या शोर सुनकर हम कान बंद कर लेते हैं।

3. (i) नीचे बनी सारणी में लिखिए कि आपको कौन सी आवाज़ें मधुर लगती हैं और कौन सी कर्कश?

क्र.सं.	मधुर आवाज़	कर्कश आवाज़
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

- (ii) नीचे लिखी क्रियाओं के होने पर हमें कैसी आवाज़ें सुनाई देती हैं?

क्र.सं.	क्रिया	आवाज़
1.	टीन की छत पर पानी की बूँद गिरने पर	टप-टप-टप
2.	बादल के गरजने पर	
3.	घड़ी के चलने पर	
4.	स्कूल की घंटी	
5.	हवा से हिलती हुई पत्तियों की आवाज़	
6.	ताली बजाने पर	
7.	फर्श पर थाली गिरना	

4. इसी प्रकार विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षियों को भी आप बिना देखे उनकी आवाज़ से पहचान जाते हैं? सारणी में लिखे पशु-पक्षियों की आवाज़ें लिखिए।

क्र.सं.	पशुओं का नाम	आवाज	पक्षियों का नाम	आवाज़
1.	मुर्गा	कुक्कूँकू	कौआ	काँव-काँव
2.	कुत्ता		चिड़िया	
3.	बकरी		कबूतर	
4.	गधा		तोता	
5.	बिल्ली		कोयल	

तरह-तरह के स्पर्श

हम बहुत सारी चीज़ों को गंध और आवाज़ के आधार पर पहचान पाते हैं। इसी प्रकार छूने से भी बहुत-सी बातों का पता चलता है। आपका हाथ जब लैम्प से सटता है तो आपको गर्म लगता है और आइसक्रीम ठंडी।

5. नीचे की सारणी में कुछ वस्तुओं के गुण दिए गए हैं। आप किन चीज़ों को छूकर इन गुणों का पता लगा सकते हैं?

क्र.सं.	वस्तु का गुण	वस्तुओं के नाम				
1.	गर्म					
2.	ठंडा					
3.	सूखा					
4.	गीला					
5.	चिकना					
6.	खुरदरा					
7.	लसलसा					
8.	नरम					
9.	कठोर					

6. (i) आप अपने दोस्त की आवाज़ को भीड़ में भी पहचान लेते होंगे। अपने किसी दोस्त की आँख पर रुमाल से पट्टी बाँध दीजिए। बारी-बारी से चार अन्य दोस्तों को विभिन्न दिशाओं से उसका नाम पुकारने और ताली बजाने के लिए कहिए। सही पहचाने जानेवाले दोस्त और दिशा को इस प्रकार अंकित कीजिए।

क्र.सं.	दोस्त का नाम	दोस्त की आवाज़ सही/गलत	ताली की आवाज़	
			दिशा	सही/गलत
1.	अशोक	✓	पूरब	✓
2.				
3.				
4.				
5.				

7. इस गतिविधि को आप पुनः किसी अन्य दोस्त की आँखों पर पट्टी बाँधकर कीजिए। अब आप बताइए—

(ii) क्या आपको आवाज़ और दिशा पहचानने में कठिनाई हुई? _____

(iii) अगर आपकी उम्र का कोई बच्चा बिल्कुल देख नहीं सकता हो, तो उसे क्या कठिनाइयाँ होती होंगी?

(iv) अगर, कोई ऐसा बच्चा आपके स्कूल आता हो, तो आप उसकी कैसे मदद कर सकते हैं?

(v) क्या खेल के मैदान में आप ऐसे बच्चों के साथ खेलते हैं या उन्हें खेल से बाहर बैठा देते हैं? अगर किसी कारण से आपको खेल के मैदान से बाहर बैठना पड़े तो आपको कैसा लगता है?

सुनो कहानी रामपुर शाहाबाद के रहनेवाले पद्मश्री भरत मिश्र की। बचपन में उनकी आँखों की रोशनी चली गई। अगल-बगल के लोग कहने लगे अब इसकी ज़िन्दगी भी भीख माँगते गुज़रेगी। भरत मिश्र की दादी ने बड़े ही आत्मविश्वास से कहा, ये नहीं, लोग इससे भीख माँगेंगे। दादी ने गाँव के ही विद्यालय में इनका नाम लिखवा दिया। भरत मिश्र को पढ़ने में लगन लग गई। आगे की पढ़ाई के लिए उनका नाम पटना दृष्टिबाधित विद्यालय में लिखवाया गया। अपनी मेहनत और प्रतिभा की बदौलत उन्होंने न केवल मैट्रिक और इन्टर किया बल्कि राजनीति विज्ञान से एम.ए. और पीएच.डी. भी की। पीएच.डी. करने के बाद बहुत सारे विश्वविद्यालयों में उन्होंने व्याख्याता बनने के लिए आवेदन दिया। नौकरी देनेवाले लोग उनकी आँखें न रहने से हिचक जाते थे। ऐसे ही संघर्ष के समय वे भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति वराहगिरि वेंकट गिरि से मिले। राष्ट्रपति



भरत मिश्र से मिलकर काफी प्रभावित हुए। उनकी पहल पर मगध विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बने। उनसे पढ़नेवाले विद्यार्थी कहते हैं कि वे भारतीय संविधान के जाने-माने विद्वान् थे। उनकी विद्वत्ता से महाविद्यालय के छात्र एवं अध्यापक सभी प्रभावित थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी भरत मिश्र का सामाजिक एवं समसामयिक समस्याओं पर प्रायः रेडियो से व्याख्यान प्रसारित होता रहता था। इनके मार्गदर्शन में सोलह विद्यार्थियों ने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। जब इन्होंने अपनी शादी के लिए अखबारों में विज्ञापन दिया तो 59 प्रस्ताव आए, जिसमें एक प्रस्ताव डा. धीरा मिश्र का भी था, जो इनकी सुयोग्य जीवनसंगिनी बनीं।

भरत मिश्र की कार्यक्षमता को देखते हुए 1979 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने इन्हें श्रेष्ठ निःशक्त कर्मचारी का पुरस्कार दिया तथा 1985 में राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह के द्वारा इनको पद्मश्री से अलंकृत किया गया। निःसंदेह अंधत्व भरत मिश्र के लिए कभी बाधा नहीं बनी।

ऐसे निःशक्त व्यक्ति को आपकी दया नहीं बल्कि प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। इन्हें कार्यों को करने के लिए तैयार करने की ज़रूरत है।

8. नीचे बनी सारणी में इन लोगों के नाम जिन्होंने अपनी निःशक्तता के बावजूद बड़े-बड़े काम किए हैं? लिखिए।

क्र.स.	व्यक्ति का नाम	निःशक्तता का प्रकार	उपलब्धि
1.	सुधा चंद्रन	पैर कटा हुआ,	नृत्यांगना एवं अभिनेत्री
2.			
3.			
4.			
5.			

9. आपके आस-पास यदि इस प्रकार के व्यक्तित्व हों तो उनके संबंध में चार-पाँच वाक्य लिखिए।

मुझे यह अच्छा नहीं लगता

रश्मि और उषा कित-कित खेलकर घर लौट रही थी। रश्मि को प्यास लग आई थी।

“चलो, मेरे घर चलो न, वहीं पानी पी लेना”; उषा ने रश्मि को खींचते हुए कहा।

‘तुम्हारे मामा तो घर नहीं होंगे न। अगर वे होंगे, तो मैं नहीं जाऊँगी’, रश्मि ने कहा।

“लेकिन क्यों? मामा को तो तुम अच्छी भी लगती हो। वे तुम्हें मिठाई और चॉकलेट भी देते हैं” उषा ने कहा।

रश्मि ने मीना से अपना हाथ छुड़ाया और बोली— ‘तुम्हारे मामा से मुझे डर लगता है। वे मेरा हाथ पकड़ते हैं, तो मुझे अच्छा नहीं लगता’। यह कहकर रश्मि अपने घर चली गई।

10. बताइए—

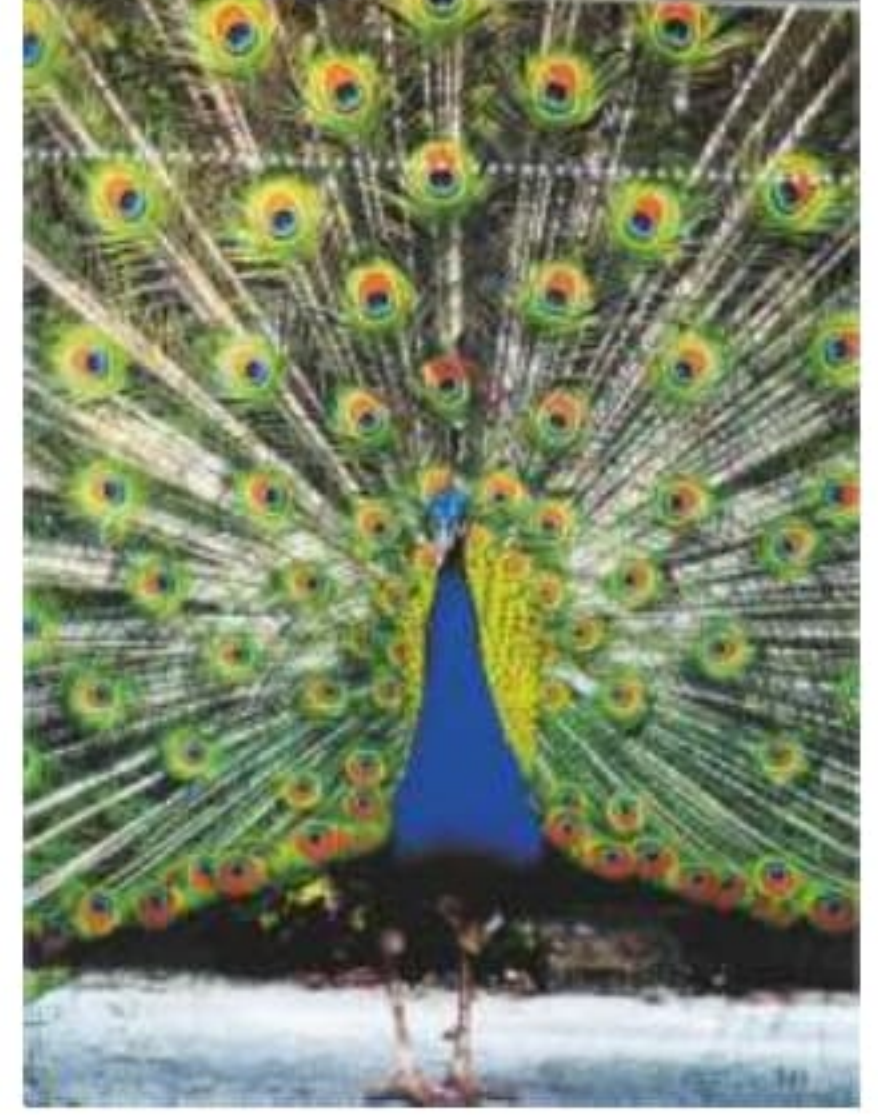
- क्या आपको भी कभी किसी का छूना बुरा लगा है? किसका छूना आपको अच्छा नहीं लगा?
- अगर आप रश्मि की जगह होते, तो क्या करते?
- ऐसा होने पर और क्या किया जा सकता है?

पाठ 24

चिड़ियाघर की सैर

आज मध्य विद्यालय नगदेवा के बच्चे चिड़ियाघर घूमने जा रहे हैं। रेलगाड़ी द्वारा वे जमुई से पटना पहुँचे। फिर टेम्पो पर बैठकर चिड़ियाघर पहुँचे। वहाँ काफी भीड़ थी। उनके साथ आई शिक्षिका दीदी ने टिकट ली और वे सभी अंदर गए।

वहाँ पर हरे-भरे वृक्षों के बीच भिन्न-भिन्न प्रकार के पशु-पक्षी थे— साँप, बंदर, शेर, भालू, बाघ, घड़ियाल, मगरमच्छ, गेंडा आदि। पक्षियों के पिंजरे के पास तो मज़ा ही आ गया। वहाँ एक मोर पंख फैलाकर नाच रहा था। सभी बच्चे एक-एक उसका नाच देखने लग गए। नीनू बोल उठी — हमने अपनी पर्यावरण की किताब में पढ़ा था कि मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है।



1. (i) मोर कब नाचता है?

(ii) मोर के पंखों में कौन-कौन से रंग होते हैं?

(iii) क्या मोर ऊँचा उड़ सकता है? _____

(iv) मोर क्या-क्या खाता है?

मोर का नाच देखकर बच्चे आगे बढ़े। तभी उन्हें एक बाघ के गरजने की आवाज़ आई। सब आवाज़ की ओर दौड़े।



2. (i) नीचे लिखे कौन से शब्द बाघ के लिए प्रयोग किए जा सकते हैं?
 (अ) शक्तिशाली (ब) आलसी (स) कमजोर (द) स्फूर्तिपूर्ण
 (ii) बाघ हमारे देश में कहाँ-कहाँ पाए जाते हैं? पता कीजिए और लिखिए।

दीदी ने बताया कि बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु है। किन्तु, आज इसकी संख्या काफी कम हो गई है। अगर यही स्थिति रही तो बाघ हमें सिर्फ तस्वीरों में ही दिखाई पड़ेंगे।

- (iii) आपको क्या लगता है कि बाघों की संख्या कम क्यों होती जा रही है ?

चिड़ियाघर में घूमते-घूमते सभी तालाब के किनारे पहुँचे। वहाँ लोग नाव की सैर का मज़ा ले रहे थे।

राहुल बोला— उधर देखो, कितने सुंदर कमल के फूल खिले हैं।

दीदी बोली— जब हम पावापुरी घूमने गए थे तो वहाँ मैंने आप सबको कमल के बारे में बताया था।



3. अब आप बताइए—

- (i) हमारे राष्ट्रीय फूल का क्या नाम है? _____
- (ii) यह किस रंग का होता है? _____
- (iii) इसके फूल और पत्तों का क्या उपयोग है?

बच्चे घूमते-घूमते थक चुके थे। वे सब आराम करने लगे। तभी वन विभाग द्वारा लगाए गए सूचना पट्ट पर काजल की नज़र गई। इसमें ऊपर में बीचों-बीच तीन मुँहवाली शेर की आकृति बनी हुई थी।



उसकी ओर इशारा करते हुए काजल बोली— दीदी यह क्या है?

दीदी ने बताया कि यह चित्र हमारा राष्ट्रीय चिह्न है। यह कई सरकारी कागजों और सरकारी स्थानों पर पाया जाता है। यह सारनाथ में राजा अशोक द्वारा बनाए गए एक स्तंभ से लिया गया है। चित्र में हमें तीन शेर दिख रहे हैं। वास्तव में इस चिह्न में चार शेर हैं, एक पीछे की ओर है। बच्चो, इसके नीचे लिखा है— 'सत्यमेव जयते'। जिसका अर्थ होता है— 'सत्य' की हमेशा विजय होती है।

4. (i) इस चित्र को आपने कहाँ-कहाँ देखा है?

- (ii) राष्ट्रीय चिह्न के नीचे एक पट्टी है। इसे ध्यान से देखिए और बताइए उस पर क्या-क्या बना है?

तीन बजनेवाले थे। बच्चों ने वहाँ के जलपान-गृह में समोसा खाया और पानी पिया। किसी की जाने की इच्छा तो नहीं हो रही थी लेकिन, रेलगाड़ी का समय हो रहा था। सभी बस में बैठकर स्टेशन की ओर चल दिए।

रास्ते में आस्था की नज़र एक भवन पर फहरा रहे तिरंगे झंडे पर पड़ी। वह बोली— दीदी यह कौन—सा भवन है। यहाँ पर झंडा क्यों फहरा रहा है? आज न तो पन्द्रह अगस्त है और न ही छब्बीस जनवरी।

दीदी— यह भवन 'सचिवालय' है। यहाँ पर मंत्रियों के कार्यालय हैं और सरकारी काम—काज होता है। यहाँ पर प्रतिदिन तिरंगा फहराया जाता है।

बस अब 'शहीद स्मारक' होते हुए स्टेशन पहुँच गई। ट्रेन में दीदी और बच्चे बातचीत करने लगे।



5. (i) राष्ट्रीय झंडे को तिरंगा क्यों कहा जाता है?

(ii) हमारे देश के झंडे में कौन से रंग हैं?

(अ) ऊपर की पट्टी में _____

(ब) बीच की पट्टी में _____

(स) नीचे की पट्टी में _____

(iii) तिरंगे में नीले रंग का एक चक्र भी होता है। आप गिनकर बताइए कि चक्र में कितनी तीलियाँ होती हैं?

(iv) चक्र किस पट्टी पर है? _____

मनोज— हमने ये रंग क्यों चुने? दीदी ने इस प्रकार का एक चित्र बनाया और समझाया कि प्रत्येक रंग का हमारे लिए अर्थ है—

रंग	अर्थ
केसरिया	साहस और बलिदान
सफेद	सत्य और शांति
हरा	खुशहाली और समृद्धि

चक्र देश की प्रगति और परिवर्तन का प्रतीक है।

- (v) अपने स्कूल और आस-पास देखकर बताइए, आपको भारत का झंडा या उसका चित्र कहाँ-कहाँ देखने को मिल रहा है?

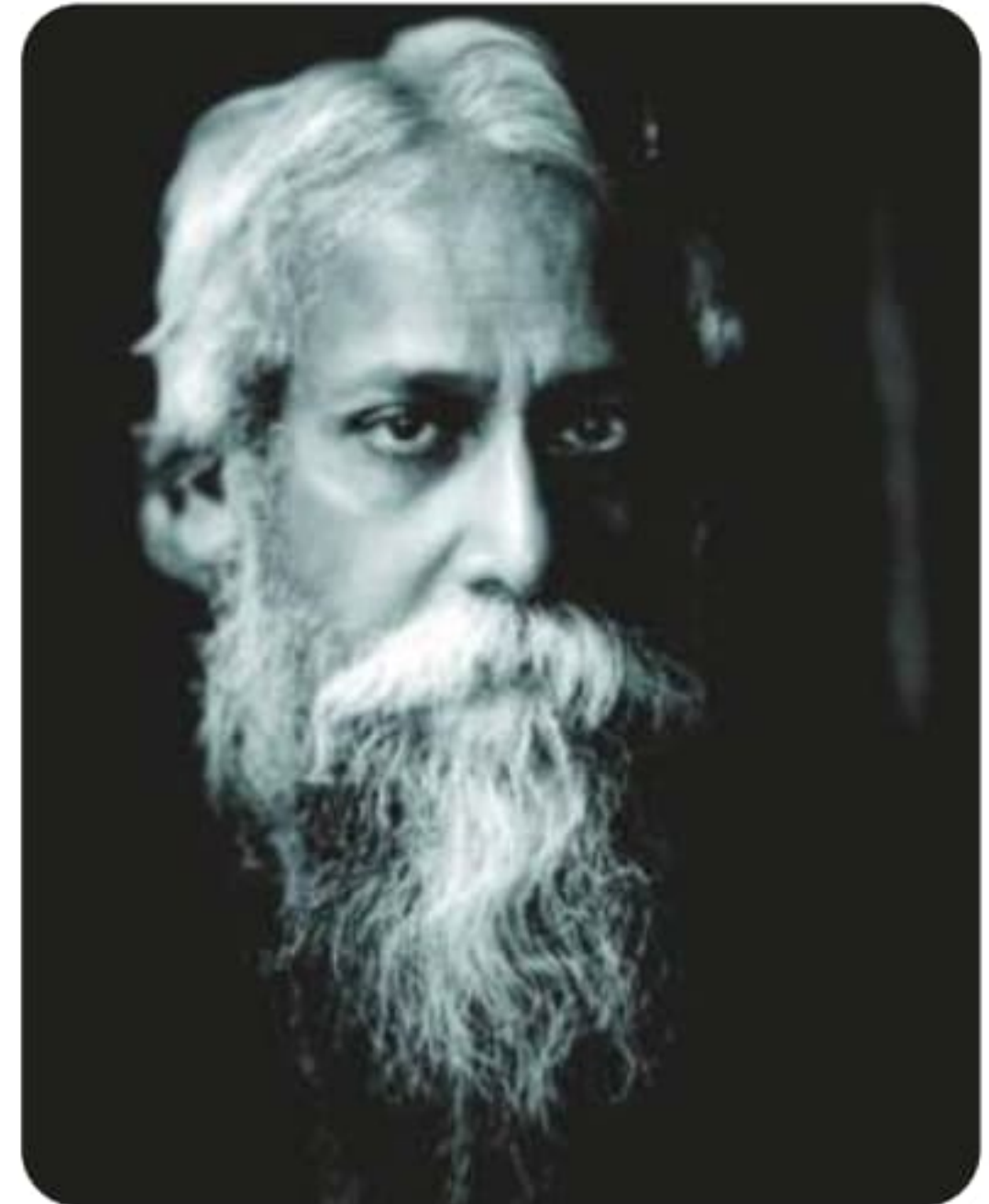
- (vi) आपके स्कूल में झंडा कब-कब फहराया जाता है?

- (vii) तभी आशा बोल पड़ी तो क्या राष्ट्रीय झंडा फहराने के कुछ नियम हैं? सभी बच्चे आपस में इन नियमों के बारे में बात करने लगे। आप भी अपने साथियों और शिक्षक के साथ चर्चा कीजिए और लिखिए।

दीदी ने बच्चों से पूछा कि हम राष्ट्रीय झंडा फहराते समय क्या-क्या करते हैं? बच्चों ने बताया—राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत गाते हैं।

हमारा राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल, बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मागे,
गाहे तव जय गाथा।
जन-गण मंगलदायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता।
जय हे। जय हे। जय हे। जय जय जय जय हे।



रवीन्द्रनाथ टैगोर

6. (i) इस गान में कुछ राज्यों, पर्वतों और नदियों के नाम आए हैं, उनके नाम लिखिए।
 (अ) राज्यों के नाम _____
 (ब) पर्वतों के नाम _____
 (स) नदियों के नाम _____
- (ii) राष्ट्रगान गाते समय किन बातों का ध्यान रखा जाता है?

- (iii) हमारा राष्ट्रगान किसने लिखा है?

हमारा राष्ट्रगीत

वन्दे मातरम् ।।
 सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
 शस्य-श्यामलां मातरम् ।
 वन्दे मातरम् ।।
 शुभ्र- ज्योत्स्ना-पुलकित-यामिनीम्,
 फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल-शोभिनीम्,
 सुहासिनीं सुमधुरभषिणीम्,
 सुखदां, वरदां, मातरम् ।
 वन्दे मातरम् ।।



बंकिमचन्द्र चटर्जी

वन्दे मातरम् गीत बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा लिखा गया। यह गीत स्वतंत्रता आन्दोलन में स्वतंत्रता सेनानियों के लिए देशभक्ति का प्रतीक बन गया था।

7. इनके अलावा भी हमारे कुछ अन्य राष्ट्रीय प्रतीक हैं। उनके नाम पता कीजिए।
- (i) राष्ट्रीय खेल _____
 (ii) राष्ट्रीय नदी _____
 (iii) राष्ट्रीय जल-जीव _____

रेलगाड़ी जमुई रेलवे स्टेशन पहुँचनेवाली थी। तभी आकाश ने कहा— चिड़ियाघर की सैर भी हो गई और राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे में भी जान लिया।

परियोजना कार्य

आप एक चार्ट पेपर लीजिए। उस पर सभी राष्ट्रीय प्रतीकों का चित्र बनाइए या चिपकाइए।



8. अपने माता-पिता से 10, 20 या 50 रु० का नोट लेकर ध्यान से देखिए और बताइए —
(क) नोट पर कौन-कौन सा राष्ट्रीय प्रतीक अंकित है?

.....
.....

- (ख) राष्ट्रीय प्रतीक के अतिरिक्त नोट पर और किस चीज़ के चित्र बने हैं?

.....
.....

- (ग) नोट के ऊपर में कितनी भाषाएँ लिखी हुई हैं? शिक्षक की मदद से उन भाषाओं के नाम पता लगाइए।

.....
.....

- (घ) प्रत्येक नोट पर रुपये के मूल्य के अतिरिक्त भी कुछ संख्याएँ लिखी होती हैं। इन्हें ध्यान से देखिए और मिलाइये। क्या सभी नोटों पर लिखी ये संख्याएँ समान हैं?

.....
.....

बंटी का सफर

सीमा और बंटी अपने माता-पिता के साथ बड़ा दिन की छुट्टियों में राँची जानेवाले हैं। उनका घर दानापुर है जो पटना के निकट गंगा नदी की धारा के दो भागों में बँट जाने से उभरे दियारे की ज़मीन पर बसा है। सीमा ने माँ को सामान बाँधने में मदद किया तो बंटी ने पिताजी के साथ रास्ते का नाश्ता बनाया। चलने के पहले पिताजी ने पूछा—क्या सारा जरूरी सामान रख लिया गया है ?

माँ ने कहा— कपड़े लत्ते, खाना, पानी, दवाइयाँ, रुपये—पैसे, फोटो पहचान पत्र, ब्रीफकेस एवं बैग की ताला—चाभी आदि हमलोगों ने रख ली है।

सीमा ने कहा— जितना भी सामान हमलोग ले जा रहे हैं उसकी मैंने एक सूची भी बना ली है।

1. अगर आपको कहीं घूमने जाना हो तो आप अपने साथ क्या—क्या सामान ले जायेंगे ?

_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

2. क्या यात्रा पर जाने से पूर्व हमें अपने सामानों की सूची बनानी चाहिए या नहीं ? अपने मित्रों के साथ चर्चा कर बताएँ।



सीमा, बंटी और उसके माता-पिता अपने-अपने सामान लेकर नदी की घाट तक आए। वहाँ से नाव के द्वारा नदी पार कर दानापुर पहुँचे। बस पड़ाव से टेम्पो के द्वारा पटना जंक्शन रवाना हुए। बंटी ने कहा— पटना की सड़कों पर आदमी से ज्यादा रिक्शा, टेम्पो, स्कूटर, मोटर साइकिल, जीप, कार आदि की भीड़ है।

सीमा बोली— गाड़ियों के शोर एवं धुँ से मेरा जी घबराने लगा है।

अचानक बंटी उँगलियों से इशारा करते हुए बोला वो देखो यहाँ लड़कियाँ भी फर्राटे से स्कूटर और कार चला रही हैं। जबकि अपने गाँव में तो साइकिल चलाने पर भी लोग लड़कियों को टोकते हैं।

सीमा हैरानी से देखते हुए बोली— यहाँ लड़के तो लड़के, लड़कियाँ भी फुल पैंट, जींस, कमीज, कुर्ता, टीशर्ट पहने तथा हाथ में मोबाइल फोन घुमाते नजर आती हैं। जबकि अपने गाँव में लड़कियाँ फ्रॉक, समीज, सलवार या साड़ी पहनती हैं।

3. आपने अब तक किन-किन वाहनों को देखा है ?

पानी पर चलनेवाला	जमीन पर चलनेवाला	हवा पर चलनेवाला

4. आपके यहाँ लड़के-लड़कियाँ या स्त्री-पुरुष कौन-कौन से कपड़े पहनते हैं?

लड़की/स्त्री	लड़का/पुरुष

5. क्या लड़कियों को साइकिल चलाने पर रोका जाना उचित है ?

टिकट कटाकर सभी लोग प्लेटफार्म पर आ गये थोड़ी देर में पटना-हटिया एक्सप्रेस प्लेटफार्म के पास आकर रुकी। यात्रीगण रेलगाड़ी पर चढ़ने-उतरने के लिए धक्का-मुक्की करने लगे। गाड़ी के अन्दर बैठने के लिए थोड़ी देर तक अफरा-तफरी मची रही। सीमा और बंटी लपककर खिड़कियों के समीप बैठ गये। गार्ड बाबू के हरी झंडी दिखलाते ही गाड़ी सीटी देते हुए चल पड़ी। गाड़ी के

अन्दर काफी गहमा-गहमी थी। कुछ लोग आपस में बातचीत कर रहे तो कुछ लोग अखबार पढ़ने में मशगूल थे। थोड़ी ही देर में काला-कोट एवं उजला पैंट पहने टिकट जाँच करने के लिए टी.टी.ई. डिब्बे में आया। जिन लोगों के पास टिकट नहीं था, उनसे टी.टी.ई. ने 250 /— रुपये जुर्माना के साथ जहाँ तक उन्हें जाना था, उतने रुपये लेकर टिकट बना दिया। बंटी यह देखकर दंग था कि कुछ लोग बिना टिकट कटाये यात्रा करने की कोशिश करते हैं। वह जानता है कि यह एक अपराध है।



6. क्या अपने देखा है रेलगाड़ी के अन्दर किन-किन सामानों की ब्रिकी होती है ?

_____	_____	_____
_____	_____	_____
_____	_____	_____

7. टी.टी.ई. की तरह गार्ड और चालक की भी निश्चित वेषभूषा होती है। पता कीजिए इनके कपड़े कैसे होते हैं ?

टी.टी.ई. _____

गार्ड _____

चालक _____

8. बिना टिकट कटाये यात्रा करना चाहिए क्या ? अपने आस-पास पूछ-ताछकर पता लगाइए इससे क्या हानि है ?

सीमा बंटी के आस-पास ही नीलम-पवन, परमानन्द, रेणु, अर्चना, और विक्रान्त बैठे थे। कुछ ही पल में सबकी आपस में दोस्ती हो गई। नीलम ने कहा—हमलोग पटना घुमने आये थे।

सीमा ने पूछा—पटना में आपने किन-किन स्थानों को देखा ?

पवन —हमलोग यहाँ चिड़ियाघर घूमे, जहाँ बहुत तरह के पशु-पक्षी हैं। साथ-ही-साथ गोलघर (पटना संग्रहालय) भी देखने गये जहाँ अनेक तरह की प्राचीन मूर्तियाँ, सिक्के, हथियार, चित्र आदि रखे हैं।

नीलम बोली—हमलोग ने सिक्खों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविन्द सिंह का जन्म स्थान तख्त हरमंदिर में जाकर अपना मत्था टेका।

परमानन्द—हमलोग गोलघर पर भी चढ़े।

9. आपके निकट कौन-कौन से देखनेवाले स्थान हैं ?

बातें करते-करते वे लोग गया पहुँच गये।

रेणु बोली— गया एक प्राचीन शहर है। यहाँ का विष्णु-पद और मंगला गौरी मंदिर बहुत प्रसिद्ध है।

परमानन्द ने कहा— गया से ही सटे बोधगया है। जहाँ बौद्ध धर्म के संस्थापक भगवान बुद्ध के बड़े-बड़े मंदिर हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान बुद्ध को यहीं एक पीपल पेड़ के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। गया से गाड़ी खुली तो सूखी सी फल्गु नदी दिखाई दी जिसपर बने पुल पर भारी गड़गड़ाहट के साथ गाड़ी गुजर रही थी, जंगल, पहाड़ और पठार दिखने लगे थे। कोडरमा से गाड़ी आगे बढ़ी तो धरती पर कुछ चमकती हुई चीज दिखाई देने लगी सीमा ने पूछा वह क्या दिख रहा है —



10. गुरु गोविन्द सिंह और भगवान बुद्ध के जीवन के बारे में अपने शिक्षकों से पता कीजिए?

गया से गाड़ी खुली। सूखी-सी फल्गु नदी दिखाई दी, जिस पर बने पुल पर भारी गडगड़ाहट के साथ गाड़ी गुजर रही थी।

जंगल, पहाड़, और पठार दिखने लगे थे। कोडरमा से गाड़ी आगे बढ़ी तो धरती पर कुछ चमकती हुई चीज़ दिखाई देने लगी। सीमा ने पूछा— वह क्या दिख रहा है?

रेणु बोली—वह अबरख है ! कोडरमा में चमचमाते अबरख के खान भरे पड़े हैं।

अचानक सीमा की नजर एक ऊँचे पहाड़ पर पड़ी। जिस पर एक छोटा-सा मन्दिर दिख रहा था। अर्चना बोली— यह पारसनाथ का पहाड़ है, जो बिहार और झारखंड राज्य का सबसे ऊँचा पहाड़ है। इसके ऊपर जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का मन्दिर है।

गाड़ी अब गोमो पहुँचनेवाली थी। विक्रान्त ने कहा—यह ऐतिहासिक महत्त्व की जगह है। स्वतंत्रता संग्राम के महान् योद्धा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को अंग्रेजों ने उनके घर में ही कैद कर रखा था। सुभाष चन्द्र बोस उन्हें चकमा देकर कैद से निकल गये और गोमो से फ्रंटियर मेल पकड़कर पेशावर चले गये। बाद में वहाँ से अफगानिस्तान, जर्मनी, जापान होते हुए सिंगापुर पहुँचे तथा आजाद हिन्द फौज की सहायता से अंग्रेजों पर हमला किया।

11. क्या आपने किसी पहाड़ पर चढ़ाई की है ? पहाड़ पर चढ़ते समय हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

12. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की तस्वीर चार्ट पेपर पर बनाइए या चिपकाइए और उनके संबंध में चार-पाँच वाक्य लिखकर कक्षा में टाँगिए।



सुभाष चन्द्र बोस और उनकी फौज का चित्र



सुभाष चन्द्र बोस

गोमो से गाड़ी खुली, रास्ते में पहाड़ी चट्टानों के बीच से होकर बहती दामोदर नदी दिखाई पड़ी। गाड़ी अपनी गति से आगे बढ़ती हुई बोकरो पहुँची। तभी बंटी ने पूछा यह चिमनियाँ कैसी हैं जिनसे धुआँ निकल रहा है। विक्रान्त ने कहा—बोकारो में इस्पात कारखाना है। ये चिमनियाँ उसी की हैं। बोकारो से गाड़ी खुली तो झालदा पहुँची। वहाँ कई यात्री चढ़े, जो बँगला बोल रहे थे।



बंटी की माँ ने कहा, “झालदा पश्चिम बंगाल में है यहाँ के ज्यादातर निवासी बँगला बोलते हैं। गाड़ी अब राँची पहुँच चुकी थी।”

निशिकान्त और इन्दु उन्हें लेने आए थे। घर जाने के रास्ते में अलग ढंग से साड़ी लपेटे महिलाओं का समूह दिखाई दिया, जो अपनी भाषा में कोई गीत गा रही थीं।

निशिकान्त ने कहा— ये उराँव जनजाति की महिलाएँ हैं। झारखंड में इनके अतिरिक्त बिरहोर, मुंडा, संथाल, आदि जनजातियाँ भी रहती हैं। इनकी बोली भी अलग-अलग है। उराँव कुडुख बोलते हैं तो मुंडा मुंडारी और संथालों की भाषा संथाली है।



इन्दु बोली— झारखंड में इसके अतिरिक्त सादरी, नागपुरी, और खोरठा भी बोली जाती है।

बंटी ने कहा— हमारे बिहार में भी काफी भाषाई विविधता है। पटना, गया, नालंदा के लोग मगही बोलते हैं तो वैशाली, मुजफ्फरपुर में बज्जिका। दरभंगा, मधुबनी में मैथिली बोली जाती है तो मुंगेर, भागलपुर में अंगिका। भोजपुर—रोहतास के लोग भोजपुरी बोलते हैं।

13. क्या आपके आस-पास के गाँव के लोग आपकी ही तरह बोलते हैं या कोई अन्तर है पता कीजिए।

छुट्टियों में सीमा—बंटी ने सबके साथ राँची में भारी मशीन का कारखाना, काँके का पागलखाना, नेतरहाट एवं जोन्हा का जलप्रपात देखा। छुट्टियाँ बिताकर वे वापस घर लौटे। इससे वे बहुत खुश थी।

14. अगर आपने कोई यात्रा की है तो उसके संस्मरण कक्षा में सुनाएँ।